धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 29 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 50 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	44.4	28.9
जमशेदपुर	37.6	268
डालटनगंज	47.5	28.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

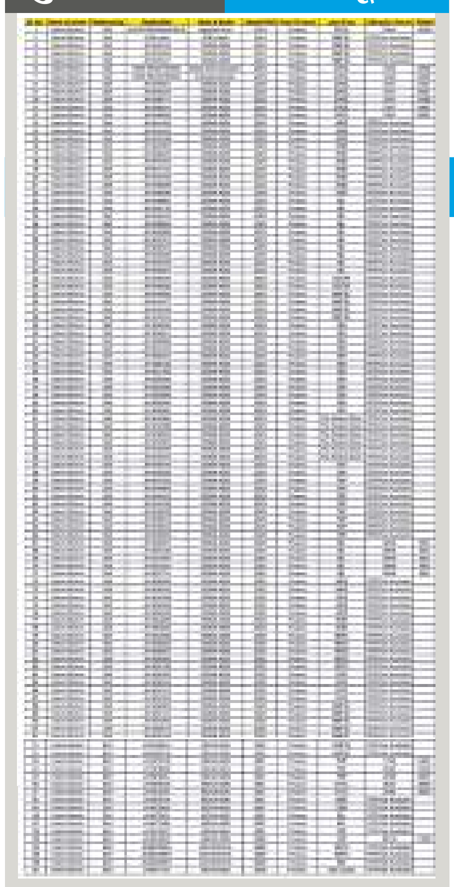

हाइवा खरीदने का पूरा लेखा-जोखा है ये.

आलमगीर के करीबी हाकिम के नाम 2020 में थे 5 हाइवा व जेसीबी, अब 107

विनीत उपाध्याय/सौरभ सिंह। रांची

टेंडर कमीशनखोरी के मामले में झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम को रिमांड पर लेकर ईडी के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं. मंगलवार को विभाग के पूर्व सचिव आइएएस मनीष रंजन से भी पूछताछ हो रही है. इस बीच आलमगीर के करीबी हाकिम के बारे में सनसनीखेज जानकारी सामने आया है. हाकिम, जिसके पास वर्ष 2020 में पांच हाइवा हुआ करता था, आज की तारीख में उसके नाम से 107 हाइवा व जेसीबी है. वर्ष 2020 वही साल है, जब आलमगीर आलम का ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री होने का सफर शुरू हुआ था. हाकिम की तरक्की इतनी तेजी से कैसे हुई, यह समझना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है. इन गाड़ियों की अनुमानित कीमत करीब 100 करोड़ है. हाकिम ने सभी वाहनों की रजिस्ट्रेशन पाकुड़ से ही कराया है. हाकिम के नाम से गाड़ियां होने के दस्तावेज लगातार न्यूज नेटवर्क के पास उपलब्ध हैं.

जानकारी के मुताबिक हाकिम ने 107 वाहनों को खरीदने के लिए अलग-अलग बैंकों से लोन लिया है. जिन बैंकों से हाकिम ने लोन लिया है, उनमें एसबीआई, सीआईएफसीएल, एमएमएफएसएल, एक्सिस बैंक, एचडीबी, आईबीएल, कोटक, फेडरल, टीएमएफ, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और टाटा कैपिटल बैंक शामिल है. बताया जाता है कि हाकिम की सारी गाड़ियां सरकारी कांट्रैक्ट के काम में लगते हैं. ठेकेदारों की मजाल नहीं की, वो हाकिम को छोड़ किसी दूसरे की गाड़ी का इस्तेमाल कर सके.

बताया जाता है कि हाकिम भले ही पाकुड़ का रहने वाला है, लेकिन पिछले चार सालों से उसका अधिकांश वक्त रांची में ही गुजरता रहा है. सप्ताह में तीन-चार दिन वह रांची में ही रहता था और मंत्री आलमगीर आलम के आसपास होता था.

उल्लेखनीय है कि मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के करीबी जहांगीर आलम के आवास में छापामारी कर ईडी ने 35 करोड़ रुपए जब्त किए थे. इस मामले में ईडी ने संजीव लाल व जहांगीर को गिरफ्तार किया था. जिसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए मंत्री आलमगीर आलम को बुलाया था. दो दिन तक चली पूछताछ के ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था. वह अभी ईडी की रिमांड पर हैं.

हाकिम ने कब कितने वाहन खरीदे

वर्ष	वाहनों की संख्या
2020	05 वाहन
2021	10 हाइवा
2022	36 हाइवा व जेसीबी
2023	61 हाइवा व जेसीबी
2024	05 हाइवा

ईडी का दावा- मंत्री से अधिकारी तक लेते थे टेंडर में कमीशन

ईडी ने कोर्ट में खुलासा किया था कि ग्रामीण विकास विभाग के टेंडर में अधिकारी से लेकर मंत्री तक कमीशन लेते थे. ज्ञात हो कि आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उसके निजी सहायक जहांगीर आलम के घर पर छापेमारी में ईडी को नोटों के ढेर मिले थे, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था.

कमीशनखोरी मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं मंत्री आलमगीर

टेंडर कमीशनखोरी मामले में ईडी अब तक विभाग के मंत्री आलमगीर आलम, संजीव लाल, जहांगीर आलम, मुख्य अभियंता बीरेंद्र राम, सीए मुकेश मित्तल सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. ईडी ने दो दिनों तक पूछताछ करने के बाद आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था. ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद ईडी के हाथ कई सबूत लगे हैं, जिससे लगातार नये-नये खुलासे हो रहे हैं. कमीशनखोरी में मनीष रंजन का नाम भी है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,300
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

लिख कर दे रहा मोदी पीएम नहीं होंगे: राहुल

वाराणसी (उप्र)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि काशी के लोगों एक बात नोट करके रख लीजिए. नरेंद्र मोदी जी 4 जून के बाद देश के प्रधानमंत्री नहीं बनने जा रहे. इस लिए इस चुनाव में आप लोग मोदी की जगह अजय राय को वाराणसी से जिता कर अपना सांसद बनायें. उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करने का इरादा रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया अलायंस सत्ता में आया, तो आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाया जाएगा.

मिजोरम में बारिश का कहर, ढहने से 17 मरे

आइजोल। मिजोरम के आइजोल जिले में रेमल चक्रवात के प्रभाव से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच मंगलवार को पत्थर की खदान ढहने से दो नाबालिग समेत कम के कम 17 लोगों की मौत हो गई जबकि छह-सात अन्य लोग लापता हो गए. उधर, असम में भी रेमल के प्रकोप से चलीं तेज हवाओं और भारी बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे दो लोगों की मौत हो गयी और 17 घायल हो गये. -पेज 12 भी देखें

हत्या के मामले में डेरा प्रमुख राम रहीम को बरी

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को डेरे के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की 2002 में हुई हत्या के मामले में मंगलवार को बरी कर दिया. -पेज 12 भी देखें

स्पेन सरकार फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देगी

मैड्रिड। यूरोपीय संघ के इजराइल के साथ बढ़ते मतभेद के बीच स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि उनके देश का मंत्रिमंडल जल्द ही बैठक करके फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देगा.

दुमका में पीएम मोदी का ऐलान

4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी

प्रमुख संवाददाता। रांची/दुमका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई और तेज होगी. झामुमो, कंग्रेस और आरजेडी वाले चाहते हैं कि मोदी को हटा दो ताकि ये फिर से घोटाला कर सकें. जेममएम और कांग्रेस हर तरह से झारखंड को लूट रहे हैं. यहां कि चर्चा नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है. कहीं 19 करोड़, कहीं 35 करोड़ तो कहीं 300 करोड़. मैने इतने नोट कभी आंखों के सामने देखा नहीं है. ये पैसा कहां से आ रहा है शराब के घोटाले से, टेंडर घोटले से, खनन घोटाले से. सिर्फ साहिबगंज में 1000 करोड़ के खनन घोटाले का पता लगा है. इन लोगों ने जमीन हड़पने के लिए अपने माता-पिता का नाम बदल दिया. वे मंगलवार को दुमका में जनसभा में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि इन्होंने आदिवासियों का जमीन हड़प लिया. सेना की जमीन को लूटा. आपको झारखंड को इन लोगों से मुक्ति दिलानी होगी. जेएमएम वालों ने आपकी थाली का राशन लूट लिया है इनको शर्म नहीं आई. जल जीवन मिशन के तरह मैंने हर घर में पानी पहुंचाने का काम किया. इन्होंने उसमें भी भ्रष्टाचार किया. मैं राशन भेजता हूं तो उसे काले बाजार में बेचा जाता है. कार्रवाई नहीं होती है. क्योंकि सबको पता है जेएमएम लूट में फंसा है. गरीब का अन्न, गरीब का पानी मोदी किसी को छीनने नहीं देगा.

दलित, वंचित आदिवासियों के लिए समर्पित है भाजपा : पीएम ने कहा, भाजपा दलित, आदिवासियों के लिए समर्पित है. आदिवासी कल्याण के लिए चार गुना बजट बढ़ाया. 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बना रहे हैं. खनिज का पैसा आपके बच्चों के लिए खर्च हो हमने इसके लिए कानून बनाया. हमारी सरकार जनजातीय गौरव दिवस मनाती है.

इन्होंने बीजेपी की योजनाओं को विरोध किया. इंडिया जमात ने आदिवासी समाज की बेटी को राष्ट्रपति चुनाव हरवाने के लिए सारी ताकत झोंक दी थी. इंडिया के लिए सिर्फ अपना वोट बैंक जरूरी है. जहां जहां ये लोग आए वहां वहां आदिवासियों की जीवन खतरे में पड़ गई.

बोले पीएम

- नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है झारखंड की चर्चा
- जमीन हड़पने के लिए माता-पिता का नाम बदल दिया
- सरकार बनने के बाद मैं 3 करोड़ और मकान बनाऊंगा
- आदिवासियों को निशाना बनाने वालों को पाल रहा है झामुमो
- इंडिया वालों सुन लो, जितना कीचड़ उछालोगे उतना कमल खिलेगा

मोदी के आने से पहले होते थे रोज-रोज घोटाले

2014 में मोदी के आने से पहले रोज-रोज घोटाले होते थे. हमने गरीबों का जीवन बदला है. जो काम 10 साल में हुआ, अब अगले 5 साल में उसे आगे बढ़ाना है. अगले 5 साल में 3 करोड़ माताओं-बहनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प है. 4 जून के बाद नई सरकार बनेगी, सरकार बनते ही 3 करोड़ और मकान बनाऊंगा. बिजली का बिल ना देना पड़े इसलिए सोलर पैनल लगेंगे, जिससे बिजली का बिल जीरो होगा.

लव जिहाद शब्द झारखंड से निकला

पीएम मोदी ने लव जिहाद और शुक्रवार को छुट्टी पर कहा, मुझे हमारे साथी बता रहे थे कि लव जिहाद शब्द सबसे पहले झारखंड में आया. झारखंड वालों ने यह शब्द दिया है. अब देखिए हमारे देश में रविवार को छुट्टी होती है, कभी अंग्रेज जब यहां राज करते थे, तो ईसाई समाज हॉली डे मनाता है, तभी से रविवार को छुट्टी वाली परंपरा शुरू हुई. रविवार हिंदुओं से नहीं ईसाई समाज से जुड़ा हुआ है. 200-300 साल से यह चल रहा है. उन्होंने एक जिले में रविवार की छुट्टी पर ताले लगवा दिए और बोले अब शुक्रवार को छुट्टी होगी. दरअसल, साल 2022 में झारखंड के कुछ सरकारी स्कूलों में रविवार की जगह शुक्रवार को छुट्टी होने लगी थी. ऐसा बताया गया कि स्थानीय लोगों के दबाव के चलते स्कूलों ने यह फैसला लिया था.

जब तक मोदी जिंदा है नहीं छिनने देगा आरक्षण

इंडिया गठबंधन के लोग तुष्टीकरण करते हैं, आतंकियों का साथ रहे है. हम विरोध करते हैं तो हमपर मुस्लिम-हिंदू करने का आरोप लगता है. संविधान ने जो आरक्षण दिया है उसकी रक्षा करने के लिए मोदी जान लगा देगा. जब तक मोदी जिंदा है आप का आरक्षण छिनने नहीं देगा. इनको लगता है मैं डर जाऊंगा. इंडिया वालों सुन लो तुम जितना कीचड़ उछालोगे उतना कमल खिलेगा.

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी से पूछा तीखा सवाल

पीएम साफ करें सरना कोड लागू करने पर अपना रुख

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने झारखंड में पीएम नरेंद्र मोदी से राज्य के आदिवासी समुदाय की सरना धर्म कोड को मान्यता देने से जुड़ी मांग का मुद्दा उठाया है. कहा, प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि आदिवासियों की इस मांग पर उनका क्या रुख है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के एक बयान को लेकर उन पर प्रहार किया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अगर चोरों और डकैतों को भी भाजपा से टिकट मिलता है, तो उनका समर्थन होना चाहिए. रमेश ने सवाल किया, गोड्डा से भाजपा प्रत्याशी लोगों से भाजपा से टिकट पाने वाले चोरों और डकैतों को वोट देने की अपील क्यों कर रहे हैं? सरना कोड पर उन्होंने कहा, वर्षों से सरना मानने वाले आदिवासी अपनी विशिष्ट धार्मिक पहचान को मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे हैं. लेकिन जनगणना के लिए धर्म के कॉलम से अन्य विकल्प को हटाने का हालिया निर्णय सरना अनुयायियों के लिए दुविधा पैदा करता है. या तो उन्हें अब कॉलम को खाली छोड़ना होगा या उसमें दिए गए धर्मों में से किसी एक के साथ ख़ुद को जोड़ कर बताना होगा.

गोड्डा के किसानों को कब मिलेगा जमीन का मुआवजा

रमेश ने कहा, जून 2015 में, अडानी समूह ने गोड्डा के 10 गांवों में बिजली संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की. तत्कालीन भाजपा सरकार की मदद से, किसानों से 1255 एकड़ भूमि का अधिग्रहण हुआ था. ज़मीन अधिग्रहीत किए जाने के कई साल बाद भी उन्हें मुआवजे के पूर्ण भुगतान का इंतज़ार है. उन्होंने किसी का नाम लिए बिना सवाल किया, क्या पीएम स्पष्ट करेंगे कि वह न्याय की लड़ाई में गोड्डा के किसानों के साथ खड़े हैं या क्या उनके लिए अपने मित्र और फाइनेंसर के प्रति उनकी वफादारी अधिक महत्वपूर्ण है?

आईएएस मनीष रंजन पहुंचे ईडी ऑफिस

मंत्री आलमगीर आलम को सामने बैठा कर हुई पूछताछ

संवाददाता। रांची

आईएएस मनीष रंजन मंगलवार को ईडी ऑफिस पहुंचे. ईडी के अधिकारियों ने मनीष रंजन और मंत्री आलमगीर आलम को आमने-सामने बैठाकर लंबी पूछताछ की. मालूम हो कि टेंडर कमीशनखोरी मामले में ईडी ने 22 मई को आईएएस मनीष रंजन को समन भेज कर 24 मई को पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस बुलाया था. लेकिन वो ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे.

उन्होंने राजस्व विभाग के एक कर्मचारी को विशेष दूत के तौर पर पत्र लेकर ईडी ऑफिस भेजा था. पत्र में मनीष रंजन ने तीन सप्ताह का समय देने की मांग की थी. हालांकि ईडी ने उन्हें तीन सप्ताह का वक्त नहीं दिया. इसके बाद ईडी ने 25 मई को मनीष रंजन को दूसरा समन भेज कर 28 मई को पूछताछ करने के लिए बुलाया था. ईडी के दूसरे समन के बाद ही रंजन ईडी ऑफिस पूछताछ के लिए पेश हुए.

टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग में मनीष रंजन की बड़ी भूमिका : गौरतलब है कि टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी मंत्री आलमगीर आलम, उनके पीएस संजीव लाल और जहांगीर से पूछताछ की थी. अब तक की पूछताछ में वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन की इस मामले में बड़ी भूमिका सामने आई है. इन तीनों के कबूलनामे के बाद ईडी ने झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव मनीष रंजन को आलमगीर आलम के सामने बैठा कर पूछताछ करना चाहती थी. इतना ही नहीं अब तक की जांच में इस पूरे घोटाले में कई प्रभावशाली लोगों की भी बड़ी भूमिका सामने आ रही है.

लोस चुनाव के बीच तेजस्वी यादव का बड़ा बयान

इंतजार कीजिए! 4 जून को चाचा जी लेंगे कोई बड़ा फैसला

संवाददाता। पटना

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद के नेता तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा किया है. तेजस्वी ने कहा कि उनके चाचा यानी सीएम नीतीश 4 जून के बाद कोई भी बड़ा फैसला ले सकते हैं. नीतीश अपनी पार्टी बचाने और पिछड़ों की राजनीति के लिए कोई भी कदम उठा सकतेहैं. तेजस्वी के इस बयान के बाद बिहार में सियासी हलचल तेज हो गई है. तेजस्वी यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान मंगलवार को यह दावा किया. तेजस्वी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या नीतीश उनके साथ आएंगे. इस पर उन्होंने जवाब दिया कि 4 जून तक इंतजार कीजिए. जब सीएम नीतीश कुमार कोई बड़ा फैसला लेंगे, तब देखेंगे.चाचा नीतीश 4 जून को बड़ा ऐलान करने जा रहे हैं. बता दें कि इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश जी ने जो गुण हमें सिखाया है. उसी पर हम काम कर रहे हैं. उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर है. उन्हीं के अनुसार हम काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा था कि भाजपा 2014 में आई थी और 2024 में जाएगी. यह नीतीश जी भी चाहते थे और उनकी यह इच्छा भी पूरी होगी. तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है, तो 15 अगस्त को आजादी के दिन एक करोड़ युवाओं को नौकरी देने का काम उनकी सरकार करेगी. इस दौरान उन्होंने लोगों से इंडिया गठबंधन को जिताने की अपील की.

झारखंड में नई पहल अब सरकारी स्कूलों के गुरुजी की भी होगी परीक्षा

मास्टर साहब हुए फेल, फिर से देना होगा एक्जाम

रवि भारती। रांची

सरकारी स्कूलों में क्वालिटी ऑफ एजुकेशन देने की कवायद राज्य सरकार ने शुरू की है. इसके लिए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में हुई बैठक में विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है. इसके तहत के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को परीक्षा देनी होगी. परीक्षा में पास करना भी अनिवार्य होगा. कार्ययोजना के मुताबिक टीएनए के तहत जितने बिंदुओं पर आकलन हुआ है, उस पर ऑनलाइन टेस्ट कराया जाना है. इसमें शिक्षक को पास करना अनिवार्य है.

प्रश्नों के आधार पर पर टीएनए टेस्ट लिया जाना है. उसका 10 प्रश्न सेट तैयार करना है. 100 शिक्षक का जे-गुरुजी से असेसमेंट करना है. जो पास नहीं करेंगे, उन्हें पुनः परीक्षा देना होगा. 10 से 20 प्रश्नों का एक सेट तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है. चार श्रेणी का चार प्रश्न-पत्र सेट तैयार करना है. 10 जून को एक टेस्ट किया जाना है, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी.

करना होगा समावेशी शिक्षा से संबंधित मॉडल का निर्माण

प्राइमरी शिक्षक के प्रशिक्षण शुरू होने के पूर्व समावेशी शिक्षा से संबंधित मॉडल का निर्माण कर 6 जून को इससे राज्य परियोजना निदेशक को दिखाना होगा. मेंटली डिसेबल बच्चों का प्रमाणपत्र रिनपास से बनवाने के लिए संबंधित पदाधिकारी से बात कर आगे का कार्रवाई करनी होगी. विद्या समीक्षा केंद्र के लिए तैयार एसओपी का अवलोकन कर अंतिम रूप देते हुए विभागीय सचिव से अनुमोदन लेना होगा.

भरे जाएंगे रिसोर्स शिक्षक के पद

रिसोर्स शिक्षक के रिक्त पद भरने का निर्देश दिया गया है. रोस्टर का पत्र जिलों को भेजे जाएंगे. इसके बाद स्कूलों को भी पत्र तैयार कर रिक्त पदों की लिस्ट जिलों द्वारा दी जानी है. सभी रिक्त पदों की सूची परियोजना निदेशक को देंगे. सभी जिले डीसी और डीडीसी के साथ बैठक कर उनकी फोटो एवं निर्णय के बिंदुओं पर पीपीटी तैयार करेंगे. राज्य परियोजना निदेशक के स्तर से समय का निर्धारण कर 10 रिसोर्स केंद्र को वीडियो कॉल कर दिखाना अनिवार्य होगा.

ऐसी है कार्ययोजना

- जे-गुरुजी के लिए सर्वर के लिए सचिव के स्तर से विभाग को पत्र देने के लिए आवश्यक कार्रवाई किया जाना है.
- **ई-विद्यावाहिनी में आउटसोर्स कर्मी के मानदेय का भुगतान होना है. इसके लिए प्रशासन से पत्र निर्गत किया जाना है.**
- शत-प्रतिशत टैंजिशन एवं जीरो ड्रॉप आउट के लिए प्रदत प्रपत्र में आंकड़ों के संग्रहण-समेकन के लिए जिलों एवं प्रखंड के साथ बैठक कर आंकड़ों का समेकन किया जाए.
- **बीआरपी-सीआरपी द्वारा विद्यालयों में किए जा रहे अनुश्रवण का प्रतिवेदन नियमित रुप से देखा जाना है.**
- वैसे बीआरपी-सीआरपी की पहचान चिन्हित की जाए, जो स्कूल में अनुश्रवण नहीं करते, पर कार्रवाई की जानी है.
- बीआरपी- सीआरपी रांची, देवघर की मैपिंग दिखानी है.
- कम स्कूलो में विजिट करनेवाले बीआरपी-सीआरपी को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही करनी है.

हेमंत सोरेन की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट में सुनवाई

कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर मंगलवार को ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया.

सोरेन ने सोमवार को हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दाखिल कर मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया था. सोरेन ने दलील दी कि बरियातू इलाके में 8.5 एकड़ जमीन के किसी भी दस्तावेज में उनका नाम नहीं है और उनके खिलाफ धन शोधन निवारण एक्ट के तहत कोई अपराध नहीं बनता है. उन्होंने यह भी दावा किया कि ईडी केवल कुछ बयानों पर भरोसा कर रही है, जिन्होंने कहा था कि भूमि उनकी है, लेकिन इसके समर्थन में कोई दस्तावेज नहीं था. जस्टिस मुखोपाध्याय की कोर्ट ने 10 जून से पहले ईडी को शपथ पत्र के माध्यम से जवाब दाखिल करने को कहा है. कोर्ट मामले की सुनवाई 10 जून को करेगा. सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बहस की. यह जानकारी सुनवाई में मौजूद वकील अधिवक्ता धीरज कुमार ने दी.

- वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने की पैरवी
- मामले में अगली सुनवाई 10 जून को होगी

राजनीतिक साजिश के शिकार हुए सोरेन

न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय की पीठ के समक्ष सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि झामुमो के नेता हेमंत सोरेन राजनीतिक साजिश का शिकार हुए हैं.सोरेन की तरफ से सिब्बल ने दलील दी कि जमीन का मालिक राजकुमार पाहन नाम का व्यक्ति है, जिसने बरियातू के बार्गेन सर्कल अधिकारी के कार्यालय में शिकायत की थी कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है. याचिका में कहा गया है कि पाहन ने कहीं भी हेमंत सोरेन के नाम का उल्लेख नहीं किया था, फिर भी ईडी ने दावा किया कि जमीन उनके (सोरेन के) कब्जे में थी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ के योग हैं.

वृषभ लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें. कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा.

मिथुन शिक्षा में लाभ होगा और व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. दिन का इंजॉय करें.

कर्क शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

सिंह आय के लिए आप प्रयासरत हैं. इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत अच्छा नहीं है. पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. संतान संबंधी बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है.

वृश्चिक पार्टनर तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. बातचीत में संयम रखें. हनुमानजी को सिंदूर का चोला अर्पण करें.

धनु जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा.

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी.

कुंभ नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है.

पैसा नहीं देने पर दादा-दादी की हत्या मामले में पोता दोषी करार

रांची। अप्रैल 2021 में सरहुल पर्व मनाने के नाम पर पैसा नहीं देने पर दादा-दादी की हत्या करने के आरोपी पोते मंगलू उरांव को अदालत ने दोषी करार दिया है. पैसा नहीं मिलने पर उसने आवेश में आकर इस घटना को अंजाम दिया था. अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार सिंह की अदालत ने दोहरे हत्याकांड की सुनवाई करते हुए मंगलू उरांव को दोषी पाया है. साथ ही सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 31 मई की तारीख निर्धारित की है. बता दें कि बेड़ो थाना क्षेत्र के घाघरा पंचायत स्थित कैरो गांव में 22 साल के पोते मंगलू उरांव ने बूढ़े दादा मंगरा उरांव एवं दादी चरिया की हत्या 14 अप्रैल 2021 को कर दी थी. अभियुक्त ने घर में रखे दौली और हसुआ से हमला कर दादा-दादी को मौत के घाट उतार दिया था.

महुआटांड़, रामपुर व दीपाटोली में अबुआ आवास योजना आवंटन में नियमों की हुई अनदेखी, कई मामले सामने आए

अबुआ आवास योजना में बड़ा खेल, संपन्न परिवार भी उठा रहे योजना का लाभ

संवाददाता। रांची/लातेहार

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना में भी बड़ा खेल हो रहा है. महुआटांड़ में अबुआ आवास योजना आवंटन में धड़ल्ले से नियमों की अनदेखी की जा रही है. बताते चलें कि वित्तीय वर्ष 2023 24 में दो लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें जिलों को दूसरी किस्त भी भेज दी गई है. कच्चे आवास में रह रहे लोगों के लिए राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना की शुरुआत की थी.

कई चौंकाने वाले तथ्य आए हैं सामने : महिला सामाजिक कार्यकर्ता अफसाना खातून ने सूचना के अधिकार से मिले दस्तावेजों का सत्यापन जब आवास लाभुकों की वास्तविक स्थिति से किया, तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने उजागर हुए हैं. आठ सदस्यीय सत्यापन समिति, जिसमें नरेगा सहायता केंद्र की अफसाना खातून, प्रशांत किंडो, जल सहिया कुंती देवी, महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय दीदी सरस्वती देवी, वार्ड सदस्य दोलोरोसा मिंज, रीना देवी, अनूप कुमार एवं महुआडाड़ ग्राम पंचायत की उप मुखिया चंद्रमणि देवी शामिल हैं, इन सभी ने स्थल पर जाकर जांच की है. ग्राम प्रधान विकास उरांव ने कहा कि जिस सरकारी ग्राम सभा में इन लाभुकों की सूची तैयार की गई, उसके संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है.

ऐसे हुआ है खेल

महुआटांड़, रामपुर एवं दीपाटोली के 13 परिवारों को अबुआ आवास योजना आवंटित की गयी है, जिसमें ग्राम पंचायत के कर्मियों द्वारा सरकारी मापदंडों की धज्जियां उड़ाई गई हैं.

- महुआडांड़ की लाभुक पिंकी देवी (पति- अमित कुमार) की पंजीकृत आईडी 1310872 है. इनके परिवार में पहले से दो जगह पर तीन मंजिला पक्के मकान हैं. रामपुर चौक में उनकी किराना दुकान व होटल है. साथ ही तीसरा पक्का मकान भी है, जिसमें किराये पर सेवा सदन नामक निजी अस्पताल संचालित है.
- संगीता सिंह (पति- जितेंद्र सिंह) की पंजीकृत आईडी 1355701 है. हैरत की बात है कि ये झारखंड की निवासी हैं ही नहीं, बिहार की रहनेवाली हैं. इनके पति सीआरपीएफ जवान हैं.
- गौरी देवी (पति महेंद्र प्रसाद) की पंजीकृत आईडी 1322955 है. यह परिवार अभी अपने पक्के मकान में रह रहा है तथा महेंद्र प्रसाद झारखंड पुलिस में नौकरी करते हैं. ऐसे ही कई अन्य लाभुक हैं, जो अबुआ आवास योजना में निर्धारित मापदंडों के सर्वथा अयोग्य हैं.

क्या हो सकता है दंड | अबुआ आवास योजना का लाभ लेने लिए गलत जानकारी देने वालों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है. भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 177, स्पष्ट कहती है कि किसी लोक सेवक या अधिकारी को झूठी जानकारी देना एक अपराध है. इस आधार पर प्रशासनिक जांच में मामले सही पाए जाते हैं, तो ऐसे फर्जी लाभुकों पर प्रशासन प्राथमिकी दर्ज करा सकेगा. साथ ही ब्याज के साथ सरकारी राशि की वसूली की जा सकेगी.

अबुआ आवास योजना के लिए तय मापदंड

सरकार ने अबुआ आवास योजना के लिए वैसे परिवारों को प्राथमिकता सूची में शामिल करने के लिए मापदंड निर्धारित किए हैं. जो परिवार अब तक कच्चे घरों में रह रहे हों, आवासविहीन एवं निराश्रित परिवार, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के परिवार, प्राकृतिक आपदा के शिकार परिवार, कानूनी तौर पर रिहा किए गए बंधुआ मजदूर परिवार, ऐसे परिवार जिन्हें राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित आवास योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना, बिरसा आवास योजना और इंदिरा आवास योजना का लाभ नहीं मिला हो, ऐसे परिवार अबुआ आवाय योजना का लाभ लेने के योग्य हैं.

मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में भारी अनियमितता का आरोप

स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका की जांच करें सीएम : सरयू राय

झारखंड आरोग्य सोसाइटी और निरूज कंपनी के बीच हुए एमओयू को रद्द करने की मांग

प्रमुख संवाददाता। रांची

निर्दलीय विधायक सरयू राय ने आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में हो रही भारी अनियमितता का आरोप लगाया है. उन्होंने सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की भूमिका की जांच कराने की मांग मुख्यमंत्री से की है. कहा है कि इसके कारण राज्यभर के मरीजों को तो परेशानी हो ही रही है, सरकारी खजाने पर भी भारी चपत लग रही है.

सरयू राय ने कहा है कि इस अनियमितता और भ्रष्टाचार में चयनित बीमा कंपनी, बीमा कंपनी का बीमा करने वाली पुनः बीमा कंपनी और एक बिचौलिया निजी कंपनी के कारिंदे शामिल हैं. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की पहल पर झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी और एक निजी कंपनी 'निरूज कंसलटेंट्स एलएलपी' के बीच 11 जनवरी 2024 को एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ. इसके अनुसार, यह परामर्शी कंपनी आयुष्मान भारत के कतिपय कार्यों के लिए निःशुल्क सहयोग प्रदान करेगी. सहमति के बिंदु व्यापक हैं, पर अस्पष्ट हैं. वहीं सोसाइटी के साथ हुए समझौते के तहत और निरूज कंपनी को सभी कार्य निःशुल्क करना है.

निःशुल्क काम करने के लिए कैसे तैयार हो गई कंपनी

सरयू राय ने सवाल उठाते हुए कहा कि आश्चर्य है कि कोई भी निजी कंपनी ऐसे पूर्णकालिक काम, जिसमें पर्याप्त मानव संसाधन एवं वित्तीय संसाधन की जरूरत होगी, नि:शुल्क काम करने के लिए कैसे तैयार हो गई है? क्या इसके पीछे कोई परोक्ष गुप्त योजना छुपी है, जो अनियमितता व भ्रष्टाचार का कारण बन रही है, जिससे सरकारी धन का अपव्यय हो रहा है. राय ने कहा है कि कहीं आयुष्मान योजना में जालसाजी करने वाले अस्पतालों को चिह्नित करने, उनपर कार्रवाई की अनुशंसा करने और फिर उन्हें क्लीन चिट देने की कार्रवाई तो नहीं चल रही है. यह जांच का विषय है.

निरूज कंपनी और बीमा कंपनियों के संबंध की जांच हो

राय ने कहा है कि जांच इसकी भी होनी चाहिए कि नि:शुल्क कार्य के लिए चयनित कंपनी निरूज का संबंध बीमा कंपनियों तथा पुन: बीमा कंपनियों के साथ क्या है? बीमा कंपनियों के साथ निरूज के संबंधों के कारण हितों का टकराव किस भांति और कितनी मात्रा में हो रहा है? सोसाइटी को अपने कार्यों के लिए ऐसी कंपनी के साथ एमओयू करने की क्या जरूरत पड़ गई ? बीमा कंपनी और सरकार के बीच प्रिमियम निर्धारण एवं भुगतान संबंधों पर इसका क्या असर पड़ रहा है? अस्पतालों में मरीजों की चिकित्सा और अस्पतालों द्वारा चिकित्सा पर हुए या हो रहे व्यय के बिल पर इसका क्या प्रभाव हो रहा है?

मापदंडों की अवहेलना पर कितने अस्पतालों पर कार्रवाई? | सरयू राय ने सरकार से पूछा है कि कितने अस्पतालों पर इस अवधि में आयुष्मान के मापदंडों की अवहेलना के लिए कार्रवाई की अनुशंसा हुई? अनुशंसा के कारण क्या थे और कितनों की पुनर्बहाली किस प्रकार कर दी गई? ईडी की जांच में सरकार द्वारा दी गई अस्पतालों की सूची में से कितने अस्पतालों को माफी दे दी गई और बिना उपयुक्त दंड के इन्हें पुन: किस प्रकार सूचीबद्ध कर दिया गया? उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इसकी जांच कराएं और नि:शुल्क सहयोग के नाम पर निहित स्वार्थ साधने के लिए झारखंड आरोग्य सोसाइटी और निजी कंपनी निरूज के बीच हुए एमओयू को रद्द करें.

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह की आरकेटीसी और बर्बरीक कंपनी को धमकी और कहा

पुलिस के साथ खेल कर कब तक रायपुर में रह लोगे

संवाददाता। रांची

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने आरकेटीसी और बर्बरीक कंपनी को धमकी दी है. मयंक सिंह ने धमकी देते हुए कहा है कि ना तो गैंग में हथियार की कमी है और ना तो गैंग में शूटर की कमी है, इस बार तो बच गए, पर अगली बार खत्म. हमारी कोशिश जारी रहेगी. याद रखना 100 दिन तुम्हारी किस्मत साथ देगी तो तुम मुझसे बचोगे. मेरी किस्मत एक दिन साथ देगी, तो तुम्हारा खेल खत्म. झारखंड में काम कर रहे हैं और गैंग को नजरअंदाज करके, पुलिस के साथ मिलकर खेल करके लड़कों को जेल भेजकर रायपुर में रह लोगे. रायपुर क्या इंडिया के किसी कोने में रहोगे या कनाडा, मलेशिया, यूके. दुनिया के किसी देश में रहोगे तो वहां तक अपनी कोशिश जारी रहेगी.

बर्बरीक कंपनी के मालिक को मारने भेजा था शूटर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बर्बरीक कंपनी के मालिक की हत्या के लिए अमन साहू गैंग का अपराधी पहुंचा था. हालांकि पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार अपराधियों में बोकारो का रहने वाला रोहित स्वर्णकार के अलावा राजस्थान के पाली का रहने वाला मुकेश कुमार, देवेन्द्र सिंह और पप्पू सिंह शामिल है. वर्तमान में अमन साहू गैंग को अपराधी मयंक सिंह मलेशिया में बैठकर ऑपरेट कर रहा है. बर्बरीक कंपनी ओरमांझी से बोकारो तक भारत माला प्रोजेक्ट के तहत सड़क का निर्माण करा रहा है.

आरोपियों से पूछताछ में हुए कई बड़े खुलासे

आरोपियों ने बताया कि प्लानिंग के तहत मयंक सिंह जो झारखंड के कुख्यात अपराधी अमन साहू गैंग को संचालित करता है, उसने रोहित स्वर्णकार निवासी बोकारो झारखंड को पहले पिस्टल के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर शहर भेजा. इंदौर के सेंधवा से अपने संपर्क के माध्यम से एक पिस्टल और एक मैग्जीन उपलब्ध कराया गया. फिर मयंक ने ही रोहित को पिस्टल लेकर रायपुर पहुंचने को कहा. मयंक सिंह द्वारा राजस्थान के जिला पाली के ग्राम सारन में बैठे पप्पू सिंह को वारदात को अंजाम देने के लिये एक बाइक राइडर की व्यवस्था करने को कहा. पप्पू ने सारण निवासी मुकेश कुमार भाट और देवेन्द्र सिंह को वारदात के वक्त बाइक चलाने के लिये रायपुर रवाना किया. रोहित स्वर्णकार इंदौर के सेंधवा से पिस्टल लेकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर ट्रेन से रायपुर पहुंचा. इधर मुकेश और देवेन्द्र बस के माध्यम से रायपुर पहुंचे. प्लानिंग के मुताबिक, रायपुर पुलिस के जवान इन्हें चिन्हित करने सादे लिबास में शहर के संभावित स्थलों पर तैनात किये गये. जिसके बाद अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया.

महावीर रूंगटा और राकेश सिंघानिया के खिलाफ आरोप गठित कर दिया

संवाददाता। रांची

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी महावीर प्रसाद रूंगटा और राकेश सिंघानिया की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने दोनों के खिलाफ आरोप गठित कर दिया है. दोनों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की धारा 3 और 4 के तहत आरोप गठित किया गया है.

इसके बाद अब ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी. महावीर प्रसाद रूंगटा रामगढ़ स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक हैं. उन पर लोह अयस्क (आयरन ओर) की तस्करी करने, फर्जी चालान और ट्रांसपोर्टेशन कर 4.33 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप है. इसी मामले में मेसर्स बालाजी तिरुपति और मेसर्स एपिकल एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक राकेश कुमार सिंघानिया भी आरोपी है.

ईडी की चार्जशीट पर कोर्ट ने लिया था संज्ञान

दरअसल महावीर प्रसाद रूंगटा, राकेश कुमार सिंघानिया और उनकी कंपनियों के खिलाफ ईडी ने चार्जशीट दायर की थी. जिसपर कोर्ट ने संज्ञान लिया था. वर्ष 2010 में लोह आयरन की तस्करी मामले में सीबीआई ने इनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी. बाद में ईडी ने इस केस को टेकओवर कर लिया था. महावीर प्रसाद रूंगटा को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत पूर्व में मिल चुकी है.

सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने का फैसला

अफसर हिंदी की परीक्षा में चोरी करते धराए, मिली निंदन की सजा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों पर जमीन हस्तांतरण, रिश्वत, विभिन्न योजनाओं में गड़बड़ी के आरोप लगते ही रहते हैं. लेकिन राज्य सेवा एक अफसर पर एक अलग ही तरह का आरोप लगा है. राज्य सेवा के उपसमाहर्ता रैंक के अफसर सुदर्शन ठाकुर के खिलाफ विभागीय परीक्षा में चोरी करने का आरोप लगा है. इसके बाद सरकार ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की.

हिंदी की परीक्षा में कर रहे थे चोरी

सुदर्शन ठाकुर राजपत्रित पदाधिकारियों की प्रथम अर्द्धवार्षिक विभागीय परीक्षा के तहत ली गई हिंदी की परीक्षा में चोरी कर रहे थे. इस आरोप के खिलाफ सुदर्शन ठाकुर के खिलाफ आरोप पत्र गठित किया गया. इसमें कहा गया कि उप समाहर्ता द्वारा किया गया उक्त कार्य सरकारी सेवक आचार नियमावली के प्रतिकूल है.

राज्य सेवा के अफसर एके सिंह के खिलाफ चलेगी विभागीय कार्यवाही

हेहल रांची के तत्कालीन सीओ अनिल कुमार सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्देश सीएम ने दिया है. इनके खिलाफ आदिवासी रैयतों के नाम में दर्ज भूमि को गैर आदिवासी के नाम से उत्तराधिकारी नामांतरण की स्वीकृति देने का आरोप है. साथ ही सरकारी भूमि (जयप्रभान उद्यान) की सुरक्षा नहीं कर भू-माफियाओं की मिली भगत में उक्त भूमि पर कब्जा करने में सहयोग करने का भी आरोप है. प्रथम दृष्ट्या ये सभी आरोप प्रमाणित पाए गए हैं. साथ ही अनिल कुमार सिंह को 15 दिनों के अंदर अपना बचाव पक्ष विभाग को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है. जांच पदाधिकारी रिटायर्ड आइएएस गणेश सिंह को बनाया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

सुदर्शन ठाकुर ने क्या दिया जवाब | सुदर्शन ठाकुर ने स्पष्टीकरण का जवाब देते हुए कहा कि मेरे खिलाफ लगाया गया आरोप दुर्भावना से ग्रसित होकर लगाया गया है. कहा कि जिसे नकल का पुर्जा कहा गया है, वह नकल का पूर्जा नहीं बल्कि 4 साइज का सादा कागज है जिस पर उनके द्वारा रफ कार्य किया गया है. टीवी के फुटेज और उत्तर पुस्तिका से स्पष्ट हो जाएगा. किसी प्रकार का नकल नहीं किया गया है. समीक्षा में पाया गया कि उनके द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर में गठित आरोपों के बिन्दुओं पर स्पष्टता के साथ तथ्य समर्पित नहीं किया गया है.

गोड्डा की जंग | लोकल सांगठनिक टसन से होना पड़ रहा है रूबरू, नामांकन में न पहुंचे बाबूलाल और न ही विधायक

निशिकांत के पुराने मित्र अभिषेक झा से किसे नफा-किसे नुकसान

कौशल आनंद। रांची

अभिषेक झा की मानें तो निशिकांत दुबे उनके पुराने मित्रों में से रहे हैं. यह बात उन्होंने कई मीडिया को दिए इंटरव्यू में खुद कबूल की है. मित्रता से भी अधिक घनिष्ठता का ही रहा. मगर अचानक दोनों के बीच दूरी बनती चली गयी. दूरी इस कदर बढ़ी कि वो खुद बतौर निर्दलीय गोड्डा से चुनाव मैदान में उतर गए. अभिषेक कितने प्रभावी होंगे, किस हद तक वे निशिकांत दुबे को नुकसान पहुंचा सकते हैं या फिर प्रदीप यादव को फायदा पहुंचा सकते हैं, यह तो चार जून को ही पता चलेगा. मैदान में आने के बाद चुनाव में अभिषेक चर्चा का विषय तो बन ही गए हैं. मगर निशिकांत दुबे जो प्रदीप यादव के बारे में दावा करते रहे कि अगर वे मैदान में आए तो मैं प्रचार नहीं करूंगा. उनका यह दावा तो औंधे मुंह गिर गया है. जमीनी सच्चाई यह है कि इस बार निशिकांत दुबे को 2014 और 2019 से अधिक मेहनत करनी पड़ रही है. क्योंकि इस बार कई विषय उनके खिलाफ जाते दिख रहे हैं.

- प्रदीप के आने के बाद प्रचार नहीं करने का दावा करने वाले निशिकांत को 2014-19 से अधिक करनी पड़ रही है मेहनत
- भाजपा को अधिक सीटों पर हुआ नुकसान तो निशिकांत इसका ठीकरा बाबूलाल पर फोड़ने की कर रखे हैं तैयारी

अकेले ही मोर्चा संभाले हुए हैं निशिकांत दुबे

निशिकांत दुबे ने अपना नामांकन 10 मई को दाखिल किया. नामांकन के समय प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, स्थानीय विधायक रंधीर सिंह, अमित कुमार मंडल आदि नेता शामिल नहीं हुए. यह चर्चा पूरे गोड्डा लोकसभा में आग की तरह फैल गयी. यह बातें भी सामने आयीं कि गोड्डा में स्थानीय स्तर पर भाजपा में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. जबकि निशिकांत के नामांकन के दिन बाबूलाल मरांडी दुमका में ही थे. हां नामांकन के बाद एक चुनावी सभा हुई जिसमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए थे.

अपनी घोषणा के विपरीत कड़ी मेहतन कर रहे निशिकांत

जब प्रदीप यादव को जब कांग्रेस ने दीपिका सिंह पांडेय की जगह रिप्लेश करके उतारा, तो निशिकांत दुबे ने दावा किया कि अब चुनाव बस औपचारिकता भर रह गया है. बस प्रमाण पत्र मिलने की देर है. वे प्रदीप यादव के आने के बाद प्रचार नहीं करेंगे. मगर इसके उलट निशिकांत दूबे को कड़ी मेहतन करनी पड़ रही है. निशिकांत के साथ-साथ उनके पूरे परिवार ने अपनी-अपनी ताकत झोंक दी है.

12 सिटिंग सीटें कम हुईं, तो निशिकांत फोड़ेंगे चिट्ठी बम, मरांडी निशाने पर

गोड्डा से मिली जानकारी के अनुसार निशिकांत दुबे और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के संबंध अच्छे नहीं चल रहे हैं. हालांकि मरांडी सांगठनिक तरीके से निशिकांत के लिए चुनावी सभाएं कर रहे हैं. मगर भीतरखाने सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. मिली जानकारी के अनुसार अगर भाजपा की सिटिंग 12 में से कुछ सीटें घटती हैं तो निशिकांत इसका पूरा ठीकरा मरांडी पर फोड़ने की तैयारी कर रखे हैं.

निशिकांत दुबे और प्रदीप यादव के बीच चल रहा है कड़ा संघर्ष

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे और कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव के बीच सीधा और कड़ा संघर्ष है. पिछली बार प्रदीप यादव झाविमो की ओर से यूपीए प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़े थे. 2019 में निशिकांत दुबे को 6,37,610 लाख मत प्राप्त हुआ था वहीं प्रदीप यादव को 4,53,383 लाख मत प्राप्त हुआ था. प्रदीप यादव को 1.84 लाख मत से बड़ी शिकस्त मिली थी.

गोड्डा की छह विधानसभा में से चार पर इंडिया का कब्जा | गोड्डा में कुल छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं. जिसमें से चार पर इंडिया गठबंधन का कब्जा है. जरमुंडी, पौड़ैयाहाट, महगामा पर कांग्रेस और मधुपुर में झामुमो का कब्जा है. जबकि दो सीटें देवघर और गोड्डा भाजपा के खाते में हैं.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

धनबाद, बुधवार 29 मई 2024 ● ज्येष्ठ पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 50

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

माली को डेढ़ साल से नहीं मिल रहा वेतन

सिजुआ । सिजुआ स्टेडियम के माली सोमनाथ को डेढ़ साल से वेतन नहीं मिल रहा है. वेतन की मांग को लेकर फिर धरना पर बैठने की योजना बनायी है. माली ने पिछले साल भी धरना दिया था. पिछले दो-तीन वर्षों से बिना सत्याग्रह के माली को वेतन नहीं मिला है, जो बिल्कुल ही दुर्भाग्यपूर्ण है. जानकारी के अनुसार 1991 से ही माली सिजुआ स्टेडियम में कार्यरत है और प्रतिवर्ष उसके वेतन के मद में सहायता राशि एजुकेशनल एंड स्पोर्ट्स क्लब को दिया जाता है. जिसके माध्यम से माली को वेतन मिलता रहा है.

शराबी युवकों के आतंक से मुहल्ला परेशान

झरिया । जोरापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी के लोग मुहल्ले के सोनू नामक शराबी व्यक्ति के आतंक से इन दिनों काफी परेशान है. सोनू हमेशा साथियों के साथ आकर मुहल्ले में गाली-गलौज करता है. सोनू ने एकबार फिर मुहल्ला के अजय प्रसाद व पत्रकार संजीव तिवारी के घर के दरवाजा को धक्का मारा और परिजनों को गाली दी. अजय प्रसाद ने मंगलवार को जोरापोखर थाना प्रभारी में लिखित शिकायत की है. मालूम हो कि सोनू का असामाजिक तत्वों के साथ हमेशा उठाना बैठना लगा रहता है.

दो पक्षों में मारपीट, चार घायल

झरिया । झरिया थाना क्षेत्र के भेड़ाकांटा मे सोमवार की रात दो परिवार के बीच जमकर मारपीट हो गई. मारपीट मे दोनों पक्षों से चार लोग घायल हो गए. सभी घायलों को एसएनएमएमसीएच मे भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार सोमवार की रात आपसी विवाद को लेकर दोनों परिवार मे विवाद हो गया. बहस होते-होते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई. दोनों ओर से लाठी-डंडा के साथ जमकर पथराव हुआ. घायलों मे एक पक्ष से सुबोध रविदास व उसकी पत्नी नेपूरा देवी और दूसरे पक्ष से योगेंद्र रविदास उर्फ टिंकू व उसकी दिव्यांग बहन शामिल है.

महिला की हत्या मामले में एफआईआर

मैथन। युवती की पत्थर से कूचकर हत्या मामले में चौकीदार अशोक की लिखित शिकायत पर गलफरबाड़ी ओपी में सोमवार की रात एफआईआर दर्ज़ कर ली गयी. पुलिस ने जख्मी व बेहोशी हालत में मिली युवती को एसएनएमएमसीएच में 6 दिन पहले कराया था. जहां पांच दिनों तक इलाज के बाद सोमवार को उसकी मौत हो गयी. अपराधियों हत्या की मंशा से उसके सिर पर पत्थर से कई बार प्रहार किया था. अपराधियों ने रेलवे फाटक के बगल में घटना को अंजाम दिया और भाग निकले. पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त खून व सिर का बाल लगा पत्थर भी जब्त किया है.

कछुआ चाल : 86 दिनों के अंदर नियोजन देना अनिवार्य, एसओपी के उक्त आदेश पर भी बीसीसीएल सुस्त

सीआईएल से एसओपी के बाद भी धीमा है आश्रितों का नियोजन

खास बातें

- लंबित केस फाइलों के रूप में बढ़ा रहे हैं शोभा
- मुख्यालय से लेकर एरिया स्तर तक लगानी पड़ती है दौड़

ओम प्रकाश । धनबाद.

आश्रितों को लगानी पड़ती है साहबों की हाजिरी, फिर नजराना अदायगी के बाद होता है काम

बीसीसीएल में मृत कर्मियों के आश्रितों को नियोजन देने की प्रक्रिया इतनी कठिन है कि अनुकंपा पर नियोजन की आस लगाए परिजन को सालों साल इंतजार करना पड़ता है. बीसीसीएल में ऐसे सैकड़ों लंबित केस हैं जो मुख्यालय में फाइलों के रूप में शोभा बढ़ा रहे हैं. वैसे कोल इंडिया ने नियोजन संबधित आदेश पूर्व में ही जारी कर दिया है, जिसमें नियोजन की फाइल को एक निश्चित अवधि के अंदर निष्पादित करना है लेकिन बीसीसीएल मुख्यालय से लेकर एरिया स्तर तक नियोजन के कागजात सालों घूमते रहते हैं, इनका निष्पादन नहीं होता है. क्योंकि इन फाइलों को भ्रष्टाचार की गंगा में तैरते हुए टेबल दर टेबल गुजरना होता है, यदि नोटों की पतवार न हो तो फिर इनका रुकना तय है.

सीआईएल ने जारी कर रखा है एसओपी : कोल इंडिया ने मृत आश्रितों को नियोजन जल्द मिलने को लेकर एक विशेष नियम बना रखा है. बीते 28 अगस्त 2023 को इसको लेकर सीआईएल ने एक एसओपी जारी कर दिया था, जिसमे 86 दिनों के अंदर सीआईएल की किसी भी इकाई में नियोजन देना अनिवार्य है लेकिन कंपनी में इस पॉलिसी को बहुत धीमी गति से बढ़ाया जा रहा है. जिस वजह से सीआईएल का आदेश निष्प्रभावी हो गया है. परिणाम स्वरूप मृतक कर्मचारी के आश्रितों का नियोजन कंपनी में लंबे समय से लटका पड़ रहता है.

फंसा कर रखना बीसीसीएल की पुरानी नीति : संतोष

बीसीसीएल मुख्यालय में कार्यरत कर्मी सह जनता श्रमिक संघ के नेता संतोष सिंह ने कहा कि कंपनी प्रारंभ से ही आश्रित के नियोजन की फाइलें फंसा कर रखती है. उन्होंने कहा बीसीसीएल अगर चाह ले तो अपने तय समय के अंदर आश्रित को नियोजन दे दे लेकिन नियोजन की प्रक्रिया यहां काफी जटिल है, जिसमें भ्रष्टाचार की गंध आती है.

वरीय के निर्देश पर भी नहीं सुधरते हालात

सरकारी संस्थाओं में फाइलों को लंबित रखना वर्षों की परंपरा है. बीसीसीएल में भी नियोजन संबंधित लंबित फाइलों को कभी 6 महीने कभी एक साल तो कभी दो साल से अधिक समय तक अधिकारी अलग अलग कारणों से अपने पास रखे रहते हैं, जानकारी के अनुसार बीसीसीएल के अधिकारियों से लेकर विभागीय कर्मचारी मुद्रामोचन की आस में फाइलों को लंबित रखते हैं. दूसरी और बीसीसीएल के निदेशक कार्मिक लगातार सभी पेंडिंग नियोजन फाइलों को समय रहते पूरा करने पर दिशा निर्देश देते हैं. ऐसे में अगर आश्रितों को नियोजन प्रक्रिया में की हालत में सुधार नहीं होता तो यह दुर्भाग्य है.

बच्ची की मौत पर परिजनों का हंगामा

धनबाद। दहुआटांड़ की दिव्या कुमारी(2वर्ष) की मृत्यु के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एनएनएमएमसीएचसी में हंगामा किया. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सांस संबंधी बीमारी के कारण पांच दिनों पहले बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. आपरेशन के बाद भी बच्ची अच्छी थी. अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई. जिसके बाद बच्ची की मौत हो गई. बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया.
परिजनों ने बताया कि बच्चे की हालत बिगड़ने के बाद भी वार्ड में डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे. परिजनों को दोड़ भागकर डॉक्टर को बुलाना पड़ा. लेकिन डॉक्टरों ने आने में देर कर दी. इस कारण बच्ची की जान नहीं बच पाई.

इंडिया के प्रत्याशी विजय हांसदा के पक्ष में झामुमो की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने की सभा

हेमंत सोरेन भाजपा के आगे नहीं झुके तो भेज दिया जेल : कल्पना

- केंद्र की मोदी सरकार राज्य सरकार के साथ करती है सौतेला व्यवहार

संवाददाता । साहिबगंज

उधवा प्रखंड राजमहल लोकसभा क्षेत्र से इंडिया एलाइंस के प्रत्याशी विजय हांसदा के पक्ष में मंगलवार को झामुमो के स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने प्रखंड के इंग्लिश खेल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया. वे हेलीकॉप्टर से सभास्थल पर पहुंची. झामुमो कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया. इस दौरान स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस राज्य में भाजपा की सरकार नहीं होती हैं, उसे हमेशा डराने का काम करते हैं.

केंद्र की मोदी सरकार राज्य सरकार के साथ सौतेला व्यवहार करती हैं. भाजपा चुनाव के दौरान जनता से बड़े-बड़े वादा करती है और बाद में किए गए वादों को भूल जाती हैं. उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से वादा किया था कि मेरी सरकार बनने पर प्रत्येक वर्ष दो करोड़ बेरोजगारों को नौकरी देने और सभी के बैंक खातों में पंद्रह लाख रुपया भेजेंगे, लेकिन दस वर्ष बीत जाने के बावजूद अबतक वादा को पूरा नहीं किया गया. दस वर्षों में अगर मोदी सरकार काम करते तो उसे हेलीकॉप्टर से जनता के बीच आकर वोट मांगने की जरूरत नहीं पड़ती. हेमंत सोरेन भाजपा के आगे झुकना पसंद नहीं किया. इसलिए भाजपा की सरकार ने उन्हे जेल में डाल दिया. यह चुनाव भाजपा बनाम हमारी जनता का चुनाव हैं. जनता का प्रतिनिधित्व महागठबंधन के प्रत्याशी कर रहे हैं.

9 कांग्रेसी 6 साल के लिए निष्कासित

पार्टी विरोधी कार्य करने का आरोप

खास बातें

- पार्टी खिलाफ सोशल मीडिया पर लिखने वालों पर कार्रवाई
- क्रियाकलापों से पार्टी की छवि धूमिल हुई : संतोष

संवाददाता। धनबाद

धनबाद । लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी कार्य करने के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने 9 नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है. उनपर पार्टी की छवि को धुमिल करने का आरोप लगाया गया है. निष्कासित किये गए नेताओं में ललन चौबे, मनोज कुमार सिंह, राजीव रंजन चौबे, उमाचरण महतो,रामचंद्र शर्मा, रामप्रवेश शर्मा, कृट भूषण रुज, मुकेश राणा और जगदीश साव शामिल हैं.
जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि चुनाव के दौरान इनके क्रियाकलापों से पार्टी की छवि धूमिल हुई है.पार्टी में रहते हुए चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी कार्य किया है. इसलिए इन नौ नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है. इनमें से कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप बयान जारी किया था. इन लोगों की गतिविधि को पार्टी की तरफ से नजर में रखा गया था. इसके बाद इनके खिलाफ कार्रवाई की गई. इनमें ललन चौबे तो पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन भी थाम चुके हैं.

स्ट्रांग रूम के सामने कांग्रेस का टेंट

इधर कांग्रेस प्रवक्ता सत्पाल सिंह ब्रोका ने बताया कि स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए टेंट लगाने की तैयारी अंतिम चरण में है. बुधवार तक इसका कार्य पूरा हो जायेगा. जिसके बाद कांग्रेसी स्ट्रांग रूम की निगरानी में रहेंगे.

मटकुरिया गोलीकांड में संयुक्त सचिव का बयान दर्ज

संवाददाता। धनबाद

खास बातें

- दो गवाहों ने मन्नान मल्लिक को पहचानने की बात कही
- 2011 में हुई वारदात में 4 लोगों की हुई थी मौत

मटकुरिया गोलीकांड की सुनवाई मंगलवार को अदालत में हुई. सुनवाई के दौरान अभियोजन ने धनबाद के पूर्व एसडीओ व मामले के सूचक जार्ज कुमार व धनबाद के पूर्व एलआरडीसी कुंज बिहारी पांडे का बयान दर्ज किया. जार्ज कुमार वर्तमान में संयुक्त सचिव शिक्षा विभाग के पद पर कार्यरत हैं जबकि कुंज बिहारी पांडे सेवानिवृत्त हो चुके हैं. दोनों की गवाही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई. हालांकि दोनों का प्रति परीक्षण बचाव पक्ष द्वारा नहीं किया जा सका. प्रति परीक्षण के लिए दोनों को सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया गया है. दोनों ने अदालत को दिए बयान में घटना का समर्थन किया. दोनों गवाहों ने आरोपी मन्नान मल्लिक व नीरज सिंह की पहचान की, हालांकि अन्य आरोपियों को पहचानने से इन्कार किया. अदालत ने अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान आरोपी पूर्व मंत्री बच्चा सिंह, मन्नान मल्लिक व अन्य हाजिर नहीं थे. मालूम हो कि 27 अप्रैल 2011 को मटकुरिया में बीसीसीएल के आवासों को अतिक्रमण से मुक्त कराने में विवाद हुआ था.

गैंग्स के औरंगजेब को छह साल कैद

धनबाद : अवैध हथियार के साथ धराए गैंग्स ऑफ वासेपुर के सदस्य मोहम्मद औरंगजेब को जिला एवं सत्र न्यायाधीश 16 दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने छह वर्ष की सश्रम कैद की सजा से दंडित किया है. 21 मई को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था. भियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश ने किया. आरोपी औरंगजेब इस मामले में विगत कई वर्षों से जेल में बंद है. बैंक मोड पुलिस ने 27 अगस्त 2018 को औरंगजेब के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी. आरोप था कि 27 अगस्त 2018 को पुलिस को सूचना मिली कि गोंदूडीह थाना क्षेत्र के हत्या के एक मामले में प्रयुक्त हथियार वह अपने घर में छिपा कर रखा है. सूचना के आधार पर पुलिस ने उसके घर पर छापा मारकर अवैध हथियार बरामद किया था.

बुजुर्ग महिला की मौत के बाद खुली निगम की नींद

तेलीपाड़ा हीरापुर में सांड ने महिला को सोमवार को मार डाला, अधिकारियों ने बुलाई बैठक

संवाददाता । धनबाद

सांड के हमले से बुजुर्ग महिला की मौत के बाद फिर नगर निगम की नींद खुली है. सोमवार को सांड ने तेलीपाड़ा में एक बुजुर्ग महिला के पेट में सींग घुसा कर पटक कर मार डाला था. मंगलवार को मुआवजे की मांग को लेकर परिजन नगर निगम कार्यालय पहुंचे. मामले की जानकारी के बाद सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार ने बैठक बुलाई है. सहायक नगर आयुक्त ने मंगलवार को पत्र लिखकर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी के साथ-साथ कतरास के गोशाला संचालक को बैठक के लिए बुलाया है. बैठक बुधवार को 12 बजे होगी. बता दें कि सांड हीरापुर, कचहरी रोड, बरटांड़, पुराना बाजार समेत कई इलाकों में सड़क व मुहल्ले में लगातार राहगीरों पर हमला कर रहे हैं. जिसके बाद भी निगम द्वारा कभी कोई सार्थक प्रयास नहीं किया गया है.

परिजन कर रहे मुआवजे की मांग : हीरापुर के तेलीपाड़ा में सांड ने 70 वर्षीय महिला जगनी महताइन को पटक-पटक कर मार डाला था. जिसके बाद मृतक के पुत्र लखपति महतो के साथ तेलीपाड़ा के स्थानीय लोग मंगलवार को निगम कार्यालय पहुंचे. सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार से मिलकर मुआवजे की मांग की. जिसपर उन्होंने कहा कि यह मामला जिला प्रशासन का है. भुनेश्वर साहू ने कहा कि गरीब की सुनने वाला कोई नहीं है. एक गरीब की मां की त हुई है. विभाग पल्ला झाड़ रहा है. किसी बड़े अधिकारी की मां को सांड मार देता तो क्या तब भी यह लोग चुप रहते. सांड के आतंक से निजाद दिलाने के लिए नगर निगम सहित जिला प्रशासन से गुहार लगाई है. विदित हो कि एक माह के दौरान करीब 30 से अधिक लोगों को सांड ने मार कर घायल किया है.

आवारा पशुओं को पकड़ने में निगम नाकाम

नगर निगम ने शहर में आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए दो बार अलग अलग संस्थाओं के साथ एग्रीमेंट किया, लेकिन यह योजना कभी धरातल पर नहीं उतर पाई. फिलहाल आवारा पशुओं को पकड़ने का कार्य बंद है.

आक्रोश ट्रांसफार्मर जलने के बाद अंधकार में डूबी आबादी, विभाग ने नहीं लिया संज्ञान

बिजली के लिए सड़क पर उतरे गुस्साए लोग, सड़क जाम

- अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया

संवाददाता। धनसार

1. दस हजार की आबादी वाले क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप
2. आक्रोशित लोगों ने टायर जलाकर एक घंटा तक किया सड़क जाम
3. धनसार पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया
4. लोगों ने कहा- जल्द बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो फिर से होगा आंदोलन

मनईटाड़ पानी टंकी स्थित सौ केवी का ट्रांसफार्मर जलने से परेशान लोगों का गुस्सा मंगलवार की शाम फूट पड़ा. आक्रोशित लोगों ने मनईटाड़ पानी टंकी के पास टायर जलाकर एक घंटा तक सड़क को जाम कर दिया. लोगों ने झारखंड बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. थोड़ी देर सड़क जाम होने से ही दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. जाम की सूचना पाकर धनसार पुलिस पहुंची और लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया. लोगों का कहना है कि मनईटाड़ पानी टंकी स्थित एक सौ केवी का ट्रांसफार्मर से लगभग डेढ़ सौ घरों में बिजली आपूर्ति होती है. यह ट्रांसफार्मर सोमवार की दोपहर जल गया. इस कारण दस हजार की आबादी वाले क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप हो गई.
झारखंड बिजली बोर्ड के अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया, ना ही मरम्मत के लिए खोला गया है. इस भीषण गर्मी बिजली नहीं रहने के कारण लोग तो परेशान हैं ही, बच्चों के पढ़ाई मे प्रतिकूल असर पड़ रहा है.
धनसार पुलिस ने सड़क जाम के दौरान बिजली बोर्ड के अधिकारी को बुलाकर ट्रांसफार्मर को मरम्मत करा जल्द बिजली बहाल कराने का आश्वासन दिया, इसके बाद सड़क जाम हटाया गया. लोगों ने ये भी कहा कि जल्द बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो फिर से आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा.

बीसीसीएल कर्मी की मौत के बाद मधुबन में बवाल

संवाददाता । मधुबन

बीसीसीएल के सिनीडीह रीजनल स्टोर में असिटेंट ऑटो सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत 58 वर्षीय शेख मुख्तार की मृत्यु डयूटी के दौरान मंगलवार को हो गयी. इसकी सूचना मिलने पर खरखरी बस्ती सहित कालोनी के दर्जनों लोग नियोजन व मुआवजा की मांग करते हुए गोविंदपुर क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे और शव के साथ प्रदर्शन करने लगे. इस दौरान जमकर हंगामा किया. क्षेत्रीय प्रबंधन व यूनियन प्रतिनिधि के बीच संतोषजनक वार्ता के बाद मामला शांत हुआ. बताया जाता है कि मृतक शेख मुख्तार प्रथम पाली में सिनीडीह रीजनल स्टोर से वाहन से मशीन लाने के लिए बंगाल गए हुए थे. आने के क्रम में मंगलवार को 3:45 बजे सिनीडीह स्टोर पहुंचते ही सीने में दर्द की बात कहते हुए बेहोश हो गए. स्टोर के कर्मियों के द्वारा आनन फानन में उन्हें धनबाद सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया. जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर खरखरी बस्ती व कालोनी में फैल गई. तब बड़ी संख्या में लोग गोविंदपुर क्षेत्रीय कार्यालय पहुंच गये. संध्या 6 बजे शव पहुंचते ही कार्यालय में लोग आश्रित को नियोजन व मुआवजा की मांग कर प्रदर्शन करने लगे. प्रबंधन की चुप्पी से लोग आक्रोशित हो रहे थे. इस दौरान लोगों ने प्रबंधन के रवैए से नाराज होकर जमकर बवाल काटा.

▼ ब्रीफ खबरें

छत का प्लास्टर गिरने से दहशत

कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र की गायत्री कॉलोनी की आवासों की हालत जर्जर बनी हुई है. आवासों का हाल ये बना हुआ है कि छत का प्लास्टर गिर रहा है. ताज़ा मामला गायत्री कॉलोनी की आवास संख्या WB -135 की है. जंहा मंगलवार की सुबह छत का प्लास्टर गिर गया. गनीमत रहा कि जब प्लास्टर गिरा उस वक्त छत के नीचे कोई व्यक्ति नहीं था. छत का प्लास्टर गिरने की घटना के बाद सीसीएल कर्मी व उनके परिजन दहशत में हैं. सीसीएल कर्मी सोहन महतो ने सीसीएल कथारा क्षेत्र के सिविल विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सिविल विभाग को लिखित आवेदन देकर आवास की जर्जर हालत से कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन उसके बाद भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया.

कोयला ले जानेवालों से लूटपाट, तीन पकड़ाये

धनबाद । धनबाद में अपराधियों का हौसला काफी बुलंद हैं. अब तो धनबाद के पॉश इलाकों में रहनेवाले रसूखदार के बिगड़ैल बेटे भी रात के अंधेरे में गरीबों से लूटपाट करने लगे है. साइकिल से कोयला ले जानेवालों से लूटपाट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा है. रोजाना शाम ढलते ही बरवाअड्डा किसान चौक से धनसार तक तीन माह से साइकिल से कोयला ले जानेवालों से तीनों लूटपाट करते थे. तीनों युवक हाउसिंग कालोनी के रहनेवाले हैं और दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देते थे. सोमवार रात को भी साइकिल से कोयला ले जानेवालों से मारपीट की गई है, जिसमें एक घायल है.

सीएमडी को मजदूरों की समस्या बताई

झरिया । यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के सदस्यों ने बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता से मंगलवार को कोयला भवन में मुलाकात कर मजदूरों की कई समस्याओं से अवगत कराया. जिसमे प्रमुख रूप से लोदना क्षेत्र के बेल धौड़ा मे रह रहे लोगो का विस्थापन व सुरूंगा में रैयतों के जमीन पर जबरन ओबी डंप व ज़ीनागोड़ा में पिछले 8 महीने से बंद कोयला डंप को चालू करने जैसे मुद्दे थे. इन समस्याओं के संबंध में सीएमडी के द्वारा आश्वासन दिया गया कि जल्द ही लोदना महाप्रबंधक व रैयतो से वार्ता कराकर समस्या का समाधान किया जाएगा. इसके अलावा एमओसीपी व गोल्डन पहाड़ी में पीट वाटर की समस्या की बात भी यूनाइटेड कॉल वर्कर्स यूनियन के सदस्यों ने कही.

मॉडर्न स्कूल के समर कैंप में बच्चों ने की मस्ती

मैथन । चिरकुंडा के एसजीडी मॉडर्न स्कूल में मंगलवार को दो दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ. स्कूल के प्रधानाचार्य जुबीन बोस के नेतृत्व में दो दिवसीय समर कैंप का आयोजन कक्षा प्री स्कूल से आठवीं तक के बच्चों के बीच किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के उप प्रधानाचार्या जौली दत्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया. सभी बच्चों को कई श्रेणियों में बांटा गया और उनके द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई. अनेक प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम जैसे आर्ट एंड क्राफ्ट में सॉफ्टवेयर मेकिंग, क्राफ्ट विद बैंगल्स, हैंड ब्रेसलेट, विंडमिल और नॉन फायर कुकिंग में शिकंजी, फ्रूट चार्ट, बिस्कुट केक , सैंडविच आदि बनाना बच्चों को सिखाया गया.

धनबाद-बोकारो के इकलौते चिड़ियाघर में हो गई थी जानवरों की कमी

बोकारो चिड़ियाघर में लाए गए दो नर तेंदुए

संवाददाता । धनबाद/ बोकारो

▪ नए पशुओं को फिर से लाने की योजना पर काम शुरू, सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए

धनबाद-बोकारो की बड़ी आबादी के लिए फिलहाल सिर्फ एक ही चिड़िया घर है, वो भी बोकारो में. लेकिन बीते कुछ वर्षो से लापरवाही और अनदेखी के कारण यहां के लाखों लोगों का इकलौता चिड़िया घर से मोह टूटता जा रहा है. क्योंकि इस चिड़िया घर में पशु-पक्षियों की भारी कमी हो चली है. अब जानवरों को देखने का शौक नहीं बल्कि लोग समय काटने के इरादे से यहां पहुंच रहे हैं. जंगली जानवरों को देखने का शौक हे तो फिर रांची या जमशेदपुर जाकर पूरा कर रहे हैं. ऐसे में चिड़िया घर आने वालों की तादाद में भारी कमी को देखते हुए अब चिड़िया घर प्रबंधन की नींद टूटी है. जानवरों की कमी को पूरा करने के लिए दो नया नर तेंदुआ यहां लाया गया है. साथ ही चिड़िया घर में नए तरतीब से सजाया जा रहा है. एक बार फिर यहां की रौनक बढ़ने लगी है. चिड़िया घर को फिर से आकर्षक रूप देकर यहां रूठे दर्शकों को मनाने की कवायद की जा रही है. बता दें कि कभी बोकारो चिड़िया घर में व्हाईट टाइगर जैसा दुलर्भ पशु भी रहा करता था. पक्षियों की लंबी फेहरिस्त होती थी. भालू, घड़ियाल, मगरमच्छ, हायना, चीता और शेर रहते थे. अब इन जानवरों में कई गायब हो चुके हैं. ऐसे में चिड़िया घर आने वालों की तादाद लगातार कम होती गई. पहले बोकारो में पांच मादा तेंदुए थे, जबकि रांची में नर तेंदुआ थे. दोनों उद्यान प्रबंधन के बीच बातचीत हुई कि रांची में तेंदुओं को बोकारो लाने से इनकी संख्या में भी इजाफा होगा और लोग भी देखने पहुंचेंगे. ये खबर पाकर बोकारो चिडिया घर की रौनक लौटने लगी है.

दामोदरपुर में बनेगा सिटी फॉरेस्ट

दामोदरपुर में सिटी फॉरेस्ट बनाने की योजना पर काम चल रहा है. केंद्र सरकार से मिले 40 लख रुपए से घेराबंदी एवं अन्य कार्य शुरू कर दी गई है. बीसीसीएल समेत विभिन्न कंपनियों के सीएसआर फंड से वन विभाग इस सिटी फॉरेस्ट को विकसित करेगा. इससे इलाके लिए बीसीसीएल से सहयोग लिया जाएगा.

धनबाद को जल्द चिड़ियाघर की सौगात

धनबाद के लोगों को जल्द ही चिड़ियाघर की सौगात मिल सकती है. केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम चिन्हित जमीन का जायजा लेने जल्द ही धनबाद आएगी. टीम को सब संतोषजनक लगा तो इसी साल दिसंबर में चिड़ियाघर का निर्माण शुरू हो सकता है. बताते चलें कि वन विभाग ने शहर में आमाघाटा नर्सरी के पीछे चिड़ियाघर के लिए 40 एकड़ से अधिक जमीन चिन्हित कर प्राधिकरण को प्रस्ताव भेज दिया है. वन विभाग की योजना के मुताबिक पहले दामोदरपुर में चिड़ियाघर बनाने की तैयारी थी. लेकिन इस दिशा में काम आगे नहीं बढ़ पाया. इसके बाद अमाघाटा वन क्षेत्र में पहाड़ी से घिरे इलाके को चिन्हित किया गया है. इस चिड़ियाघर में शेर, भालू, हिरण, मोर समेत कई वन्य जीव को रखा जाएगा.

डीवीसी सब स्टेशन परिसर में पौधरोपण

मैथन । डीवीसी के कुमारधुबी सब स्टेशन में मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित की गई। इस संबंध में सब स्टेशन के इंचार्ज तापस दा ने जानकारी देते हुए बताया कि डीवीसी ने जुलाई माह तक एक हजार पौधा का रोपण करने का लक्ष्य रखा है और जगह-जगह एक हजार पौधों को लगाया जाएगा. मौके पर अधिकारियों ने सब स्टेशन परिसर में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान चलाया और पौधरोपण किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीवीसी के सीजीएम अभिजीत चक्रवर्ती (सिस्टम) मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे. उनके साथ ईसीएल के अनिल शर्मा, जगन्नाथ महतो, डीवीसी के उपभोक्ता प्रमोद अग्रवाल, सुशील गाढियान सहित सब स्टेशन के कर्मी मौजूद थे.

हैवी ब्लास्टिंग से कई घरों पर गिरे पत्थर, तीन युवक घायल

लोगों ने परियोजना का कार्य बाधित कर किया हंगामा

खास बातें

- सीआईएसफ टीम को ग्रामीणों का आक्रोश झेलना पड़ा

संवाददाता । कतरास

बीसीसीएल एरिया के एकेडब्ल्यू एमसी के कांटा पहाड़ी पेंच में संचालित अम्बे आउटसोर्सिंग परियोजना में मंगलवार को ब्लास्टिंग के पत्थरों से बुट्टू बाबू बंगला के कुम्हार पट्टी व मुंडा धौडा के कई आवास क्षतिग्रस्त हो गया. घटना में तीन युवक घायल हो गए. जबकि कई ग्रामीण बाल बाल बचे. घटना में गंभीर रूप से घायल विशाल भूईयां को अस्पताल ले जाया गया. घटना से गुस्साये सैकड़ों लोग आउटसोर्सिंग परियोजना पहुंचकर कंपनी का कार्य बाधित कर विरोध प्रदर्शन करने लगे. सूचना पाकर पहुंची सीआईएसफ टीम को ग्रामीणों का आक्रोश झेलना पड़ा. आक्रोशित ग्रामीणों ने सीआईएसएफ जवानों को खरी-खोटी सुनाई. बीसीसीएल व कंपनी अधिकारियों को मौके पर बुलाने की बात ग्रामीण करने लगे. ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे आउटसोर्सिंग परियोजना में हैवी ब्लास्टिंग से कुम्हार पट्टी और मुंडाधोड़ा में पत्थरों की बरसात होने लगी. लोग इधर-उधर भागने लगे. ब्लास्टिंग के पत्थर से विशाल भूईयां आर्यन कुम्हार सहित एक युवक घायल हो गया. विशाल के हाथों से खून की धार बहने लगी. मालती देवी नंदू कुम्हार करण कुम्हार, भूईयां राज ,कमलेश कुमार ,चंदवा देवी , सहित अन्य लोगों के आवास क्षतिग्रस्त हो गए. घटना में कई लोग बाल बाल बच गए.

बगैर सुरक्षा के होती है ब्लास्टिंग

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आउटसोर्सिंग में बिना सुरक्षा के ही ब्लास्टिंग की जाती है. जिसके कारण कुम्हार पट्टी और मुंडा धौड़ा में आए दिन पत्थर उड़कर गिरती है. छोटी-मोटी घटनाएं होती रहती है. घटना को लेकर कई बार कंपनी व बीसीसीएल प्रबंधन को अवगत कराया गया है. बावजूद इस पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा है. लोगों ने कहा कि आउटसोर्सिंग व बीसीसीएल पहले हमलोगों को सुरक्षित स्थान पर समुचित व्यवस्था के साथ विस्थापित करें, नहीं तो हमसब ग्रामीण बहुत जल्द ही अनिश्चितकाल के लिए कंपनी का चक्का जाम कर देंगे. वही ग्रामीणों के हंगामा के बाद सुरक्षा पदाधिकारी प्रेम कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे और लोगों के साथ वार्ता कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया. तब तक के लिए परियोजना का सभी कार्य बंद रखने का भी ग्रामीणों से वादा किया.

स्वच्छ नहीं रहने से पानी का स्रोत हो सकता है दूषित : किंकर रजक

डीवीसी ने गावों में चलाया स्वच्छता जागरुकता अभियान

खास बातें

- जांच के लिए एकत्र किया पानी का सैंपल

संवाददाता । मैथन

डीवीसी मैथन परियोजना में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत मंगलवार को परियोजना के आसपास के गांवों में स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया गया और पीने का पानी का रसायनिक परीक्षण के लिए नमूना संग्रह किया गया. डीवीसी के उप प्रबंधक (रसायन) किंकर रजक और हिंदी अधिकारी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने आमकुड़ा, बरमुड़ी, बेलियाद और मेढ़ा गांव के विभिन्न टोलों का भ्रमण किया. गांवों के कुएं और पानी के स्रोत से प्राप्त पीने के पानी का रसायनिक जांच के लिए नमूना एकत्रित किया. इसके साथ ही वहां के लोगों को स्वच्छता संबंधी उपाय पर विस्तृत चर्चा करते हुए कुछ सुझाव भी दिए. डीवीसी के उप प्रबंधक ने कहा कि स्वच्छ नहीं रहने से पानी का स्रोत दूषित हो सकता है. व्यक्तिगत साफ-सफाई नहीं रहने से घर में उपयोग किया जानेवाला पानी दूषित हो सकता है. इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर और घर-परिवार के स्तर पर साफ-सफाई के लिए अच्छे से तौर-तरीके अपनाना जरूरी है. जैसे हाथ धोना, पानी को शुद्ध करने और भण्डारित करने के उपयुक्त तरीके अपनाना चाहिए. गांव के आसपास के वातावरण को कैसे स्वच्छ रखें. इस संबंध में भी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया.

विस्थापन की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया कोलियरी का घेराव

कतरास। विस्थापन और मुआवजे की मांग को लेकर आगरडीह के ग्रामीणों ने मंगलवार को बीसीसीएल एरिया तीन के गोविन्दपुर ब्लॉक चार कोलियरी कार्यालय का घेराव किया. इस दौरान ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की. ग्रामीणों ने बताया कि आगरडीह बस्ती में जमीन के नीचे से लंबे समय तक अवैध खनन की गई. जिसके कारण एक माह पूर्व भू-धंसान की घटना घटी थी. कई आवास जमींदोज हो गए. लोग बेघर हो गए. घटना के बाद बीसीसीएल प्रबंधन ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर विस्थापित करने और मुआवजा देने का आश्वासन दिया था, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद भी कंपनी प्रबंधन अपने वादे को पूरा नहीं कर रही है. हम ग्रामीण करीब एक महीना से इधर-उधर रहने को मजबूर हैं. काफी देर तक हंगामा के बाद कंपनी अधिकारियों ने लोगों को शीघ्र समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया. कंपनी अधिकारियों ने कहा कि लोगों को बसाने के लिए जमीन चिह्नित कर दिया गया है.

गोमो में कलश यात्रा के साथ 7 दिवसीय कथा शुरू

वैदिक मंत्रों के साथ कलश में जल भरा गया

संवाददाता । गोमो

गोमो के गुनघुसा गांव में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा व ज्ञान यज्ञ शुरू हुई. मंगलवार को मुख्य यजमान उत्तम गोस्वामी व उनकी पत्नी गीता देवी की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ राधे-राधे की जयकारा लगते हुए नाचते गाते हुए भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई. कलश शोभा यात्रा कथा स्थल तक श्रीश्री राधे कृष्ण मंदिर प्रांगण गुनघुसा से निकलकर आजाद नगर पहुंची. मुख्य सड़क पर चलकर गोमो ओवरब्रिज लोको बाजार, सदानंद झा रेलवे मार्केट पुरानी बाजार जीतपुर होते हुए जमुनिया नदी घाट पहुंची. जहां वैदिक मंत्रों के साथ कलश में जल भरा गया. फिर वापसी में उसी रास्ते से कलश यात्रा कथा स्थल तक पहुंची. कथावाचकों में बैजनाथधाम से आचार्य पंडित संतोष शास्त्री, पंडित रतन उपाध्याय, श्यामसुंदर पांडेय, पवन सूत पांडेय शामिल थे. कथावाचक आचार्य पंडित संतोष शास्त्री ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश शोभा यात्रा के साथ शुरू हुई है.

पुलिस कार्रवाई के बाद दलालों ने यौनकर्मी को पीटा

बराकर। कुल्टी थाना के नियामतपुर पुलिस फाड़ी अंतर्गत दिशा यौनपल्ली में दलालों का राज खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. वे यहां आने वाले कस्टमरों को अपना निशाना बनाते थे. फिर उनसे जबरन पैसों की छिनतई कर लेते थे. इस तरह की शिकायत के बाद पुलिस ने दलालों के खिलाफ कार्रवाई की. दो दलाल जेल भेजे गए और कई पर मुकदमा दर्ज हुआ. इस कारण आक्रोश में आकर दिशा यौनपल्ली में यौनकर्मी के साथ मारपीट हुई. दिशा की एक यौनकर्मी नियामतपुर पुलिस फाड़ी पहुंची और मामले की शिकायत दर्ज कराई. जहां उसने कुछ दलालों द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया, पीड़िता ने यह शिकायत की है कि पहले तो एक दलाल ने उसको साथ रहने और उसके साथ संबंध बनाने का दबाव डाला, यह धमकी देते हुए कि अगर वह ऐसा नहीं करती है तो वह उसको दिशा में रहने नहीं देगा. विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई. जान से मारने की धमकी भी दी गई.

माही क्रिकेट क्लब बरही क्रिकेट अकादमी को 50 रनों से हराकर फाइनल में पहुंचा

अरूप चटर्जी ने पूर्व जिला क्रिकेटर के साथ खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया

खास बातें

- टॉस जीतकर बरही की टीम ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया
- प्रतिमा कुमारी ने 80 रन व बबली कुमारी ने 66 रनों की आकर्षक पारी खेली

संवाददाता । निरसा

माही क्रिकेट क्लब व वाणी मंदिर क्लब कुमारधुबी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित द्वितीय अमिताभ चौधरी मेमोरियल वूमेंस टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मंगलवार को माही क्रिकेट क्लब व बरही क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया. खेल शुरू होने के पूर्व मुख्य अतिथि निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने पूर्व जिला क्रिकेटर संजय यादव के साथ खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. जेएससीए के आजीवन सदस्य अभिजीत घोष ने खिलाड़ियों के उपलब्धि की बात मुख्य अतिथि को बताई. पूर्व विधायक ने खिलाड़ियों को उनके बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी. टॉस जीतकर बरही की टीम ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया. माही क्रिकेट क्लब के खिलाड़ियों ने दमदार बैटिंग का प्रदर्शन करते हुए बीस ओवर में पांच विकेट खोकर 222 रन बना डाले. प्रतिमा कुमारी ने 80 रन व बबली कुमारी ने 66 रनों की आकर्षक पारी खेली. बरही क्रिकेट अकादमी की वर्षा कुमारी ने दो विकेट लिए. जवाबी पारी खेलते हुए बरही की टीम 17.2 ओवर में 137 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. अनीशा कुमारी ने 43 रन बनाए. माही क्रिकेट क्लब की बबली कुमारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके. अनु कुमारी यादव ने तीन विकेट लिए. इस तरह माही क्रिकेट क्लब ने 85 रनों के भारी अंतर से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में प्रवेश किया. बबली को शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड विश्वनाथ दास तथा संजीव मजूमदार ने दिया. इस मौके पर प्रो दीपक सिंह,माही क्रिकेट क्लब के कोच कुंदन कुमार राज ,भागीरथ रजवार, चंद्रशेखर सिंह, प्रभाकर विश्वकर्मा ,रामजी यादव, संजीत यादव,मेघनाथ कुमार आदि मौजूद थे.

चिराग तले अंधेरा तोपचांची झील में बने शौचालय का अब तक नहीं हो पाया उद्घाटन

36 लाख के शौचालय को पानी नसीब नहीं

एक कनेक्शन के इंतजार में पांच सालों से सूखी पड़ी टंकियां, नहीं पहुंचा एक बूंद पानी

खास बातें

- पांच साल पहले बनकर तैयार हो चुका था शौचालय

तोपचांची । अक्षय चौबे

कोयलांचल के मशहूर पर्यटन स्थल तोपचांची झील को देखने हर साल काफी संख्या में सैलानी आते हैं. इसके लिए विशेष प्रमंडल विभाग की ओर से तोपंचांची वाटर बोर्ड परिसर में 36 लाख रुपए की लागत से शौचालय का निर्माण कराया गया है. लेकिन झील परिसर में ही बने लाखों के इस शौचालय को पानी नसीब नहीं है. हालांकि टंकी रख दी गई है. बिना पानी वाले इस शौचालय का पांच साल से उद्घाटन तक नहीं भी नहीं हो पाया है.

पांच साल से नहीं मिला पानी कनेक्शन

हैरान करने वाली बात ये है कि जिस झील से कोयलांचल के लाखों लोगों की प्यास बुझती है, उसी झील के पानी की सप्लाई इसी परिसर में बने शौचालय में नहीं है. पिछले पांच सालों से पानी की सप्लाई के लिए शौचालय एक कनेक्शन का इंतजार कर रहा है. बड़ी-बड़ी टंकियां शौचालय भवन के छत पर लगी हैं, लेकिन सिर्फ शोभा बनकर रह गईं हैं. आज तक इन टंकियों में पानी नहीं भरा गया है.

छलका स्थानीय लोगों का दर्द

झील परिसर में छोटी सी दुकान चलाने वाले दुकानदार कहते हैं कि सैलानी उनकी पास समस्या लेकर पहुंचते थे. शौचालय का निर्माण होने के बाद खुशी भी हुई कि अब सैलानियों को शौचालय के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा. लेकिन अब इसको ऐसे ही नजर अंदाज देखकर मन उतना ही बड़ा दुखी है. दुकानदार का कहना है कि एंट्री की राशि सैलानियों से ली जाती है, लेकिन सुविधा शून्य है.

सैलानियों के लिए झील आकर्षक का केन्द्र

राष्ट्रीय राजमार्ग 2 से सटे होने के चलते सैलानियों के लिए ये शुरू से ही आकर्षण का केंद्र रहा है.झील के चारों ओर पहाड़ों की छटा सैलानियों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है. झील का निर्माण अंग्रेजों के समय में कराया गया था. यहां पहुंचने वाले हजारों सैलानियों की परेशानियों को देखते हुए शौचालय का निर्माण किया गया, लेकिन अब तक इसका उद्घाटन नहीं हो पाया.

सैलानियों को होना पड़ता है शर्मसार

झील में शौचालय निर्माण के बाद भी नहीं चालू होने से भीड़-भाड़ में सैलानियों को शर्मसार होना पड़ता है. पुरूष व महिला खुले में शौच करने के लिए मजबूर होना पड़ता है. खासकर ये परेशानी दूर दराज से आने वाले सैलानी झेलते हैं. इन्हें आसपास के इलाके की जानकारी नहीं होती, ऐसे में उन्हें परेशान होना पड़ता है. इन बातों को देखते हुए ही शौचालय बनाया गया था, लेकिन लापरवाही ने पूरी योजना को बर्बाद कर रख दिया है.

धूमधाम से की गई सर्वमंगला मां की पूजा

अतिथियों को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया

संवाददाता । बराकर

आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 99 के सलोनी ग्राम में सोमवार को ग्रामवासियों के द्वारा सर्वमंगला मां की पूजा धूमधाम से की गई. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी सह पूर्व पार्षद रोहित नोनिया उपस्थित थे. उनके साथ आठ नंबर बोरो के चैयरमेन रविलाल टुडू, हीरापुर थाना के गुरुपद माडी, विनोद साव व अनिल सिन्हा अतिथि के रूप में थे. सर्वप्रथम अतिथियों को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया. इस मौके पर मुख्य अतिथि रोहित नोनियां ने भी मां की पूजा अर्चना की. इस दौरान ग्राम निवासी मोहादेब. मिहिर बाउरी, सुधा बाउरी, मनोरंजन बाउरी, कनाई बाउरी, संदीप बाउरी, तापस बाउरी, नीलकमल बाउरी, सुजीत बाउरी, बापी बाउरी, संजय बाउरी बापी, राकेश बाउरी भी शामिल हुए. आठ नंबर बोरो के चेयरमैन रवि लाल टुडू इस वार्ड के पार्षद हैं.

ब्रीफ खबरें

छत से गिरे मां बेटे बच्चे की हुई मौत

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र के पटना पंचायत स्थित पुरना डाबर गांव में मंगलवार की अहले सुबह मां अपने पुत्र के साथ छत से नीचे गिर गई. घटना में बच्चे की मौत हो गई. जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई. जानकारी के अनुसार उदय कुमार की पत्नी लक्ष्मी देवी अपने तीन वर्षीय पुत्र रिशा कुमार को लेकर खाना बना रही थी. अचानक चक्कर आने पर वे अपने बच्चे को लेकर उठी व छत पर बाउंडरी वॉल नहीं होने के कारण बच्चे के साथ नीचे गिर गई. ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य गावां लाया गया, जहां डॉ.हब्बीबुल्लाह खान ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया. वहीं महिला का प्राथमिक उपचार करने के बाद घर भेज दिया गया. बच्चे की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है.

जमुआ में बालू लदे पांच ट्रैक्टर जब्त

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ अंचलाधिकारी संजय पांडेय के नेतृत्व में जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार ने जमुआ के अलग-अलग जगहों पर छापेमारी के कुल पांच बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया. इस मामले में जमुआ सीओ ने आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को प्रेषित किया है. इस कार्रवाई के बाद अवैध बालू लाने वाले ट्रैक्टर चालकों में हड़कंप मचा हुआ है. बताया जाता है कि जमुआ खोरीमहुआ पथ पोबी मोड़ से बालू लदे चार ट्रैक्टर जप्त किया. वहीं डोमनपहाडी धुरगडगी पथ तारा से एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया. जिसमें बिना निबंधन का एक एवं जेएच13एच 2822, जेएच 11 जी 2985 , जेएच11ए एच 5227, जेएच11यू 7751 सहित कुल पांच ट्रैक्टर शामिल हैं.

उपायुक्त ने लगाया जनता दरबार

साहिबगंज। मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त द्वारा आमजनों से हर समय जुड़ने का प्रयास किया जा रहा है. साहेबगंज जिला के विभिन्न प्रखण्डों से आए मेरी हेंम्ब्रम, आरती देवी, सुप्रीति साहा, फरीदन बीवी आमजनों से सीधा संवाद कर समस्याओं को सुने और समझे. वहीं प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया और आश्वासन दिया गया कि जल्द से जल्द समस्याओं को दूर किया जाएगा.

एलटी तार गिरने से बाल-बाल बचे लोग

धनवार (गिरिडीह)। धनवार नगर पंचायत में जर्जर तारों के टूटकर गिरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और विद्युत विभाग इस ओर कतई ध्यान नहीं दे रहा है. धनवार नावाडीह रोड स्थित दीवान टोला के पास देर रात केवल एलटी का तार टूट कर गिर गया और लोग बाल बाल बच गए. अगर यही घटना दिन में होता तो कोई बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था. कुछ महीना पूर्व धनवार के बड़ा चौक में भी एलटी तार टूट कर गिरने से भगदड़ मच गई थी. स्थानीय नगर वासियों की सक्रियता से राह चलते कई राहगीर करंट से बाल बाल बच गए. धनवार बाजार में जर्जर बिजली तार को बदलने को लेकर माले नेता विनय संथालीया, भाजपा नेता पवन साहब सहित कई लोगों ने विभाग से मांग की है.

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया गया

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड़ के मधुबन पंचायत भवन में मंगलवार को विश्व माहवरी स्वच्छता दिवस मनाया गया. जिसकी अध्यक्षता ग्राम पंचायत मुखिया कविता देवी ने किया. वहीं कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान मुखिया निर्मलतुरी ने किया. कार्यक्रम में उपस्थित आमजनों को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई एवं अपने व अपने घरों तथा आस-पास की सफाई पर विशेष निगरानी रखने की बात कहा गया तथा विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस क़े बारे में जन जागरूकता की संकल्प एवं शपथ भी ली गयी. मौके पर ममता सिन्हा, उर्मिला देवी, सबिता देवी, सीता देवी, बबलु कुमार सिंह, सुषमा देवी, गुडीया देवी, लालेश्वरी देवी, उषा देवी आदि लोग उपस्थित थे.

बागोडीह चौक पर जाम से लोग परेशान

व्यवसायिक वर्ग को दुकानदारी में हो रही फजीहत, राह चलने में भी दिक्कत

संवाददाता। सरिया (गिरिडीह)

सरिया प्रखण्ड के बागोडीह चौक पर प्रत्येक दिन सैकड़ों गाड़ियों के लगने से आम लोगों को प्रतिदिन जाम से जूझना पड़ता है. जाम की वजह से चौक में स्थित दुकान के व्यवसाई वर्ग काफी परेशान हैं.

ज्ञात हो कि सरिया बागोडीह चौक से दो मेन रास्ते जुड़े हुए हैं. इस चौक से पहला मार्ग रांची-दुमका मुख्य मार्ग होने के कारण हर दिन सैकड़ों गाड़ियों का आवागमन रहता है. जिससे सैकड़ों बसें, मालवाहक, टेम्पो, दोपहिया वाहन के गुजरने से चौक में भारी जाम लग जाता है. दूसरी ओर इस चौक से होकर सरिया का मुख्यालय गिरिडीह जाने का रास्ता भी गुजरती है. जिससे दोनों तरफ से आने वाले वाहनों से चौक में घंटों जाम लगा रहता है. जाम की वजह से लोगों को पैदल यात्रा करना भी मुश्किल हो जाता है.

जाम से स्कूली बच्चे व मरीज भी होते हैं परेशान

ज्ञात हो कि चौक के समीप श्रीरामकृष्ण डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, संत मैरी स्कूल, संत जेवियर स्कूल जैसे बड़े-बड़े स्कूली स्थान संचालित हैं. प्रत्येक विद्यालय में हजारों विद्यार्थियों का पठन-पाठन चलता है. चौक पर जाम लगे रहने से विद्यालय आने जाने के समय बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. गर्मी के दिन में जाम में फंस कर छात्रों को अक्सर पानी के लिए काफी परेशान होना पड़ता है. दूसरी ओर एम्बुलेंस जाम में फंस कर इलाज के लिए जा रहे मरीज को भी काफी दिक्कत होती है.

सड़क किनारे वाहनों का लगता है जमावड़ा

चौक के आस-पास ठेले व झोपड़पट्टी वालों ने सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण कर लिए हैं. जिसके कारण चौक के पास सड़क जाम अक्सर लगा रहता है. इसके अलावा चौक में दुकानों के बाहर भी वाहन खड़े रहते हैं, जिसके कारण वाहनों के गुजरने में भी दिक्कत होती है .

जाम हटवाने में पुलिस प्रशासन फेल

चौक पर दुकानदारों ने व्यवसाय पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है, लेकिन चौक को जाम मुक्त कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की जाती है. जिसके वजह से सुबह से लेकर रात के 10 बजे तक लोग चौक के पास जाम से जूझते रहते हैं.

जाम से व्यवसाय पर पड़ रहा है असर : डिंपल

व्यवसाई डिम्पल राणा बताते हैं कि हर दिन जाम की वजह से आम-अवाम के साथ-साथ व्यवसाय वर्ग को व्यवसाय करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. कई बार दुकानदारों को दुकान छोड़कर जाम हटाना पड़ता है और यहां की प्रशासन के तरफ से कोई मदद नहीं मिल पाती है.

भयमुक्त और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए एसपी ने की बैठक

सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 35 कंपनियां पहुंचीं साहिबगंज

संवाददाता। साहिबगंज

लोकसभा चुनाव 2024 के तहत राजमहल लोकसभा में 1 मई को भयमुक्त, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव कराने को लेकर मंगलवार को सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 35 कंपनियां साहिबगंज पहुंचीं. जैप-9 सभागार में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने सभी पुलिस पदाधिकारियों व सीएपीएफ कंपनी के कमांडरों के साथ बैठक की. इस दौरान एसपी कुमार गौरव ने सीएपीएफ कमांडरों को साहिबगंज जिले के संवेदनशील व अतिसंवेदनशील बूथों की विस्तृत जानकारी दी. साथ ही उनके ठहरने हेतु मूलभूत सुविधा के साथ अवासन व्यवस्था, बूथ सेनिटाइजेशन, एरिया डोमिनेशन, फ्लैग मार्च एवं ईवीएम व मतदान कर्मी को पर्याप्त सुरक्षा की जानकारी दी.

इस दौरान सुरक्षा से जुड़े कई बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई. पुलिस ने बताया कि 1 मई व उसके बाद मतगणना तक ज़िले में सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किये गए हैं. ज़िले की जनता भयमुक्त, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से लोकतंत्र के महापर्व में अपने मताधिकार का प्रयोग करे.

निशिकांत के समर्थन में निरहुआ और आम्रपाली ने किया रोड शो

कार्यक्रम में भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

खास बातें

- रोड शो में उमड़ी भीड़ से अभिनेता गदगद
- काफिले के पहुंचते ही भीड़ हुई बेकाबू
- कलाकारों की झलक पाने के लिए हुई धक्का-मुक्की

संवाददाता। गोड्डा/पथरगामा

गोड्डा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे के समर्थन में भोजपुरी फिल्मों के कलाकारों ने सड़क पर उतरकर भाजपा के लिए जनता से वोट मांगा. दोपहर बाद गोड्डा जिला से सटे पथरगामा प्रखंड मुख्यालय से आरंभ हुए रोड शो में चिलचिलाती धूप के बावजूद हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी. आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) के निवर्तमान सांसद सह भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ एवं अभिनेत्री आम्रपाली दुबे के साथ भाजपा प्रत्याशी सह गोड्डा के निवर्तमान सांसद निशिकांत दुबे खुले कार में सवार होकर पथरगामा मुख्य पथ स्थित लकड़ी मिल मोड़ से टावर मोड़ तक रोड शो किया. भोजपुरी फिल्मों के दोनों सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए काफी संख्या में लोगों की भीड़ सड़क के दोनों ओर उमड़ पड़ी थी.

आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने लोगों से 01 जून को भारतीय जनता पार्टी के कमल फूल छाप पर बटन दबाने का निवेदन किया और भोजपुरी गाना भी गाकर सुनाया. रोड शो के दौरान सुरक्षा के दृष्टि से विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई थी और दोनों स्टार प्रचारकों की सुरक्षा के लिए पत्थरगामा थाना प्रभारी अभिनव आनंद, इंस्पेक्टर विष्णुदेव चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम साथ चल रही थी. मौके पर सांसद प्रतिनिधि संतोष सिंह, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुबोध साह, पूर्वी मंडल अध्यक्ष रामस्वरूप पंडित उर्फ गोलू पंडित, मुनिलाल भगत, अंकित पंडित, राजीव भगत, राजेश टेकरीवाल, रंजीत उर्फ़ मिठू टेकरीवाल आदि मौजूद थे.

बाद में यह रोड शो जिला मुख्यालय पहुंचा. जहां पहले से हजारों की संख्या में समर्थकों का भीड़ इंतजार कर रही थी. काफिला के पहुंचने के बाद भीड़ बेकाबू हो गई. इन फिल्मी कलाकारों की एक झलक पाने और इन्हें माला पहना कर हाथ मिलाने के लिए प्रशंसकों के बीच धक्का मुक्की होने लगी. बड़ी मुश्किल से भीड़ को नियंत्रित कर स्थिति को संभाला गया. स्टार प्रचारकों का यह काफिला गोड्डा मुख्य कारगिल चौक से निकलकर सरकंडा चौक पार करते हुए पौडेयाहाट विधानसभा क्षेत्र के लिए निकल गया. वहां भी सड़क पर जनता इंतजार कर रही थी.

बीडीओ ने की मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां प्रखंड सभागार में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी महेंद्र रविदास ने पंचायत सचिव, रोजगार सेवक के साथ बैठक की. बैठक में मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक पंचायतवार तथा टोलावार किया. बैठक के दौरान उन्होंने पंचायतवार समीक्षा करते हुए कितने पंचायत में काम चल रहा हैं, कितना होना चाहिए, कहां कितना मजदूर लगे हैं तथा कितना योजना बढ़ाना हैं. सभी का उन्होंने विस्तृत रिपोर्ट लिया. बैठक के दौरान उन्होंने जिन पंचायतों का रिपोर्ट सही नहीं पाया संबंधित पंचायत सचिव, रोजगार सेवक को जमकर फटकार भी लगाया. साथ ही कहा कि अगली बैठक में सभी कागजात अप टू डेट होना चाहिए. इसके अलावा उन्होंने अबुआ आवास तथा दीदी बाड़ी योजना को लेकर बैठक किया. उन्होंने कहा कि अबुआ आवास में जिन लाभुकों को राशि मिल गया हैं उनका काम युद्ध स्तर पर कराते हुए जल्द से जल्द आवास को पूर्ण कराएं. साथ ही जिन लाभुकों का अबुआ आवास की राशि नहीं मिला हैं बैंक में उनका केवाईसी कराएं. मौके पर बीपीओ भिखदेव पासवान, पप्पू राय, कृष्णकांत पंडित, उत्तम कुमार, राकेश कुमार समेत कई कर्मी मौजूद थे.

चोरी की बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

बिहार के पीरपैंती में छापामारी कर तीन बाइक किया जब्त

संवाददाता। साहिबगंज

जीरवाबाड़ी पुलिस ने बिहार के भागलपुर जिला के पीरपैंती थाना क्षेत्र के सतारी में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर चोरी की तीन बाइक के साथ तीन अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है.

इस मामले में एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कॉफेंस कर बताया कि गोड़ाबाड़ी हटिया से विगत रविवार को गंगाराम महतो की मोटरसाइकिल संख्या जेएच18डी -1733 हीरो स्प्लेंडर प्रो. चोरी हो गई थी. इस मामले में पुलिस ने कांड दर्ज कर इसके उद्भेदन को लेकर जीरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीस कुमार पांडे के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की गई मोटर साइकिल को भागलपुर बिहार से बरामद किया गया. साथ ही दो शातिर मोटर साइकिल चोर मोहम्मद जावेद और गुफरान खान को दौडाकर पकड़ा गया एवं उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी. गिरफ्तार लोगों के निशानदेही पर चोरी की मोटर साइकिल खरीद बिक्री करने वाले पिंकू राजवंशी को गिरफ्तार किया गया. साथ ही उसके पास से अन्य पूर्व में भी चोरी की गई मोटर साइकिल बरामद किया गया. बताया कि पुलिस के गिरफ्त में आए सभी चोर पेशेवर चोर है. पुलिस ने इसके पास से जेएच18डी ,1733 हीरो स्प्लेंडर प्रो, होंडा ड्रीम युगा, हीरो डीलक्स बरामद किया. छापेमारी दल में जीरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीस कुमार पांडे, अमन कुमार मिंज, लव कुमार, मुन्ना कुमार, स्टीफन मरांडी एवम अन्य जवान शामिल थे.

अवैध शराब की 60 बोतल बरामद

गोड्डा। झारखंड बिहार सीमा पर अवस्थित मोतिया थाना की पुलिस ने तस्करी कर बिहार ले जा रहे अंग्रेजी शराब की 60 बोतल बरामद किया. इस दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल संख्या बीआर 08ए 5623 को जब्त कर बाइक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की. छापेमारी में थाना प्रभारी महावीर पंडित, पुअनि उपेंद्र नाथ सिंह, आरक्षी कमलेश साह गणेश लैया सहित अन्य थे.

मतगणना को लेकर दायित्वों का करें निर्वहन: डीईओ

सीसीटीवी-वीडियोग्राफी की निगरानी में होगी ईवीएम एवं पोस्टल बैलेट से प्राप्त मतों की गणना

खास बातें

- प्राप्त मतों की गणना के लिए लगेंगे 20 टेबल
- पोस्टल बैलेट की गणना को लगेंगे कुल 25 टेबल

संवाददाता। बोकारो

समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने 06 गिरिडीह संसदीय क्षेत्र का आगामी 04 जून को होने वाले मतगणना को लेकर तैयारियों को लेकर बैठक की। इस दौरान क्रमवार सभी अहम बिंदुओं पर चर्चा कर संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा – निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, डीपीएलआर निदेशक श्रीमती मेनका, अपर नगर आयुक्त सौरव कुमार भुवानिया, अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता आदि उपस्थित थे.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि मतगणना केंद्र में मतों की गणना को लेकर काउंटिंग असिस्टेंट (सीए), काउंटिंग सुपरवाइजर (सीएस) एवं माइक्रो ऑब्जर्वर (एमओ) पहला रेंडमाइजेश हो गया है. विधानसभावार मतों की गणना को लेकर 20 अलग-अलग टेबल लगाया जाएगा. वहीं, पोस्टल बैलेट के माध्यम से प्राप्त मतों की गणना को लेकर कुल 25 टेबल लगेंगे.

सभी विधानसभा क्षेत्रों के वज्रगृह से ईवीएम कंट्रोल यूनिट को मतगणना केंद्र लाने एवं पुनः रखने के लिए 10 अलग-अलग श्रमिक रहेंगे. उनका अलग रंग का ड्रेस कोड रहेगा. इसे सुनिश्चित करने को लेकर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि मतगणना हाल में मतों की गणना सीसीटीवी-वीडियोग्राफी आदि की निगरानी में होगी. इसको लेकर संबंधित एजेंसियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया. निर्धारित तिथि को सुबह 08 बजे से मतों की गणना शुरू होगी, संबंधित सहायक निर्वाची पदाधिकारी ससमय वज्रगृह को खोलना, राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुनिश्चित करेंगे.

पोस्टल बैलेट को मतगणना स्थल लाने के लिए निर्धारित तिथि को पूर्वाह्न 05 बजे जिला कोषागार स्थित वज्रगृह को राजनीतिक पार्टी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला जाएगा, वहां से सुरक्षा बलों के स्कॉट में पोस्टल बैलेट को मतगणना केंद्र लाया जाएगा.

उपायुक्त ने मतगणना केंद्र में बैरिकेडिंग को दुरूस्त रखने को कहा. कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मतगणना केंद्र में प्रवेश नहीं करेगा.

मतगणना हाल में मोबाइल फोन, मैच बाक्स, लाइटर आदि को लेकर प्रवेश निषेध रहेगा. मोडिकल टीम को सक्रिय रखने के लिए सिविल सर्जन को जरूरी निर्देश दिया. उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए दायित्वों का ससमय पूरा करने का निर्देश दिया.

वहीं, मौके पर उपस्थित पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मतगणना केंद्र में त्री स्तरीय सुरक्षा बल तैनात हैं. वहां जाने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों को अलग-अलग रंग का पहचान पत्र जारी करना सुनिश्चित करेंगे. इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया.

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, कार्मिक कोषांग नोडल पदाधिकारी शालिनी खालखो, ईवीएम कोषांग के मो. सफीक आलम, पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल/विद्युत प्रमंडल आदि उपस्थित थे.

अपराधियों ने मोटरसाइकिल सवार को लूटा

पीरटांड (गिरिडीह)। जिले कर पीरटांड थाना से महज थोड़ी दूर स्थित चिरकी पूल के पास मंगलवार शाम अज्ञात अपराधियों ने चाकू दिखाकर मोटरसाइकिल सवार सन्नी एवं श्रवण से करीब 50 हजार रुपया लूट लिया. घटना को अंजाम देकर अपराधी बेख़ौफ मोके से फरार हो गए. वहीं इस घटना में पीड़ित युवकों के हाथ में चोट आई है. बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल सवार युवक क्षेत्र से पैसे का कलेक्शन कर घर जा रहा था, तभी अज्ञात अपरधियों ने चिरकी पुल के पास युवक से चाकू दिखाकर पैसे को लूट लिया. इस दौरान युवक के हाथ में चोट आई है. दोनों युवक पीरटांड़ के पंचायतों के दुकानों में कुरकुरे इत्यादि सप्लाई करता है. दोनों युवकों से लगभग 50 हजार रुपए लूटी गई. दोनों युवक ईसरी बाजार का रहने वाला है. पीरटांड़ थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है.

कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव ने चलाया जनसंपर्क

देवघर/मोहनपुर। गोड्डा लोकसभा प्रत्याशी प्रदीप यादव ने मोहनपुर प्रखंड के बरसतिया गांव में मंगलवार को जनसंपर्क अभियान चलाया. प्रदीप यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने जनता को छलने का काम किया है. स्थानीय सांसद आकर घोषणा करते हैं और भूल जाते हैं, क्षेत्र में विकास के नाम पर भाजपा ने सिर्फ ठगा है. भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आज हर वर्ग परेशान है. महंगाई, बेरोजगारी, अग्नि वीर योजना सरकार की विफलता है. अभियान के दौरान प्रदीप ने मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की. उन्होंने कहा कि हमारी जीत जनता की जीत होगी. कांग्रेस की जीत होते ही तेज रफ्तार से विकास धरातल पर दिखेगा. विकास कार्य यह मेरी गारंटी है.

मनसा नगर मंदिर का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

कथारा। जारंगडीह मनसा नगर में नर्मेदेश्वर शिवलिंग एंव हनुमान जी की मूर्ति स्थापित सह प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया. मंगलवार को सुंदर काण्ड का पाठ विधिवत किया गया. पाठ के उपरांत पूरे विधि-विधान के साथ हवन किया गया. तत्पश्चात भण्डारा का प्रसाद श्रद्धालु भक्तों ने ग्रहण किया. प्रसाद ग्रहण को लेकर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी. भण्डारा का प्रसाद ग्रहण करने के लिए जारंगडीह मनसा नगर सहित बाबू क्वार्टर, अपर बंग्ला, टाटा ब्लॉक, 16नम्बर, जारंगडीह 12नम्बर से भक्तों का जुटान हुआ. उक्त आयोजन से दो दिनों तक जारंगडीह का माहौल भक्तिमय बना रहा. वहीं जारंगडीह मनसा नगर मंदिर के सचिव प्रदीप ठाकुर तथा कोषाध्यक्ष गौतम पांडे ने संयुक्त रूप से मंदिर कमेटी के तमाम सदस्य सहित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने हर एक व्यक्ति का आभार व्यक्त किया जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका निभाई.

महावीर सिंह चौधरी का निष्कासन किया रद्द

बोकारो। बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता ने बोकारो जिला कांग्रेस कार्यालय दूंदीबाग में कांग्रेस के पूर्व चास ग्रामीण प्रखंड अध्यक्ष सह 20 सूत्री चास प्रखंड अध्यक्ष महावीर सिंह चौधरी का निष्कासन उनके पूर्व के बयान पर खेद जताने के पश्चात निष्कासन रद्द कर दिया. इस मौके पर श्री गुप्ता ने कहा कि महावीर सिंह चौधरी का निष्कासन रद्द करते हुऐ बोकारो जिला कांग्रेस एवं संगठन के प्रति इनके निष्ठा को देखते हुए पुनः सम्मान सहित बोकारो कांग्रेस परिवार में शामिल किया जा रहा है और आशा करता हूं कि पार्टी के संविधान एवं संस्कृति के अनुरूप भविष्य में ये कार्य करेंगे. मौक़े पर कमरुल हसन, प्रमोद सिंह चौधरी, नजीर अहमद सहित जिला कमिटी के पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

यूथ बास्केटबॉल 24वां टूर्नामेंट में बोकारो का दबदबा

बोकारो। झारखंड स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा बोकारो के एमजीएम हाई सेकेंडरी स्कूल में आयोजित झारखंड स्टेट यूथ बास्केटबॉल 24वां टूर्नामेंट के दूसरे दिन मंगलवार को बोकारो डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन का दबदबा रहा. बोकारो के बॉयज तथा गर्ल्स बास्केटबॉल टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए, दोनों टीम ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया. बॉयज टीम ने जहां अपने तीन मैच जीत कर अपनी क्षमता का लोहा मनवाया. वहीं, गर्ल्स टीम ने दो में से एक मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.

न्यायमूर्ति ने काउंसलिंग कक्ष का किया उद्घाटन

साहिबगंज। मंगलवार को न्यायमूर्ति राजेश कुमार झारखंड उच्च न्यायालय रांची के साहिबगंज का एक दिवसीय दौरा के दौरान जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज के शिष्ठमंडली ने मिलकर उन्हें तीन सूत्री मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा. न्याय मूर्ति राजेश कुमार जिला व्यवहार न्यायालय परिसर साहिबगंज में संवेदनशील साक्षी कक्ष एवं कुटुंब न्यायालय परिसर में काउंसलिंग कक्ष के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए साहिबगंज आए थे. उसी दौरान जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज के अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी एवं सचिव विजय कर्ण सहित अन्य अधिवक्ताओं ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश साहिबगंज, अखिल कुमार के चेंबर में न्यायमूर्ति राजेश कुमार से मुलाकात कर उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और अधिवक्ताओं के लिए पूर्व कालीन योजना के तहत बार भवन बनाने की मांग को रखें। साथ ही संघ भवन में अन्य व्यवस्थाओं एवं संघ भवन से कोर्ट तक जाने आने के लिए कॉरिडोर का मांग की, ताकि वर्षा एवं गर्मी के मौसम में अधिवक्ता एवं न्याय प्रथीगण न्यायालय कक्ष तक सुगम रूप से पहुंच सके. इस मौके पर संजय जयसवाल, संजू सिंह, तारिक जफर, गौतम प्रसाद सिंह, उमाशंकर प्रसाद, देवेंद्र सिंह, कुलिंदू प्रसाद सहित दर्जनों अधिवक्तागण एवं न्यायिक पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए ग्रामीणों ने की बैठक

धनवार (गिरिडीह)। धनवार थाना क्षेत्र के परसन ओपी क्षेत्र अंतर्गत बंदेटांड़ गांव में दहेज के लिए 16 जनवरी 2024 को विवाहित तरन्नुम खातून की हत्या में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से क्षुब्ध परिजनों, ग्रामीणों और समाजसेवियों ने कोडाडीह में पुलिस के खिलाफ बैठक की. इस बाबत मृतक के भाई सद्दाम अंसारी ने बताया कि हत्या के चार महीना बीतने के बाद भी अभी तक केवल पति की गिरफ्तारी हुई है. हत्या में शामिल आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं. हत्यारों को पुलिस तत्काल गिरफ्तार करें. कहा कि एक सप्ताह के अंदर अगर गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. थाना में दिए आवेदन के अनुसार ससुराल वालों ने 16 जनवरी 2024 को तरन्नुम खातून का गला घोट कर हत्या कर दिया था.

अबुआ लाभार्थी दूसरी किस्त के लिए जमा करें कागजात : सीओ

संवाददाता। चौपारण

चौपारण प्रखंड के अंचलाधिकारी सह बीडीओ सह सीडीपीओ संजय यादव ने जिलाधिकारी के आदेशानुसार अबुआ आवास लाभुकों को द्वितीय किस्त के लिए कुछ आवश्यक कागजात जमा करने का निर्देश जारी किया है.

सीओ ने प्रखंड की 26 पंचायत के 269 गांवों में लगभग 1150 अबुआ आवास लाभुकों से कहा कि सभी लाभुक अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाणपत्र एवं जॉब कार्ड समय पर जमा करवा दें ताकि द्वितीय किस्त के 50 हजार रुपये खाते में भेजे जा सके.

साथ ही कहा कि पहली किस्त के रूप में जो 30 हजार रुपये मिले हैं वे भवन निर्माण में खर्च होने चाहिए. साथ ही लाभुकों को निर्देश

सीओ सह बीडीओ संजय यादव.

दिया कि हर परिस्थिति में अबुआ आवास किस्त मिलने पर समय पर पूर्ण हो जाना चाहिए. जिस लाभुक का अबुआ आवास किस्त लेने के बाद भी नहीं बन पाएगा उससे राशि की रिकवरी कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा.

परिजनों ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टर और कंपाउंडर पर लगाया लापरवाही का आरोप

इलाज के दौरान महिला की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा

संवाददाता। हजारीबाग

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार को एक महिला की मौत हो गई. मृतक महिला की पहचान इचाक थाना क्षेत्र के दरिया गांव के होरील साव की पत्नी हीरा मणि देवी के रूप में हुई है. घटना के बाद मृतक के परिजनों ने घंटों सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया और चिकित्सा कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया. इस संबंध में मृतक के पति ने बताया कि सोमवार रात 10:30 बजे अचानक हीरा मणि देवी के पेट में दर्द हुआ. इसके बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टर ने कई घंटों तक उसे भर्ती नहीं किया. काफी

अस्पताल परिसर में हंगामा करते मृतक के परिजन.

देर बाद जमीन पर लेटा कर मरीज का इलाज शुरू किया गया. इसके बाद न कभी डॉक्टर देखने आए ना कंपाउंडर आया. सभी जाकर सो गए. रातभर मरीज चीख-पुकार करती रही, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली और सुबह उसकी मौत हो गई. परिजनों ने यह भी बताया कि यह सरकारी अस्पताल है और यहां भी इलाज के नाम पर पैसा लिया गया.

आरोप

- घंटों भर्ती नहीं किया, जमीन पर लेटाकर इलाज किया
- रातभर कराहती रही मरीज कोई सुध लेने नहीं आया

इसके बावजूद उचित इलाज नहीं किया गया. दिखावे के तौर पर केवल सलाइन लगाकर छोड़ दिया गया. परिजनों ने सरकार से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि संबंधित डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज करवाया जाएगा. यह भी कहा कि यह सरकारी अस्पताल है और किसी की जान ना जाए इसके लिए ऐसे लापरवाह डॉक्टर को अस्पताल में रखना उचित नहीं है.

अस्पताल में इलाज के नाम पर केवल दिखावा

वहीं अस्पताल में भर्ती अन्य कई मरीजों ने कहा है कि अस्पताल में इलाज नहीं, बल्कि केवल दिखावा किया जाता है. यहां डॉक्टर कम आते ही हैं, कंपाउंडर भी मरीज पर ध्यान नहीं देता है. इस संबंध में विष्णुगढ़ प्रखंड के कारगलो निवासी सुखदेव रविदास ने बताया कि 22 दिन पहले पैर के इलाज के लिए शाहरुख देवी को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया कराया है, लेकिन यहां इलाज के अभाव में पैर का जख्म बढ़ता जा रहा है. इसकी शिकायत अस्पताल प्रबंधन को भी की गई है, लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है. वहीं बड़कागांव निवासी कौशल्या देवी के परिजन ने भी बताया है कि अस्पताल में इलाज नहीं होता है. सप्ताह दिन से भर्ती है उसके बाद भी बीमारी ठीक नहीं हो रही. अब वह रेफर करने की गुहार लगा रहा है. वहीं संबंध में सुपरिटेंडेंट विनोद कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है. मैं बाहर हूं, जानकारी लेकर बता पाऊंगा.

ब्रीफ खबरें

रिकार्डतोड़ गर्मी से जन-जीवन हलकान

हजारीबाग। जिले में मंगलवार को रिकॉर्डतोड़ गर्मी दर्ज की गई. जिलेभर में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया. गर्मी और लू से दिनभर लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी. लोगों को पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा था. अत्यधिक गर्मी व लू के कारण बाजार व सड़कें भी सुनी रही. गर्मी व लू का असर देर शाम तक देखने को मिला. हवा में आग के जैसी झुलसाने वाली गर्मी थी. बाइक से चलना भी खतरे से खाली नहीं दिख रहा था.

यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश

कोडरमा। उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई. इसमें उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाते हुए बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाने वाले एवं बिना शीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों का नियमित रूप से जांच कर आवश्यक कार्रवाई करें. उपायुक्त ने एनएच के कार्यों की जानकारी ली और धीमी गति से कार्य होने पर नाराजगी जताई.

नाजीर के निधन पर शोक सभा आयोजित

डोमचांच (कोडरमा)। प्रखंड में कार्यरत नाजीर निरंजन कुमार के आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर मंगलार को शोक सभा का आयोजन किया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय की मौजूदगी में प्रखंड एवं अंचल के सभी कर्मचारी ने निरंजन कुमार की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा. मौके पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नायाब जेबा, प्रफुल्ल सिंह, प्रभुदेव यादव, सुरेश कुमार कामेश्वर पांडेय आदि मौजूद थे.

हत्या के प्रयास में दंपति गिरफ्तार

केरेडारी। थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव निवासी मधु कुमारी पर चाकू से हमला करने के आरोपी दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस मामले में अन्य पांच आरोपी फरार हैं. थाना प्रभारी अजित कुमार ने बताया कि 26 मई को मधु कुमारी पर लगभग सात आरोपियों ने चाकू मारकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया था. घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया है. मामले में हेमंत, सागर, आदित्य साव, कविता देवी, पति आदित्य साव, दसरथ साव व सिमरिया प्रखंड के बारा गांव निवासी तुलसी साव, मनोज साव के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है. महिला का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है.

बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों बालू का अवैध उत्खनन चरम सीमा पर

बालू के अवैध उत्खनन से संकट में नदियों का अस्तित्व

चिंतनीय

- पर्यावरण संतुलन को नदियों में भरपूर बालू होना अनिवार्य
- बालू निकाले जाने से नदियों की जलधारण क्षमता प्रभावित

संवाददाता। बड़कागांव

प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों बालू का अवैध उत्खनन चरम सीमा पर है. बालू का महत्व सिर्फ निर्माण कार्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पारिस्थितकीय दृष्टिकोण से भी इसका काफी महत्व है. जानकारों के अनुसार, पर्यावरण संतुलन के लिए नदियों में भरपूर बालू का होना अनिवार्य है. पानी के बाद बालू ही ऐसी उपयोगी चीज है, जिसका सर्वाधिक और अवैज्ञानिक ढंग से दोहन हो रहा है. यही कारण है कि नदियां वीरान होती जा रही हैं. कई नदियों का अस्तित्व ही संकट में आ गया है.

बालू को लघु खनिज के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसके बिना निर्माण कार्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती. नदियों में भरपूर बालू होने से आसपास की वनस्पति और जीवों को पनपने का अवसर मिलता है. इससे जैव विविधता को पोषण मिलता है और पर्यावरण की सुरक्षा होती है. बढ़ते शहरीकरण और सरकारी भवनों, पुल-पुलियों के अलावा अन्य सभी तरह के निर्माण कार्यों में आयी तेजी के कारण बालू

बालू के अवैज्ञानिक ढंग से किए जा रहे उत्खनन पर रोक लगानी होगी

नदियों से बालू के अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से उत्खनन के दुष्प्रभाव के संबंध में प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि बालू को सिर्फ निर्माण सामग्री के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसका बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें नदियों के अस्तित्व को बचाकर रखना जरूरी है. नदियों के अस्तित्व को बचाकर रखने के लिए सबसे पहले हमें बालू का अवैज्ञानिक ढंग से हो रहे उत्खनन पर रोक लगानी होगी, तभी हम नदियों का संरक्षण एवं पर्यावरण को संतुलित रख पाएंगे, अन्यथा आने वाले समय में हमें भीषण संकट का सामना करना पड़ सकता है.

नदियों की जल धारण की क्षमता घटने से जलापूर्ति पर पड़ रहा व्यापक असर

नदियों की जल धारण की क्षमता घटने से इसका सीधा असर जलापूर्ति पर पड़ रहा है. जिले का ही उदाहरण लें, जहां गर्मी के दिनों में गंभीर जल संकट का सामना आम लोगों को करना पड़ रहा है. बालू के अवैध और अंधाधुंध उत्खनन से जिले की कई छोटी-बड़ी नदियां पूरी तरह सूख चुकी हैं. बालू तस्करों ने तो नदियों के अस्तित्व को ही खत्म कर दिया है. यह मात्र एक छोटा सा सूखा नाला बनकर रह गया है. शहरों में रियल स्टेट का व्यवसाय बढ़ने और निर्माण कार्य में आई तेजी के कारण बालू की मांग लगातार बढ़ती जा रही है. इसके कारण बालू की जमकर तस्करी हो रही है. सिर्फ बड़कागांव से ही हर दिन सैकड़ों ट्रैक्टरों से बालू की तस्करी की जाती है.

की मांग लगातार बढ़ती जा रही है. इसकी पूर्ति के लिए नदियों से अवैध, अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से बालू उत्खनन को बढ़ावा मिल रहा है. बालू के अवैध उत्खनन के कारण न सिर्फ नदियां वीरान हो रही है, बल्कि जल धारण की क्षमता भी प्रभावित हो रही है और नदियों के तट का स्वरूप भी बिगड़ता जा रहा है.

टीपीसी का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

- ससुराल में छिपा था, नक्सली के पास से दो देसी पिस्तौल, चार कारतूस, एक मोबाइल फोन और एक बुलेट बाइक बरामद

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ पुलिस को नक्सली संगठन टीपीसी के एक सदस्य की गिरफ्तारी में सफलता हासिल हुई है. एसपी डॉ. विमल कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पतरातू और भुरकुंडा पुलिस की संयुक्त छापेमारी में सयाल नालापार में समरित गंझू को गिरफ्तार किया गया. एसपी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि समरित गंझू के अपने ससुराल में छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद पतरातू पुलिस निरीक्षक योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम बनाकर उक्त नक्सली को दबोच लिया गया.

नक्सली के पास से दो देसी पिस्तौल, चार कारतूस, एक मोबाइल फोन और एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद हुई है. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी से

गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ कई थानों में मामले दर्ज

गिरफ्तार उग्रवादी को हथियार व कारतूस के साथ पकड़े जाने के संबंध में पतरातू भुरकुंडा कांड संख्या 141 /24 के तहत प्राथमिक दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पिपरवार समेत कई थानों में मामले दर्ज हैं. अन्य फरार टीसी के उग्रवादियों के विरुद्ध छापेमारी अभियान जारी है. जल्द वे लोग भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे. छापेमारी दाल में पुलिस निरीक्षक पतरातू योगेंद्र सिंह, ओपी प्रभारी भुरकुंडा अभिषेक कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता, भुरकुंडा आप के पुरानी अविनाश कुमार, सैप व जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे.

पूछताछ की गई तो उसने बताया कि टीपीसी के एरिया कमांडर दिवाकर गंजू के आदेश पर उसका भतीजा बोतल उर्फ विशाल दो अज्ञात उग्रवादी मेरे पास आए एवं दोनों अवैध पिस्तौल व कारतूस से इन चारों उग्रवादियों ने मिलकर 20 मई को 10 नंबर सयाल कोलियरी के पास जाकर पेट्रोल से पेलोडर में आग लगाई थी. साथ ही दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग भी की गई थी. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इसके खिलाफ कई थानों में केस दर्ज है. घटना के बाद घटना में प्रयुक्त दोनों अवैध पिस्टल व कारतूस को छुपा कर रखा गया था.

दिनेश्वर पांडेय कान्यकुब्ज ब्राह्मण के अध्यक्ष चुने गए

विष्णुगढ़। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज विष्णुगढ़ की बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर दिनेश्वर पांडेय को आम सहमति से अध्यक्ष चुना गया. नई कमेटी के गठन के लिए चौधरी शम्भूनाथ पांडेय को चुनाव प्रभारी बनाया गया था. उनकी देखरेख में गठित कमेटी में जनार्दन पांडेय को उपाध्यक्ष, युगल पांडेय को सचिव, ओम प्रकाश वैद्य को कोषाध्यक्ष, बीरेंद्र पांडेय को संपर्क प्रमुख, सुबोध पांडेय को मीडिया प्रभारी तथा महादेव वैद्य को संरक्षक नामित किया गया है. बैठक में मुख्य रूप से देवेंद्र मिश्र, रामप्रसाद पांडेय, सतीश वैध, बटेश्वर मिश्र, प्रदीप पांडेय, सुरेंद्र पांडेय, राजेंद्र पांडेय, त्रिभुवन पांडेय, अजीत कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे.

कागजात अधूरे पाए जाने पर 11 वाहनों से वसूले गए तीन लाख

संवाददाता। रामगढ़

सुरक्षा व्यवस्था व अवैध परिवहन के विरुद्ध उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देशानुसार सोमवार की रात्रि जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स के नेतृत्व में पटेल चौक, नईसराय, कुजू, एनएच 33 मांडू सहित जिले के विभिन्न चौक-चौराहों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा माल वाहक वाहनों व अन्य वाहनों का आरसी बुक, फिटनेस, प्रदूषण एवं ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडिंग आदि के साथ साथ वाहनों पर लगाए

जाने वाले रिफ्लेक्टिव टेप आदि की जांच की गई. जांच के दौरान कुल 11 वाहनों के कागजात अधूरे पाए गए एवं उन सभी वाहनों के विरुद्ध कुल 3 लाख 36 हज़ार 854 रुपये का चालान किया गया. जांच के दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक विक्की आनंद आदि उपस्थित थे.

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

'संकोच का नहीं, चर्चा का विषय है माहवारी'

संवाददाता। रामगढ़

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर जिले के विभिन्न विभागों की ओर से संस्थान तथा समुदाय स्तर पर माहवारी स्वच्छता प्रबंधन से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया. इस दौरान रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से संदेश दिया गया कि लाल रंग संकोच का नहीं, बल्कि चर्चा का विषय है, जिसके माध्यम से समुदाय स्तर पर सभी को जागरूक किया जा सकता है.

माहवारी संकोच का विषय नहीं है. इसके प्रति खुलकर चर्चा की जा सकती है तथा माहवारी महिलाओं के लिए एक प्राकृतिक उपहार है, जिससे सृष्टि का निर्माण होता है. साथ ही कार्यक्रम के दौरान

विद्यालय स्तर पर माहवारी स्वच्छता से संबंधित लेखन प्रतियोगिता एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. माहवारी स्वच्छता प्रबंधन से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, स्वास्थ्य विभाग जेएसएलपीएस, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग तथा समाज कल्याण विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

छात्रा ने फोन छीन रहे युवक को सिखाया सबक

लड़की की बहादुरी देख आरोपी घटनास्थल पर ही अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर भागा

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के विभिन्न स्थानों पर मोबाइल फोन झपटकर भागने का मामला लगातार प्रकाश में आ रहा है. ताजा मामला पेलावल थाना क्षेत्र का है, जहां एक छात्रा ने अपनी बहादुरी दिखाते हुए न सिर्फ मोबाइल फोन छीनने के प्रयास को विफल किया, बल्कि आरोपी युवक को सबक भी सिखाया. इस संबंध में गोविंदपुर निवासी राधेश्याम पांडे ने बताया कि उसकी बेटी पल्लवी कुमारी इंटर की पढ़ाई कर रही है. वह नित्यदिन की तरह शनिवार को भी शहर कोचिंग करने आई थी. पढ़ाई कर वह लगभग 3:00 बजे टुकटुक रिक्शा से अपने घर जा रही थी. इस दौरान उसका एक मोटरसाइकिल सवार पीछा कर रहा

था. रिक्शा बालियनद पहाड़ी शिव मंदिर के पास पहुंचा था और इस वक्त पल्लवी के मोबाइल पर घर से फोन आया. वह फोन पर बात ही कर रही थी कि इसी बीच पीछा कर रहे मोटरसाइकिल सवार ने उसके हाथ से मोबाइल फोन झपटने का प्रयास किया, लेकिन पल्लवी ने बहादुरी दिखाते हुए उसके हाथ की कलाई पकड़ कर उसे अपनी तरफ खींच लिया, जिससे वह गिर गया. पल्लवी ने लड़के को पकड़ने का प्रयास भी किया लेकिन इस प्रयास में वह खुद भी गिर गई. लड़का घटनास्थल पर ही अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर भाग गया. इसके बाद पल्लवी ने पेलावल पुलिस को घटना की जानकारी दी.

पुलिस ने कार्रवाई करने की जगह समझौता कराया

पल्लवी ने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी, लेकिन पुलिस ने आवेदन तो लिया, लेकिन कार्रवाई नहीं की. पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की जगह उसको पल्लवी के घर का पता दे दिया. इसके बाद आरोपी ने एक अस्पताल के संचालक को पल्लवी के घर पर भेज दिया और उसे तरह-तरह का प्रलोभन देकर समझौता करने की बात कहने लगा. पल्लवी के पिता ने पुलिस से बात करने को कहा, लेकिन अंत में दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा हो गया. वहीं छात्रा के डरे हुए परिजनों ने बताया कि आरोपी के परिजनों को हमारे घर का पता कैसे चला? थाने को दिए आवेदन में हमारा पता लिखा था. ऐसे में अगर वह युवक फिर हमला करता है तो इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा? इस संबंध में पेलावल थाना प्रभारी से पक्ष लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन का कोई जवाब नहीं दिया. वहीं इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि इस प्रकार के मामले में समझौता नहीं होता है. थाना प्रभारी से मामले की जानकारी ली जाएगी.

कांग्रेस का आरोप भ्रष्टाचार में लिप्त होने के साथ सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहा संचालक

देवी-देवता की आड़ में व्यापार करता है आरोग्यं अस्पताल

संवाददाता। हजारीबाग

शहर के जाने-माने आरोग्यं अस्पताल के संचालक पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कई गंभीर आरोप लगाये हैं. मंगलवार को रांची-पटना रोड स्थित सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता कर पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश सिंह, गौरव प्रकाश, अनिल राम, भैया असीम, गणेश कुमार सीटू, संजय तिवारी आदि की उपस्थिति में कांग्रेस नेता संजय तिवारी ने बताया कि आरोग्यं अस्पताल का संचालक देवी-देवता की आड़ में व्यापार कर रहा है. वह सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहा है. यहां तक कि जिला परिषद भवन पर भी कुंडली मारकर बैठा हुआ है. वह सरकार को भी चूना

प्रेस वार्ता करते इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता .

लगा रहा है. सच्चाई यह है कि जिला परिषद चौक की दुकान की कीमत 30-40 रुपये स्क्वायर फीट है, लेकिन संचालक अधिकारियों की मिलीभगत से 12 रुपये स्क्वायर फीट किराया सरकार को देता है. ऐसे में सरकार को भारी नुकसान हो रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि दो पत्रकारों की मौत संदिग्ध परिस्थिति में हुई थी, जिसकी गुप्त रूप से जांच चल रही है. जल्द सच्चाई आम लोगों के बीच आएगी. उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान आरोग्यं अस्पताल के संचालक को भ्रष्टाचारी व भूमाफिया बताते हुए सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया. कांग्रेस नेताओं ने इस संबंध में कई दस्तावेज भी मीडिया से साझा किए.

आरोग्यं अस्पताल को आयुष्मान कार्ड का लुटेरा बताया

उन्होंने आरोग्यं अस्पताल को कोविडकाल में आयुष्मान कार्ड का लुटेरा बताया. उन्होंने यह भी कहा कि जिला परिषद का भवन ग्रामीण विकास के लिए होता है. ऐसे में किस अधिकार पर आरोग्यं अस्पताल को उक्त बिल्डिंग दी गई है. सच्चाई यह भी है कि वह जमीन जिला परिषद की नहीं, बल्कि खास महल की जमीन है. खास महल ने उक्त जमीन जिला परिषद को लीज पर दी थी. उन्होंने यह भी कहा कि आरोग्यं अस्पताल सरकारी अस्पताल को बंद करवाने में तुला हुआ है. उसने अपने एजेंट को सरकारी अस्पताल में छोड़ दिया है, जो मरीज को डरा धमका कर अपने अस्पताल में भर्ती करवाता है. इसके अलावा आरोग्यं अस्पताल के एजेंट शहर में लोगों को डराने-धमकाने एवं अधिकारियों तक की सेटिंग करवाने में जुटे रहते हैं. यह पूरा मामला जांच का विषय है. जल्द आरोग्यं अस्पताल की जांच होगी. इसका भरोसा उपायुक्त ने भी दिलाया है.

सुलमी में पांच दिनी महायज्ञ को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता। कटकमसांडी

प्रखंड क्षेत्र के सुलमी में श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ श्री दुर्गा एवं हनुमान वार्षिक महोत्सव पंच दिवसीय महायज्ञ को लेकर मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. इसमें 251 कन्याओं एवं महिलाओं ने भाग लिया. कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के जयकारे व भजनों से पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो उठा. कलश यात्रा में कई लोग शामिल हुए.

कलशधारी नगर भ्रमण कर स्थानीय सांडवा मठ महादेव मंदिर स्थित सिवाने नदी पहुंचे, जहां यज्ञाचार्य पंडित ईश्वर शास्त्री, पुरोहित आदि ने विधिवत पूजा कराई.

इसके बाद सभी श्रद्धालु जलभरी कर माथे में कलश को लेकर मंडप परिसर पहुंचे. इसके बाद कलशों को स्थापित किया गया. इस दौरान यज्ञ समिति ने श्रद्धालुओं के लिए भीषण गर्मी को देखते हुए शीतल पेय, शरबत की व्यवस्था की थी. कलश यात्रा के बाद मंडप प्रवेश, पंचांग पूजन, आरती के साथ श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया.

अपार्टमेंट में मेंटेनेंस चार्ज भी देना होता है

अपार्टमेंट में भी पानी की समस्या होती है

कहीं घर है तो बाथरुम अटैच नहीं मिलता है

किरायेदारों का दर्द कोई न जाने

जिस जगह लोग काम करते हैं और रहते हैं, वहीं चाहते हैं कि उनका भी अपना एक घर हो. लेकिन जमीन और घर की आसमान छूती कीमतें इनके सपने को पूरा नहीं होने देती हैं. बढ़ती महंगाई के कारण घर खरीदने की बजाय इनके सामने किराये पर ही घर लेने का विकल्प बचता है. ऐसे में वे मकान मालिक बनने की बजाय किराएदार बन जाते हैं. जिनके पास अधिक पैसे हैं, वे अपार्टमेंट में चले जाते हैं. जिन्हें कम है, वे कोई घर किराए पर लेते हैं. इसमें परिवार से लेकर बैचलर लोग होते हैं. शहर में ठिकाना पाने की चाहत में ये घर तो लेते हैं, लेकिन यहां भी इनकी समस्याएं खत्म नहीं होती हैं. अपार्टमेंट में किराये के अलावे भी पैसे देने पड़ते हैं. इसमें अपार्टमेंट का मेंटेनेंस चार्ज होता है, जिसमें सुरक्षा और कचरा प्रबंधन का चार्ज शामिल होता है. वहीं जो किसी के घर में रहते हैं, उन्हें अन्य चार्ज तो नहीं देना पड़ता है. लेकिन उनके सामने भी कभी पानी तो कभी बिजली की समस्या आती रहती है. इसे लेकर किराएदार का मकान मालिक से संघर्ष चलता रहता है. कहीं एक ही कमरे में दो लोग रहते हैं. इसमें किराया कम लगता है. कहीं घर है तो बाथरूम अटैच नहीं मिलता है. फिर भी रहना पड़ता है. किराएदारों के इसी दर्द को जानने और समझने के लिए शुभम संदेश की टीम पहुंची लोगों के बीच और तैयार की रिपोर्ट...

बोकारो

शहर की अनियोजित वृद्धि के कारण आवास की समस्या गंभीर हो गई है

मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो गया है

रजत नाथ

आवास मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है. आजादी के सात दशकों के बाद भी देश खासकर बढ़ती आवास समस्या से जूझ रहा है. शहरी जनसंख्या में तीव्र वृद्धि से समस्या और भी जटिल हो गई है. नौकरियों की तलाश में आबादी का लगातार शहरों की ओर पलायन से शहरी आवास और बुनियादी सेवाओं की किल्लत होती जा रही है. शहरी जनसंख्या में भारी वृद्धि और शहर की अनियोजित वृद्धि के कारण आवास की समस्या गंभीर हो गई है. शहरी क्षेत्रों में आवास की भारी कमी है. मांग-आपूर्ति का अंतर दिन-ब-दिन बढ़ती जा रहा है. औद्योगिक विकास और आप्रवासियों की भीड़ भी समस्या को गंभीर बनाने के लिए जिम्मेदार है. निर्माण लागत और भूमि मूल्य इतने ऊंचे हो गए हैं कि मध्यम वर्ग की आबादी के लिए घर खरीदने के बारे में सोचना भी मुश्किल हो गया है. नेशनल बिल्डिंग ऑर्गनाइजेशन (एनबीओ) के अनुसार शहरी भारत में 2031 तक 600 मिलियन लोगों के रहने की उम्मीद है, जो 2011 से 59 प्रतिशत की वृद्धि है. बोकारो इस्पात नगर भी इससे अछूता नहीं रहा. स्टील प्लांट के अलावा बेहतर शिक्षा हब होने के कारण एक अच्छी प्रवासी आबादी बोकारो में है. यहां चास, बारी कॉपरेटिव, कॉपरेटिव कॉलोनी, बियाडा कॉलोनी, लोहांचल, आदर्श कॉपरेटिव व चीरा चास आदि जगहों पर भाड़े के मकान मिलते हैं. मकान की लोकलिटी और उसके लोकेशन के हिसाब से किराया तय होता है. चीरा चास, कॉपरेटिव कॉलोनी सहित अन्य जगहों पर अपार्टमेंट भी किराए पर उपलब्ध हैं. सिटी सेन्टर में कोचिंग और विभिन्न प्रतियोगिता परिक्षाओं की तैयारी करने आए बच्चों के लिए लॉज व हॉस्टल की बहुत है. इसके अलावा सेक्टरों के क्वाटरों के सटे आउट हाउस में सस्ते दरों पर रिहाईशी आवास उपलब्ध हो जाती हैं.

पांच साल के अंतराल में भाड़ा दोगुना हो गया, जैसे भी देना पड़ता है: डॉ एसएन दूबे

बारी कॉपरेटिव कॉलोनी में निवास कर रहे होमियोपैथी के डॉ एसएन दूबे बताते हैं कि वो चंदनकियारी, बाट बिनोर के निवासी हैं. वहां उनका पुश्तैनी मकान है. लेकिन बच्चों की पढ़ाई और अपनी डॉक्टरी के पेशा के चलते वे 1999 पहले बोकारो इस्पात नगर आ शिफ्ट कर गए. उस समय तीन रूम व एक डाईनिंक रूम वाले किराये के मकान का रेंट 1500 रुपये था. दस सालों में यह 5000 हो गया. ज्ञात हो कि कॉपरेटिव कॉलोनी बोकारो शहर के पॉश कॉलोनी में गिनी जाती है. इसके बाद डॉक्टर एसएन दूबे बारी कॉपरेटिव शिफ्ट हो गए. यहां उससे ज्यादा स्पेस था. लेकिन दस साल के अंतराल के बाद आज वो बिजली बिल लेकर दस हजार भाड़ा दे रहे हैं. डॉक्टर एसएन दूबे ने बताया कि पांच साल के अंतराल में भाड़ा दोगुना हो गया. वहीं आमदनी कमतर होती गई. ऐसे में गुजर बसर बमुश्किल से हो पाता है. सरकार को इस बाबत नियमावली बनानी चाहिए ताकि मनमाने भाड़े पर अंकुश लग पाए.

प्रति वर्ष घर का किराया दस प्रतिशत के हिसाब से बढ़ता रहता है: लिपिका डे

चीरा चास अपार्टमेंट में रहने वाली लिपिका डे ने बताया कि दो रूम के अपार्टमेंट का किराया पांच हजार है. प्रति साल दस प्रतिशत के हिसाब से बढ़ता रहता है. इसके बाद भी सुविधा की कमी है. यहां पर पानी और पार्किंग की समस्या होती है. लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जाता है. किराया को लेकर मकान मालिक गंभीर रहते हैं. इस पर भी रहना चाहिए. वहीं सुरक्षा की बात करें तो वो भी ठीक नहीं है. यहां चोरी की घटनाएं होती रहती हैं. ऐसे में बाहर जाना काफी मुश्किल होता है. ऐसे में किसी को घर में सोने के लिए चाभी देकर जाना पड़ता है. तभी निश्चिंत होकर आप बाहर जा सकते हैं.

पैसे अधिक न लगें इसलिए एक रूम में तीन विद्यार्थी रहते हैं: रजनीश कुमार

स्थानीय कोचिंग सेंटर में पढ़ाई कर रहे रजनीश कुमार ने कहा कि वो लॉज में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं. एक रूम में तीन विद्यार्थी रहते हैं. प्रति बेड के हिसाब से 2500 रुपया वो प्रति माह भुगतान करते हैं. पहले प्रति बेड 1000 रुपया था. लेकिन धीर धीरे इसमें इजाफा होते गया. हमलोगों को यहीं रहना है तो जो भी होगा और जैसे भी होगा किराया देना होगा. यहां से बाहल जाएंगे तो इस इलाके में किराया इसी के आसपास होगा. इसलिए जाने से अच्छा है यहीं पर रहना. विद्यार्थियों के लिए खर्च जुटाना काफी मुश्किल होता है. जो घर से मजबूत होते हैं वे तो किराए की नहीं सोचते हैं. लेकिन हमलोगों को तो सोचना पड़ता है. आखिर सबकुछ तो पैसे पर टिका होता है. जितना घर से मिले उसी में रहना होता है.

जमशेदपुर

महंगाई बढ़ी पर वेतन भी बढ़ा: ऋषि जायसवाल

सोनारी के एक अपार्टमेंट में रहने वाले ऋषि जायसवाल बीते सात सालों से सोनारी में रह रहे हैं. ऋषि प्राइवेट जॉब करते हैं. अपने छह सदस्यों वाले परिवार के साथ रहते हैं. ऋषि कहते हैं कि पांच साल पूर्व वे तीन कमरों वाले फ्लैट के लिए 12 हजार रुपये देते थे. अब उसी फ्लैट के लिए 15 हजार रुपये दे रहे हैं. बिजली भी पहले से महंगी हुई है. हालांकि इन पांच सालों में घर में बिजली का लोड भी बढ़ा है. जिससे बिल ज्यादा आता है. ऋषि कहते हैं कि जिस तरह से महंगाई बढ़ी है उसी दर से वेतन भी बढ़ा है. इसलिए ठीक ही चल रहा है.

फ्लैट में 1200 रुपए मेंटेनेंस देते हैं: कमल कुमार

सोनारी के ही अपार्टमेंट में दो कमरों वाले फ्लैट में रहने वाले कमल कुमार आठ हजार रुपये और फ्लैट के लिए 1200 रुपये हर माह मेंटेनेंस देते हैं. बिजली का बिल हर माह दो से तीन हजार तक आता है. कमल कहते हैं कि पहले वे जिस फ्लैट में रहते थे उसके सात हजार रुपये मासिक किराया देते थे. पर वहां पानी की काफी समस्या रहती थी. जिस कारण एक साल पूर्व नए अपार्टमेंट में शिफ्ट किया. कमल के अनुसार पूर्व में सात हजार रुपये मासिक और 800 रुपये मेंटेनेंस के लिए लगते थे. बिजली बिल भी 1500 से 2000 तक ही आता था. महंगाई बढ़ी है तो साथ में किराया भी बढ़ा है. इसलिए जो है देना पड़ रहा है.

घर छोटा है, बाथरूम अटैच नहीं है: विकास कुमार

सोनारी के खूंटाडीह में दो कमरों वाले किराए के मकान में रहने वाले विकास कुमार कपड़े के शोरुम में काम कर घर चलाते हैं. वे अपने परिवार के साथ इस मकान में रहते हैं. परिवार में छह लोग हैं. घर से लिए पांच हजार रुपये किराया देते हैं. जिसमें बाथरुम अटैच नहीं है. किसी तरह अडजस्ट कर रह रहे हैं. बिजली बिल पहले एक हजार से 1500 तक आ जाता था. अब 1500 से 2000 तक बिजली का बिल आता है. पांच साल पहले इसी मकान के लिए तीन हजार रुपये महीना किराया देते थे. जो अब बढ़कर पांच हजार रुपये हो गया है. लेकिन किसी तरह तो देते ही हैं.

दो लोग हैं तो किराया आधा हो जाता है: हरीश

सोनारी में फल बेचकर गुजारा करने वाले हरीश मूल रुप से बिहार के रहने वाले हैं. हरीश का परिवार बिहार में रहता है. वे सोनारी के क्रिश्चियन बस्ती में एक कमरे के मकान में अपने एक साथी के साथ रहते हैं. इस कमरे के लिए उन्हें दो हजार रुपये किराया देना पड़ता है. दो लोग हैं तो किराया आधा हो जाता है. कमरे में एक किचन जुड़ा है. बाथरुम कॉमन है. जिसे सभी इस्तेमाल करते हैं. परिवार लाएंगे तो दो कमरों का मकान लेना होगा और किराया भी अधिक लगेगा. जिससे रुपये भी ज्यादा खर्च करने होंगे. लेकिन इसी में किसी तरह रहते हैं. दूसरी जगर जाएंगे तो किराया भी बढ़ जाएगा.

चक्रधरपुर

पांच साल में फ्लैट का किराया 30% बढ़ा: मुकेश

चक्रधरपुर निवासी मुकेश कुमार ने कहा कि पिछले पांच साल में फ्लैट का किराया तीस प्रतिशत बढ़ गया है. उन्होंने बताया कि वे बिहार गया के रहने वाले हैं और एक प्राइवेट संस्थान में काम करते हैं. पिछले लगभग सात सालों से वह चक्रधरपुर में ही किराये पर फ्लैट लेकर रह रहे हैं. दिन प्रतिदिन फ्लैट के किराये में बढ़ोत्तरी हो रही है. जिसके कारण अब काफी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं जल्दी किराये पर फ्लैट व घर मिलना भी अब मुश्किल हो गया है. इसलिए जहां हैं वहीं रह रहे हैं. हर जगह तो वही स्थिति होगी.

घर का किराया बढ़ता जा रहा है: रोहित चतुर्वेदी

गोईलकेरा निवासी रोहित चतुर्वेदी ने कहा कि किराये पर घर लेकर बच्चों का शहर लाकर पढ़ाना मुश्किल हो गया है. उन्होंने कहा कि पहले उनके बच्चे चक्रधरपुर के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई करते थे. इसे लेकर उन्हें चक्रधरपुर में ही किराये का एक घर लेना पड़ा था, लेकिन दिन-प्रतिदिन घर का किराया बढ़ने के कारण बच्चे का चक्रधरपुर के स्कूल से नाम कटवाकर, गोईलकेरा के एक स्कूल में नामांकन कराना पड़ा है. आखिर हम यहां पर बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए ही हैं. अगर कुछ पढ़ लेंगे तो अच्छा रहेगा. इससे उनका जीवन बेहतर हो जाएगा. लेकिन इस महंगाई में तो यहां किराए में रहना काफी मुश्किल लगने लगा है.

धनबाद

उनके मकान का किराया बीस प्रतिशत बढ़ गया: राहुल श्रीवास्तव

धनबाद में प्राइवेट मकान सहित फ्लैट के किराये में 20 से 30% का इजाफा हुआ है. इसके साथ ही फ्लैट में रहने वाले को मेंटेनेंस चार्ज भी देना पड़ता है. बरटांड़ सूर्य विहार कॉलोनी के प्राइवेट मकान में रहने वाले राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले पांच साल में उनके मकान का किराया बीस प्रतिशत बढ़ गया है. पांच साल पहले दो कमरे के जिस मकान का किराया साढ़े पांच हजार रुपये प्रति माह था. उसका किराया बढ़ कर सात हजार हो गया है. इसके अलावा बिजली का बिल का अलग से देना पड़ता है. प्राइवेट नौकरी करने वाले राहुल के लिए यह रकम बड़ी है. किराया कुछ कम रहती तो राहत होती.

दो कमरे के घर के लिए हमें छह हजार रुपये देने पड़ते हैं: पप्पू सिंह

बिनोद बिहारी चौक के पास अलकारी देवी अस्पताल के नजदीक एक प्राइवेट मकान में रहने वाले पप्पू सिंह ने बताया कि दो कमरे के घर के लिए छह हजार रुपये प्रतिमाह देने पड़ते हैं. इसके अलावा बिजली बिल अलग से देना पड़ता है. प्राइवेट कार्य करने वाले पप्पू ने कहा कि पिछले पांच साल में मकानों के किराये में बढ़ोतरी हुई है. किराया बढ़ाने के लिए एक मापदंड तय किया जाना चाहिए. जिससे मकान मालिकों की मनमानी पर रोक लग सके. मकान मालिक मनमर्जी किराया तय कर लेते हैं. इसे देना पड़ जाता है. घर छोड़कर भी जाना मुमकिन नहीं होता है. आखिर हर जगह इसी तरह की परेशानी होती है.

साधारण से मकान का किराया अब 25 सौ रुपये है: बंटी प्रसाद

हीरापुर श्मशान रोड स्थित किराए के मकान में रहने वाले बंटी प्रसाद ने बताया कि उसके साधारण से मकान का किराया 25 सौ रुपये है. इसके साथ बिजली का बिल अलग से देना पड़ता है. बंटी ने बताया कि पांच साल पहले इसी मकान का किराया दो हजार रुपये प्रतिमाह था. पांच साल में 25 प्रतिशत किराया बढ़ गया है. जिससे काफी परेशानी होती है. आज के दौर में हर किसी के लिए घर खरीदना संभव नहीं है. घर भी अब नहीं मिलता है. इसके लिए अपार्टमेंट जाना पड़ता है. वहां की कीमत काफी अधिक होती है.

रांची

किराये के मकान काफी महंगे हो गए हैं : डब्बू शर्मा

रातु रोड निवासी डब्बू शर्मा ने कहा कि अपार्टमेंट में पिछले 15 वर्षों से किराये में रह रहे हैं. तीन बीएचके के मकान का 4500 रुपये मासिक देते हैं. उन्होंने कहा कि आज से पांच साल पूर्व 3000 रुपये किराया लगते थे. पर अब महंगाई बढ़ गई है. इसलिये अपनी कमाई के कुछ पैसे किराये के लिये जमा करते हैं, ताकि माह पूरा होने के समय परेशानी नहीं हो. नहीं तो जिस तरह से किराया बढ़ रहा है, उससे किराया देना आसान नहीं है.

पांच साल पहले दो हजार रुपया था किराया : उत्तम

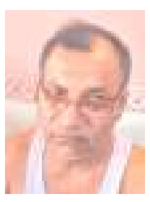

इंद्रपुरी निवासी उत्तम कुमार ने कहा कि दो बड़े हॉल के कमरे में किराये पर रहता हूं. उसका किराया 4500 रुपये है. पांच साल पूर्व दो हजार रुपये किराया था. अब महंगाई बढ़ गई है. इसलिये किराया भी बढ़ कर ही लगता है. उन्होंने कहा कि मकान के किराये की राशि के लिये पैसे जमा करते रहते हैं. इसकी चिंता रहती है. जब माह पूरा हो जाता है, तो मकान मालिक को किराये के पैसे जमा कर देते हैं. इससे मकान मालिक भी खुश रहता है.

अब टू बीएचके के मकान का किराया पांच हजार है : समीर

आजादी हिंद नगर निवासी मो समीर ने कहा कि टू बीएचके का मकान है. इस मकान का पांच हजार रुपया किराया मासिक रूप में देते हूैं. पानी व बिजली की अच्छी सुविधा है. ऐसे पांच साल पूर्व इस मकान का तीन हजार रुपया किराया था. अब महंगाई की वजह से किराया भी बढ़ गया है. अपनी कमाई से रोजाना काट-काट कर किराये के पैसे जमा करते हैं. ताकि बाद में किराया देने के लिए सोचना नहीं पड़े.

महंगाई की वजह से किराया भी अब बढ़ गया: नागेश्वर

मधुकम निवासी नागेश्वर साव ने कहा कि 20 साल से किराये के मकान में ही रह रहा हूं. एक कमरे के छोटे मकान का किराया दो हजार रुपये मासिक लगता है. आज से पांच साल पूर्व इस मकान का किराया इससे आधा यानी एक हजार रुपये लगते थे. लेकिन बढ़ती महंगाई की वजह से किराया भी अब बढ़ गया है. एक साथ बोझ ना पड़े इसके लिये रोजाना कमाई के कुछ हिस्से के पैसे जमा करता हूं. आमतौर पर सबकी यही स्थिति है.

कुछ राशि किराये के लिए जमा करता रहता हूं: राजेश

हरमू निवासी राजेश कुमार ने कहा कि टू बीएचके मकान का पांच हजार रुपये किराया लगता है. पांच साल पूर्व इस मकान का किराया तीन हजार रुपये लगते थे. महंगाई की वजह से किराया बढ़ गया है. मासिक किराया जमा करने में परेशानी नहीं हो इसके लिये रोजाना अपनी कमाई से कुछ राशि किराये के लिये जमा करता हूं, ताकि माह पूरा होने पर सुविधा मिले. अपना घर होता तो अच्छा रहता.

उदासीनता के मायने

किसी भी देश में चुनावों में उत्साहहीन मतदाता अनेक संकेत देते हैं. इसमें एक महत्व का संदेश तो यही होता है कि पूरी सत्ता संरचना को लेकर लोगों में मन में अनेक सवाल खड़े हो जाते हैं और उनके रोजमर्रे की जिंदगी भी एक ऐसे मुकाम पर होती है, जिसमें उम्मीद के लिए अवसर कम हो जाते हैं. इसलिए नाउम्मीदी के कारणों को समझने और उसे हल करने की दिशा में तत्काल पहल की जरूरत है. चुनाव के पूरे समय जिस तरह की उत्साहहीनता का प्रदर्शन देखने को मिला है, उसे नजरअंदाज करने का मतलब यह है कि आने वाले दिनों में देश को कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ सकता है. लोग केवल वायदे या दीर्घकालिक सपनों पर भरोसा नहीं कर रहे हैं. उनकी समस्या गंभीर है और उनका आर्थिक सामाजिक हल भी फौरी तौर पर होने की जरूरत है. उदासीनता के इस पहलू को और गंभीरता से समझने की जरूरत है. तकरीबन तीन दशक पहले निराशावाद पर एक किताब आई थी. उसमें कहा गया था कि दुनिया में हमेशा ऐसा रहेगा, जब दुनिया विकास के पथ पर नए मुकाम हासिल करेगी, लेकिन लोग यही कहते सुने जाएंगे कि चीजें पहले बहुत अच्छी थीं. एक ताजा अध्ययन से सामने आए निष्कर्ष ने उस किताब की याद ताजा कर दी है. आज अधिकांश लोग यही मान कर चल रहे हैं कि मनुष्य में दया, दूसरे के लिए सम्मान का भाव और ईमानदारी जैसे गुण खत्म होते जा रहे हैं. बहरहाल, मनोवैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि ऐसी राय सिर्फ एक स्वभावगत भ्रम है. नए अध्ययन की रिपोर्ट मशहूर पत्रिका नेचर के ताजा अंक में प्रकाशित हुई है. अध्ययन 60 देशों में हुए एक सर्वेक्षण पर आधारित है. इस सर्वे के दौरान ज्यादातर लोगों ने यही राय जताई कि बीते छह-सात दशकों में नैतिकता में भारी गिरावट आई है. इस दौरान लोगों से एक सवाल यह पूछा गया कि उनकी राय में 2020, 2010 और साल 2000 में कौन सा ऐसा वक्त था, जब स्थितियां बेहतर थीं. दौरान आम राय उभरी कि अब दया की भावना और नैतिकता में गिरावट आई है. ऐसी राय हाई स्कूल में पढ़ रहे छात्रों से लेकर उनके माता-पिता की पीढी तक ने जताई. लिबरल से लेकर कंजरवेटिव दोनों तरह के व्यक्तियों को इस मामले में एकमत पाया गया. मगर खुद इसी अध्ययन से जुड़े विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि दशकों पहले हुए सर्वेक्षणों में भी लोगों ने ऐसी ही राय जताई थी. इसका अर्थ यह हुआ कि नैतिक पतन की बात एक भ्रम है. दरअसल, ऐसे कई संभव कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह ऐसा भ्रम पैदा होता है. मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इनसान का स्वभाव ऐसा है, जिसमें वह नकारात्मक सूचनाओं पर अधिक ध्यान देता है. इसके अलावा देखा गया है कि मनुष्य की बुरी यादें अच्छी यादों की तुलना जल्दी भूल जाती हैं. ऐसे में अक्सर यह महसूस होता है कि पहले स्थितियां बेहतर थीं. यानी मनुष्य का यही स्वभाव ऐसे भ्रम का कारण बनता है.

> अध्ययन 60 देशों में हुए एक सर्वेक्षण पर आधारित है. इस सर्वे के दौरान ज्यादातर लोगों ने यही राय जताई कि बीते छह-सात दशकों में नैतिकता में भारी गिरावट आई है.

सुभाषित

लालयेत् पंच वर्षाणि दश वर्षाणि ताडयेत्।
प्राप्ते षोडशे वर्षे पुत्रे मित्रवदाचरेत्॥

पांच वर्ष की अवस्था तक पुत्र को खूब लाड़-प्यार देना चाहिए. पांच से दस वर्ष की अवस्था के बीच तक उसी की भलाई के लिए उसे ताड़ना देना चाहिए. वही पुत्र जब सोलह वर्ष की अवस्था प्राप्त कर ले तो उसके साथ कड़ा व्यवहार करने से परहेज करते हुए उससे मित्रवत व्यहार करना चाहिए.

प्रधानमंत्री मोदी और आरक्षण का सवाल

बीजेपी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए जिस तरह से अल्पसंख्यक, ख़ासतौर पर मुस्लिम विरोधी अभियान चला रही है, उसने संवैधानिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के संकल्पों पर धूल डाल दी है. ज़्यादा अफ़सोस की बात यह है कि यह अभियान सीधे प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के नेतृत्व में चल रहा है और पूरी दुनिया इसे नोटिस कर रही है. भारत का मुख्यधारा मीडिया लगातार ढोल बजा रहा है कि मोदी के नेतृत्व में भारत का रुतबा वास्तव में विश्वगुरु सरीखा है.

• देश-काल

पंकज श्रीवास्तव

"जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तो 70 मुस्लिम समूहों को ओबीसी के रूप में आरक्षण मिलता था, लेकिन मैंने इसे कभी प्रचारित नहीं किया!" यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है, जो उन्होंने 9 फ़रवरी 2022 को समाचार एजेंसी एएनआई के अपने इंटरव्यू में दिया था. 'मुस्लिम विरोधी'होने की तोहमत के जवाब में उन्होंने मुस्लिमों की ओबीसी जातियों को आरक्षण दिये जाने की नीति का सहारा लिया था. लेकिन लोकसभा चुनाव का अंतिम दौर आते-आते पीएम मोदी ने मुस्लिमों को मिलने वाले इस आरक्षण के ख़िलाफ़ एक युद्ध जैसा छेड़ दिया है. वे इसे ओबीसी कोटे में 'डाका' बता रहे हैं. उनकी देखा-देखी गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दूसरे बीजेपी नेता भी इस 'मुस्लिम आरक्षण'को ख़त्म करने का ऐलान कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी और उनकी टीम ऐसा करते हुए दरअसल, मंडल कमीशन के विरोध में जा खड़ी हुई है. स्वतंत्रता सेनानी और बिहार के सातवें मुख्यमंत्री रहे बीपी मंडल ने 1979 में ओबीसी जातियों को 27 फ़ीसदी आरक्षण देने की सिफ़ारिश की थी. इनमें मुस्लिम पिछड़ी जातियों को भी जगह दी गयी थी. वामपंथी ही नहीं, विवेकानंद जैसे महान हिंदू विचारक भी मानते हैं कि जाति आधारित ऊंच-नीच ने धर्मांतरण में बड़ी भूमिका निभाई थी. यही वजह है कि एक ही पिछड़ी जाति हिंदू- और मुसलमान दोनों में पायी जाती है. धर्म बदलने से उनकी पिछड़ी जाति की पहचान में कोई फ़र्क़ नहीं आता है. मंडल कमीशन ने इसी पिछड़ेपन को ध्यान में रखते मुस्लिमों की ओबीसी जातियों को भी अपनी सूची में शामिल किया था. प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी का चुनावी अभियान सीधे-सीधे मंडल कमीशन को चुनौती दे रहा है और उन आशंकाओं को सही साबित कर रहा है, जो कभी पाकिस्तान के पक्ष में तर्क देते हुए मो. अली जिन्ना ने जताया था. जिन्ना ने कहा था कि आज़ाद भारत में बहुसंख्यक हिंदुओं का शासन होगा और मुस्लिमों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनकर रहना होगा. महात्मा गाँधी, पं. नेहरू, सरदार पटेल और मौलाना आज़ाद जैसी विभूतियों ने जिन्ना के तर्क को ख़ारिज करते हुए जिस 'आइडिया ऑफ़ इंडिया' की परिकल्पना सामने रखी थी, उसमें किसी के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव की गुंजाइश नहीं थी. डॉ. आंबेडकर ने संविधान लिखते समय इस बात का ख़ास ख़्याल रखा कि किसी भी जाति या धर्म का होने की वजह से किसी के नागरिक अधिकार कम या ज़्यादा न हों. मुसलमान या अन्य अल्पसंख्यक भी उन्हीं नागरिक अधिकारों से लैस हों, जो बहुसंख्यकों के पास हों.

ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम पिछड़ी जातियों को शामिल किया जाना अब एक संवैधानिक प्रावधान है. संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में यह व्यवस्था है. केंद्र की ओबीसी लिस्ट में कैटेगरी 1 और 2A में मुस्लिमों की 36 जातियों को शामिल किया गया है, जिन्हें आरक्षण का लाभ मिलता है. यही नहीं, 1992 में इंदिरा साहनी केस बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया था कि अगर कोई सामाजिक समूह पिछड़ा हो तो उसे पिछड़ा वर्ग माना जाएगा, फिर चाहे उसकी धार्मिक पहचान कुछ भी हो. प्रधानमंत्री मोदी के 'ओबीसी मुस्लिम आरक्षण विरोधी' भंगिमा इसलिए भी हैरान करती है, क्योंकि केंद्रीय स्तर पर 36 मुस्लिम जातियों को मंडल कमीशन की सिफ़ारिशों के आधार पर आरक्षण दिया जाता है. अपने दस साल के कार्यकाल में पीएम मोदी ने कभी इसका विरोध नहीं किया. विरोध तो छोड़िए, इस पर पुनर्विचार की भी बात बीजेपी के किसी कोने से नहीं उठी. लगता है कि कांग्रेस की सामाजिक न्याय को लेकर घोषित स्पष्ट नीतियों ने प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी का आत्मविश्वास डिगा दिया है. जिस तरीक़े से राहुल गांधी सामाजिक और आर्थिक जाति जनगणना कराने और 'जितनी आबादी उतना हक़' का नारा दे रहे हैं वह दलितों, आदिवासियों और ओबीसी जातियों को काफ़ी आकर्षित कर रहा है. ऐसे में बीजेपी के रणनीतिकार ओबीसी के मन में मुसलमानों का डर बैठाने ज़्यादा अफ़सोस की बात यह है कि यह अभियान सीधे प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के नेतृत्व में चल रहा है और पूरी दुनिया इसे नोटिस कर रही है. भारत का मुख्यधारा मीडिया लगातार ढोल बजा रहा है कि मोदी के नेतृत्व में भारत का रुतबा वास्तव में विश्वगुरु सरीखा है. प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुक जाता है या इज़रायल गाज़ापट्टी पर बमवर्षा रोक देता है. लेकिन हक़ीक़त यह है कि अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने लगातार पांचवें वर्ष भारत को ₹विशेष चिंता वाला देश (सीपीसी)" के रूप में नामित करने की सिफारिश की है. सीपीसी उन देशों की सूची है जहां ₹धार्मिक स्वतंत्रता का व्यवस्थित, निरंतर और गंभीर उल्लंघन होता है₹. इस आयोग की स्थापना अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (आईआरएफए) के अनुसार की गई है. चुनाव का अब एक ही चरण बचा है और 'मुग़ल, मछली, मंगलसूत्र' से चलती हुई प्रधानमंत्री की भाषा 'मुजरा' तक पहुंच चुकी है. यह सीधे-सीधे उनकी बौखलाहट का नतीजा है. दस साल में बेरोज़गारी, महंगाई या अन्य किसी भी मोर्चे पर उल्लेखनीय उपलब्धियां गिनाने के बजाय (जिन्हें पता करना वाक़ई मुश्किल है) पीएम मोदी विपक्ष, ख़ास तौर पर कांग्रेस का डर दिखाने में जुट गये हैं. गोया कांग्रेस ने कभी इस देश पर शासन नहीं किया या जब उसने शासन किया था तो उसका काम लोगों का मंगलसूत्र या भैंस छीनना था. जनता के बीच मोदी के इन बयानों का इस्तेमाल चुटकुलों की तरह हो रहा है.

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

परोपकार बनाम स्व-उपकार

एक बार पचास लोगों का ग्रुप किसी सेमीनार में हिस्सा ले रहा था. सेमीनार शुरू हुए अभी कुछ ही मिनट बीते थे कि- स्पीकर अचानक ही रुका और सभी पार्टिसिपेंट्स को गुब्बारे देते हुए बोला , "आप सभी को गुब्बारे पर इस मार्कर से अपना नाम लिखना है." सभी ने ऐसा ही किया. अब गुब्बारों को एक दूसरे कमरे में रख दिया गया. स्पीकर ने अब सभी को एक साथ कमरे में जाकर पांच मिनट के अंदर अपना नाम वाला गुब्बारा ढूंढने के लिए कहा. सारे पार्टिसिपेंट्स तेजी से रूम में घुसे और पागलों की तरह अपना नाम वाला गुब्बारा ढूंढने लगे. पर इस अफरा-तफरी में किसी को भी अपने नाम वाला गुब्बारा नहीं मिल पा रहा था...पांच मिनट बाद सभी को बाहर बुला लिया गया. स्पीकर बोला , "अरे ! क्या हुआ , आप सभी खाली हाथ क्यों हैं ? क्या किसी को अपने नाम वाला गुब्बारा नहीं मिला ?" ₹नहीं ! हमने बहुत ढूंढा पर हमेशा किसी और के नाम का ही गुब्बारा हाथ आया", एक पार्टिसिपेंट कुछ मायूस होते हुए बोला. "कोई बात नहीं, आप लोग एक बार फिर कमरे में जाइये, पर इस बार जिसे जो भी गुब्बारा मिले उसे अपने हाथ में ले और उस व्यक्ति का नाम पुकारे] जिसका नाम उसपर लिखा हुआ है.", स्पीकर ने निर्दश दिया. एक बार फिर सभी पार्टिसिपेंट्स कमरे में गए, पर इस बार सब शांत थे और कमरे में किसी तरह की अफरा- तफरी नहीं मची हुई थी. सभी ने एक दूसरे को उनके नाम के गुब्बारे दिए और तीन मिनट में ही बाहर निकले आये. स्पीकर ने गम्भीर होते हुए कहा , "बिलकुल यही चीज हमारे जीवन में भी हो रही है. हर कोई अपने लिए ही जी रहा है, उसे इससे कोई मतलब नहीं कि वह किस तरह औरों की मदद कर सकता है. वह तो बस पागलों की तरह अपनी ही खुशियां ढूंढ रहा है, पर बहुत ढूंढने के बाद भी उसे कुछ नहीं मिलता. मित्रो, हमारा सुख दूसरों के सुख के साथ प्रतिबद्ध है. स्वार्थी मानसिकता त्याग कर दूसरों को अर्पण की गई खुशियां हमारी ही ख़ुशी का द्वार होती हैं. जब हम औरों को उनकी खुशियां देने की प्रवृत्ति बना लेंगे, हमारी खुशियां हमें खोजती चली आएगी. सबसे बड़ी बात यह है कि अगर संसार में सभी लोग अपने लिए नहीं सोचकर केवल और केवल दूसरों के लिए ही सोचें, दूसरों के उपकार के लिए अपने सारे प्रयत्नों को झोंक दें तो फिर किसी को अपने बारे में सोचने की आवश्यकता ही नहीं रह जाएगी.

राफा पर इजराइली हमले और बढ़ती हताशा

• देशांतर

प्रमोद जोशी

संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने शुक्रवार 24 मई को इजराइल को आदेश दिया है कि वह दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर चल रही कार्रवाई को फौरन रोक दे और वहाँ से अपनी सेना को वापस बुलाए. यह आदेश दक्षिण अफ्रीका की उस अपील के आधार पर दिया गया है, जिसमें इजराइल पर फलस्तीनियों के नरसंहार का आरोप लगाया गया था. बावजूद इस आदेश के, लगता नहीं कि इजराइली कार्रवाई रुकेगी. इस आदेश के बाद 48घंटों में इजराइली विमानों ने राफा पर 60से ज्यादा हमले किए हैं. उधर पिछले रविवार को फलस्तीनी संगठन हमास ने तेल अवीव पर एक बड़ा रॉकेट हमला करके यह बताया है कि साढ़े सात महीने की इजराइली कार्रवाई के बावजूद उसके हौसले पस्त नहीं हुए हैं. दोनों पक्षों को समझौते की मेज पर लाने में किसी किस्म की कामयाबी नहीं मिल पा रही है. आईसीजे के प्रति इजराइली हुक्म-उदूली की वजह उसकी फौजी ताकत ही नहीं है, बल्कि उसके पीछे खड़ा अमेरिका भी है, जो उसे रोक नहीं रहा है. दूसरी तरफ मसले के समाधान से जुड़ी जटिलताएं भी आड़े आ रही हैं. इजराइल के वॉर कैबिनेट मिनिस्टर बेनी गैंट्ज़ ने कहा है कि फैसला सुनाने के बाद आईसीजे के जज तो अपने घर जाकर चैन की नींद सोएंगे, जबकि हमास द्वारा बंधक बनाए गए 125 इजराइली अब भी यातना झेलने को मजबूर हैं. राफा में जारी हमले को तत्काल रोकने का सवाल ही नहीं उठता. जब तक हम बंधकों को छुड़ा कर वापस नहीं ले आते, तब तक यह युद्ध जारी रहेगा. इस साल यह तीसरा मौका है, जब आईसीजे ने इस मामले में हस्तक्षेप किया है. यह आदेश हालांकि कानूनन बाध्यकारी है, पर आईसीजे के पास अपनी कोई सेना या पुलिस नहीं होती है, जो इसे लागू करा सके. इस वजह से और इजराइल के पीछे अमेरिकी-समर्थन से जुड़ी ज़मीनी वास्तविकता को देखते हुए भी लगता नहीं कि इजराइल इस आदेश का पालन करेगा. अलबत्ता, बैकरूम बातचीत से उम्मीद लगाई जा सकती है. पर, ऐसी बातचीत भी तभी सफल होगी, जब इससे जुड़े सभी असरदार देश एक पेज पर हों. इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम एशिया की समस्या का समाधान अनेक दूसरी समस्याओं का समाधान भी करेगा. भारत की दृष्टि से यह समाधान हमारी आर्थिक-प्रगति के लिहाज से भी बहुत जरूरी है. इस लड़ाई के कारण भारत और यूरोप के बीच पश्चिम एशिया कॉरिडोर का काम थम गया है. वहीं हाल में हुआ चाबहार बंदरगाह समझौता भी सही मायनों में तभी सफल होगा, जब इन झगड़ों का समाधान होगा. इस आदेश के अलावा पिछले हफ्ते 22 मई को यूरोप के तीन देशों, स्पेन, नॉर्वे और आयरलैंड ने फिलिस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने की घोषणा की है. इस घोषणा से यूरोप के दूसरे देशों पर दबाव बढ़ रहा है कि वे फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करें. इनमें ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी भी भूमिका है. व्यावहारिक रूप से तीन देशों की मान्यता से इजराइल पर दबाव बनता नज़र नहीं आ रहा है, अलबत्ता इससे पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर अमेरिका और यूरोप के देशों के बीच बढ़ती असहमति पर रोशनी जरूर पड़ रही है. कह सकते हैं कि पश्चिम एशिया की समस्या के स्थायी-समाधान के रास्ते खोलने की कोशिशों को बल मिल रहा है. फरवरी में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था-फिलिस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने में हमें दिक्कत नहीं है. 10 मई को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों में से 143 ने फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोट दिया था. इनमें भारत भी शामिल था. फ्रांस ने भी सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोटिंग भी की थी, पर महासभा के प्रस्ताव का व्यावहारिक अर्थ नहीं होता. उसके लिए सुरक्षा परिषद की सहमति चाहिए. इसके पहले अप्रेल में सुरक्षा परिषद में ऐसे ही एक प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया था. मान्यता देने में अमेरिका को भी आपत्ति नहीं है, पर वह इस नीति के व्यावहारिक-पक्ष को समझना चाहता है. अर्थात, इस समस्या का स्थायी समाधान. ब्रिटेन के विदेशमंत्री डेविड कैमरन और कुछ दूसरे यूरोपीय देश ने बीते कुछ महीनों में फिलिस्तीन के मसले पर अपना रुख़ बदला है. वे अब यह मानने लगे हैं कि फिलिस्तीन को पहले मान्यता देनी चाहिए, ताकि राजनीतिक समाधान का माहौल तैयार करने में मदद मिले. यह सदस्यता सिर्फ़ संप्रभु देशों को मिलती है. संयुक्त राष्ट्र में फ़िलहाल फिलिस्तीन को पर्यवेक्षक यानी ऑब्ज़र्वर का दर्जा हासिल है. उसे सीट तो मिली है, पर वोट देने का अधिकार उसके पास नहीं है.

> 10 मई को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों में से 143 ने फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोट दिया था. इनमें भारत भी शामिल था. फ्रांस ने भी सदस्यता दिलाने के पक्ष में वोटिंग भी की थी, पर महासभा के प्रस्ताव का व्यावहारिक अर्थ नहीं होता. उसके लिए सुरक्षा परिषद की सहमति चाहिए.

अमीर होते देश में आत्महत्या की विवशता

• सामयिकी

विवेकानंद माथने

भारत में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय है. वैसे इसके कई कारण दिये जा सकते हैं, लेकिन आत्महत्या मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ने और उसके सही कारणों को जानकर उपाय करना जरुरी है. 'एनसीआरबी' (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हुई आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यावसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने पर जो तस्वीर उभरती है, उससे स्पष्ट होता है कि बढ़ती आत्महत्याओं के लिए सरकारी नीतियां अधिक जिम्मेदार हैं. 'एनसीआरबी' की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में कुल एक लाख 70 हजार 924 आत्महत्याएं हुई हैं और आत्महत्याओं की दर 12.4 रही है. भारत में प्रतिदिन 468 आत्महत्याएं हुई हैं. वर्ष 2014 में कुल एक लाख 31 हजार 666 आत्महत्याएं हुई थीं और आत्महत्याओं की दर 10.6 रही थी. पिछले 9 साल में आत्महत्याएं और उसकी दर निरंतर बढ़ती जा रही है. 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' के आंकड़ों के अनुसार 2019 में दुनिया में 7 लाख 3 हजार आत्महत्याएं हुई हैं. इसमें से 77 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुई हैं. वैश्विक स्तर पर 15 से 29 साल के बच्चों में आत्महत्या मृत्यु का चौथा प्रमुख कारण रहा है. आत्महत्या की दर भेदभाव के शिकार हुए कमजोर समूहों में अधिक है. संख्या की दृष्टि से आत्महत्याओं में भारत दुनिया में नंबर एक पर है. आत्महत्याओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्याएं, सामाजिक और आर्थिक कारक प्रमुख कारण माने जाते हैं. मानसिक कारकों में अवसाद, चिंता, तनाव और सामाजिक-आर्थिक कारकों में गरीबी, बेरोजगारी, कर्ज, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाते हैं. संघर्ष, आपदा, हिंसा, दुर्व्यवहार, नुकसान का अनुभव और अकेलेपन की भावना आत्मघाती व्यवहार से करीबी से जुड़ी हुई है. संकट के क्षणों में आवेग में अधिक आत्महत्याएं होती हैं. शैक्षणिक स्थिति के आधार पर दसवीं कक्षा से कम पढ़े 67.9 प्रतिशत और दसवीं से बारहवीं कक्षा तक पढ़े 15.9 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं. कुल आत्महत्याओं में 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की है. इनमें से नौ प्रतिशत लोगों की शिक्षा की जानकारी नहीं है. इसमें बारहवीं से कम की संख्या जोड़ने पर बारहवीं तक पढ़े लोगों में आत्महत्याएं करने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी होगी. आत्महत्याओं में बारहवीं से अधिक पढ़े 7.2 प्रतिशत लोगों का समावेश है. आर्थिक स्थिति के आधार पर वार्षिक एक लाख रुपये से कम आय वर्ग में, यानी मासिक आठ हजार रुपये से कम मासिक आय वर्ग में 64.3 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं. वार्षिक 1 से 5 लाख रुपये आय वर्ग, याने मासिक 8 हजार से 42 हजार रुपये आय वर्ग में 30.7 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं. कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने और 5 लाख से अधिक आय वर्ग में 5 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं. व्यवसायिक स्थिति के आधार पर गृहिणी 14.8 प्रतिशत, विद्यार्थी 7.6 प्रतिशत, बेरोजगार 9.2 प्रतिशत, स्वयं रोजगार करने वाले 11.4 प्रतिशत, खेती कार्य करने वाले 6.6 प्रतिशत, दैनिक मजदूरी करने वाले 26.4 प्रतिशत लोग हैं. वेतन पाने वाले 9.6 प्रतिशत और सेवानिवृत्त 0.8 प्रतिशत हैं. अन्य 13.5 प्रतिशत हैं. इससे एक बात स्पष्ट होती है कि लगभग 76 प्रतिशत आत्महत्याएं असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई हैं. अज्ञात आंकड़ों में जोड़ने से यह आंकड़ा और बढ़ेगा. आयु के आधार पर कुल आत्महत्या पीड़ितों में सबसे अधिक 59 हजार 108 याने 34.58 प्रतिशत आत्महत्याएं 18 से 30 साल आयु के लोगों की हुई हैं और 54 हजार 351 याने 31.8 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 से 45 साल आयु के लोगों की हुई हैं. व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिहाज से यह उम्र सबसे महत्वपूर्ण होती है. कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं. 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की है. 76 प्रतिशत से अधिक आत्महत्या असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई है. रोजगार और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने की उम्र में 66.38 प्रतिशत आत्महत्या हुई हैं. भारत में कुल आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने से स्पष्ट होता है कि आत्महत्याओं के लिए गरीबी, शिक्षा की कमी और असुरक्षित रोजगार अधिक जिम्मेदार है. ये आंकड़े भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था और खेती-किसानी की दुर्दशा तथा बढ़ती बेरोजगारी से युवाओं में बढ़ते तनाव की स्थिति को दर्शाते हैं.

> आयु के आधार पर कुल आत्महत्या पीड़ितों में सबसे अधिक 59 हजार 108 याने 34.58 प्रतिशत आत्महत्याएं 18 से 30 साल आयु के लोगों की हुई हैं और 54 हजार 351 याने 31.8 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 से 45 साल आयु के लोगों की हुई हैं. व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिहाज से यह उम्र सबसे महत्वपूर्ण होती है.

मीडिया में अन्यत्र

भारतीय सिनेमा की बड़ी जीत

पायल कपाड़िया द्वारा 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए कान्स फिल्म समारोह में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्मकार बनकर इतिहास रचने का क्षण सिनेमाई स्मृति में अंकित रहेगा. जैसे ही यह 38 वर्षीया फिल्मकार मंच पर आईं, उन्होंने अपनी फिल्म की तीन मुख्य नायिकाओं - कानी कुसरुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम - को अपने साथ खींच लिया और पुरस्कार के साथ इन चारों महिलाओं का तस्वीरें खिंचवाना इस फिल्म समारोह के 77वें संस्करण एवं निश्चित रूप से भारतीयों के लिए एक यादगार दृश्य बन गया. भारत-फ्रांस सहयोग से बनी और 'मैक्सिमम सिटी' मुंबई में काम करने वाली दो मलयाली नर्सों और प्रवासियों की कहानी पर रोशनी डालने वाली उनकी पहली त्रिभाषी फीचर फिल्म को पाल्मे डी'ओर (जो अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर की 'एनोरा' को मिला) के बाद दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिलना भारतीय सिनेमा की एक बड़ी जीत है. आखिरी बार 30 साल पहले 1994 में शाजी एन. करुण की 'स्वाहम' के रूप में कोई भारतीय फिल्म इस समारोह के प्रतियोगिता खंड में शामिल हुई थी. पुरस्कार को स्वीकार करते हुए कपाड़िया ने अपने भाषण में कहा, "कृपया एक और भारतीय फिल्म के लिए 30 साल तक इंतजार न करें." एक आम गीत-और-नृत्य या नामचीन सितारों वाली फिल्म से हटकर, कपाड़िया की यह फिल्म तीन अलग-अलग महिलाओं के बीच की दोस्ती के बारे में है. उन्होंने कहा कि दोस्ती उनके लिए एक बेहद ही महत्वपूर्ण रिश्ता है, क्योंकि यह एक-दूसरे के प्रति व्यापक एकजुटता, समावेशिता और सहानुभूति का जज्बा पैदा करता है. ये वे मूल्य हैं जिनके लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए." एक और महत्वपूर्ण बात कपाड़िया की यह टिप्पणी है कि "एक फिल्म बनाने के लिए एक गांव की जरूरत होती है". अपने कलाकारों और सहकर्मियों को धन्यवाद देते हुए, कपाड़िया ने भारतीय फिल्म-निर्माण से जुड़े परिवेश के बारे में बात की. उन्होंने कहा, "भारत में दिलचस्प फिल्में बन रही हैं और मैं तो सिर्फ उसकी एक देन भर हूं." उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के योगदानों को भी याद किया, जिसके साथ उनका परिचय 2015 में हुआ था और जहां उनके मुताबिक उन्होंने दुनियाभर की फिल्मों के बारे में जाना. वह अधिकांश राज्यों में फिल्म उद्योग की मजबूत उपस्थिति को लेकर उत्साहित थीं. उन्होंने अच्छे सिनेमा के समर्थन के लिए मलयालम फिल्म उद्योग का खास तौर पर जिक्र किया. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

इबादत/इबारत

माता -पिता की सेवा करना किसी इबादत से कम नहीं है. यह तो अकाट्य सत्य है. धरती पर उतारने से लेकर पूरे लाड़-प्यार के साथ दुनिया में मान-सम्मान के साथ सिर ऊंचा कर जीने के काबिल बनाने के काम माता-पिता ही तो करते हैं. इसलिए हर मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह अपने माता-पिता की सेवा करे, जो भगवान की इबादत के बराबर है. दुनिया के सभी धर्म-ग्रंथों में यही शिक्षा दी गयी है. अब सवाल यह है कि यह इबादत आखिर है क्या? तो इस पर विचार करते हैं. इबादत अरबी भाषा से उर्दू के माध्यम से हिंदी में आया संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका सामान्य अर्थ है आराधना. एक शायर ने इस शब्द का खूबसूरत इस्तेमाल इस प्रकार किया है-उन्हें शौक ए इबादत भी है और गाने की आदत भी, निकलती हैं दुआएं उनके मुंह से ठुमरियां होकर. इसे ईश्वर को समर्पित याचिका भी कहा जाता है. हिंदी भाषा प्रयोग में आनेवाले इसके समानार्थक शब्द इस प्रकार हैं-अध्येषण, अभियाचना, गुजारिश, प्रार्थना, मांग, याचना, याचिका, विनती, विनय. अरबी भाषा में एक शब्द है इबादह. इसे इबादा भी कहा जाता है. इसका शाब्दिक अर्थ है सेवा या दासता. इस्लाम में इबादाह को आम तौर पर उपासना के रूप में ही मान्यता दी गयी है. धार्मिक अनुष्ठानों के इस्लामी न्यायशास्त्र (फिकह) के लिए इबादा का बहुवचन रूप इबादात है. उर्दू और फारसी भाषाओं में और भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में जहां उर्दू आम तौर पर बोली जाती है, यहां इस शब्द को इबादत (एक वचन) और इबादात या इबादतें (बहुवचन) के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. माबूद (जिसकी इबादत की जाती है यानी अल्लाह) की इबादत करने वाले को आबिद कहते हैं. इससे मिलता-जुलता शब्द इबारत है. यह भी अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है गद्यांश, आलेख, दिल की बात, अक्षर विन्यास, लेखन शैली, अक्षर-विन्यास, पदावली, श्रुत लेख, अनुलेख, इम्ला, लेख, तहरीर, लिखावट, वाक्यरचना.

सर को बेअसर करने की चाहत

• तीर-तुक्का

राजकुमार कुम्भज

अपने आका को 'सर' कहने की प्रथा का आविष्कार अंग्रेज़ों ने किया. हम भारतीयों में अपने आकाओं को 'सर' कहने की प्रथा को प्रतिष्ठित करने का श्रेय भी अंग्रेजों को ही जाता है. अंग्रेज़ों ने हम भारतीयों पर बड़ा उपकार किया, जो वे यहां आए, दो सौ बरस तक हमें दास बनाए रखा और अपने आकाओं-चाकरों को 'सर'कहने-कहलाने की सीख दे गए. अगर अंग्रेज भारत नहीं आते, हमें दास नहीं बनाते, हम पर कोड़े नहीं बरसाते तो हम अपने सिर में 'सर' कैसे घुसा पाते? अब तो हर तरफ़ 'सर' ही 'सर' दिखाई देते हैं. 'सर' कहते रहने के अनेकानेक लाभ हैं. मनुष्यता का अस्तित्व कहीं हो या न हो, किंतु 'सर' का अस्तित्व हर कहीं सहज ही उपलब्ध है. मुंशी मुनीम को 'सर' कहता है, मुनीम मालिक को 'सर' कहता है, मालिक ग्राहक को 'सर' कहता है, ग्राहक बैंक-मैनेजर को 'सर' कहता है, बैंक-मैनेजर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के दारोग़ा को 'सर' कहता है, दारोग़ा अपने बॉस को सर कहता है और बॉस, इलेक्शन में जीते मुंशी को 'सर' कहता है. सर कहने का यह चक्र बड़ा लंबा और सर्वव्यापी है. 'सर' आदि है, अनादि है. 'सर' अनंत है. 'सर' अमर है. संसार भले ही असत्य लगे, मिथ्या लगे, परंतु 'सर' अकाट्य सत्य है- वैसे ही- जैसे राम नाम सत्य है.'सर' कहना आधुनिकता है या पिछड़ापन? गांव का पिछड़ा 'सर' को नहीं जानता. लिहाजा, 'सर' कहना अवश्य ही आधुनिकता है. जो पिछड़े हैं वे अपने आका को 'सर' नहीं कहते हैं- पर जो आधुनिक हैं वे 'सर' कह-कह कर अपने आकाओं का सिर खा जाते हैं. 'सर' कहने कहलाने वालों का कर्तव्य है कि वे इससे मुक्ति पाने का प्रयास कभी नहीं करें. ऑस्ट्रेलिया के लोग तो पिछड़े हैं जिन्होंने 'सर' कहने-कहलाने से मुक्ति पा ली है. वहां 'सर' की बजाए 'मेट' बोला जाता है, जिसका अर्थ होता है 'साथी'. किसी समय वहां के कुछ आधुनिक सांसदों-मंत्रियों तथा अन्य नौकरशाहों को अपने सुरक्षा कर्मियों–ड्राइवरों द्वारा 'मेट' पुकारा जाना चुभने लगा तो आदेश जारी कर दिया गया कि 'मेट' नहीं 'सर' पुकारा जाए. पर इस आदेश के विरुद्ध समूचा ऑस्ट्रेलिया सिर के बल खड़ा हो गया. हंगामा खड़ा हो गया कि क्यों किसी को 'सर' कहें? यह तो औपनिवेशिक मानसिकता है, जिसमें 'सर' सुनने वाला मालिक है और 'सर' कहने वाला 'दास'. तब झख़ मारकर ऑस्ट्रेलियन सरकार को अपना आदेश वापस लेना पड़ा. वो तो पिछड़े लोग थे ऑस्ट्रेलिया के, इसीलिए इस आदेश को वापस ले लिए. देखो, अपना भारत, कितना आधुनिक है, अभी भी 'सर' को सर पर पहने हुए शान से चल रहा है.

Her Story

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

गर्मियों में किचन में गैस स्टोव की आग के सामने घंटों खड़े होकर खाना बनाना भला किसे अच्छा लगता है. ऐसे में वन मील फूड एक बेहतर विकल्प है. पिछले इस सीरिज में कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद ने शेयर की टाकोज विद डिप की रेसिपी. इस बार आजमाइए उनकी राजमा बिरयानी....

राजमा बिरयानी

ये चाहिए

काला राजमा एक कप, बासमती चावल सवा कप, तेजपत्ता दो, काली मिर्च 5, लौंग 5, बड़ी इलायची 2, छोटी इलायची 2, शाहजीरा एक चम्मच, प्याज 6, लहसुन का पॉड 1, अदरक 1 इंच टुकड़ा, हरी मिर्च चार, दही 4 बड़े चम्मच, कश्मीरी लाल मिर्च एक चम्मच, धनिया पाउडर दो चम्मच, जीरा पाउडर एक चम्मच, गरम मसाला पाउडर दो चम्मच, हरी धनिया और पुदीने की पत्तियां कटी हुई आधा कप, गुलाब जल दो टेबल स्पून, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर एक चम्मच, शुद्ध घी आधा कप.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले राजमा को दो कप पानी डालकर आधा चम्मच नमक के साथ उबालने के लिए कुकर में चार-पांच सिटी आने तक पकाएं. उसके बाद इस पानी को छानकर राजमा से अलग कर दें. इसे फेकना नहीं है. बासमती चावल को धोकर फुलाकर आधा घंटा के लिए रख दें. अब गैस पर कढ़ाही चढ़ाए और उसमें शुद्ध घी डाल दें तथा चार प्याज को पतला पतला काटकर बिल्कुल लाल लाल भूनकर बटर पेपर पर निकाल दें. बाकी बचे हुए घी को रहने दें. अब गैस पर कुकर चढ़ाएं और इस घी को कुकर में डाल दें. ततपश्चात शाह जीरा, तेज पत्ता, बड़ी इलायची, छोटी इलायची इसमें डाल दें. दो बचे हुए प्याज को पतला पतला काटकर इस घी में गुलाबी होने तक भूनें. जब यह गुलाबी हो जाए तब इसमें लहसुन अदरक और हरी मिर्च को पीसकर डाल दें और भूने. हल्का भून जाने पर इसमें सभी सूखे मसाले एक साथ डाल दें और साथ में एक चौथाई कप दही भी डालकर लगातार चलाते हुए भूनें. जब मसाला घी छोड़ने लगे तब इसमें राजमा डालें और नमक डालें तथा राजमा के बचे हुए पानी को नाप कर इसमें डाल दें टोटल पानी इस कुकर में दो कप होना चाहिए अगर राजमा का पानी कम है तो अलग से एक्स्ट्रा पानी डालकर दो कप पानी कर दें. तत्पश्चात इसमें चावल डालें और स्वाद अनुसार नमक डालकर धनिया पुदीने की पत्ती छिड़क दें. ऊपर से लाल लाल भूने हुए प्याज डाल दें और दो चम्मच गुलाब जल डालकर प्रेशर कुकर बंद कर दें. जब एक सिटी आ जाए तब गैस को धीमा कर दें और 2 मिनट के बाद गैस बंद कर दें. जब कुकर का स्टीम पूरा खत्म हो जाए तब कुकर खोलें. राजमा बिरयानी खाने के लिए तैयार है ऊपर से लाल प्याज को और छिड़क दें, तो यह ज्यादा स्वादिष्ट लगेगा.

विंडो शॉपिंग

ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर इन दिनों किचन में काम के कई टूल्स 250 रुपए तक की कीमत में उपलब्ध हैं. इनसे छोटे-छोटे कुछ काम बेहद आसान हो जाते हैं

किचन टूल्स

टी इंफ्लूएंसर

छोले/दाल बनाने समय कुकर में कपड़े की पोटली में जो आप चाय पत्ती या खड़े मसाले डाल कर उबालती हैं, उसकी जगह लॉक हो जाने वाले इस छोटे से किचन टूल का उपयोग करें.

कीमत है 150-199 रुपए

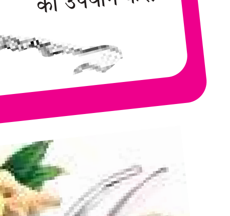

गार्लिक क्रशर

लहुसन को क्रस करना इस डिवाइस से होगा बिल्कुल आसान.

कीमत है 200-250 रुपए

नारियल क्रेकर

नारियल तोड़ना एक बड़ी मशक्कत होती है. अक्सर इसका पानी व्यर्थ चला जाता है. इससे बचने के लिए नारियल क्रेकर प्लेट उपयोगी है.

कीमत है 200-250 रुपए

नाइफ शार्पनर

कई बार चाकू तो किचन में खूब होता है, पर धार खो चुका होता है. घर में ही खुद इस टूल से करें चाकू को शार्प.

कीमत है 200-250 रुपए

तपती गर्मी में मायके के भीगे भीगे से ये दिन

इन दिनों मौसम मायके जाने का है. कोई तैयारी में हैं तो कई अपने ठौर तक पहुंच गई हैं.अलमस्ती, बेफिक्री के यही चंद पल पूरे साल महिलाओं को तरोताजा रखते हैं.

कभी बच्चों के क्लासेज-परीक्षाएं, तो कभी मेहमानों का आना, सास-ससुर की देखरेख, अपना ऑफिस-टार्गेट, पति के ऑफिशियल टूर-सेमिनार... घर-गृहस्थी में साल भर जिम्मेदारियों का ताना बाना चलता रहता और यूं ही जिंदगी की रेल पटरी पर सरपट दौड़ती रहती. जून का महीना एक छोटा सा स्टेशन सा होता जहां उतर कर (मायके में ठहर कर) कुछ ही वक्त के लिए ही सही हम महिलाएं तरोताजा हो पातीं. मां-पिता के वात्सल्य में सराबोर होना, भाई-बहनों के साथ बेफिक्री के पल गुजारना...यह समय ही कुछ और होता है. पुरानी गलियों में फिर से मटरगस्ती और चौराहे के रामू काका के गोल-गप्पे खाना मन को यादों की सोंधी सुगंध से भर देता है. जी हां, इन दिनों मानसून की आहट से पहले ही मायके जाने की बात से मन उत्साह से भीगा-भीगा सा रहता.

तैयारी दोनों तरफ की

जब बच्चों के नए सेशन शुरू होते हैं, हम महिलाओं का दिल दिमाग भी नया नवेले अहसास सा भरा होता है. व्यस्तता के बीच ही कभी चुपके से व्हाट्सअप खोल कर बहनों व बचपन की सहेलियों के ग्रुप में पूछ लेना, इस बार कितनी तारीख का रिजर्वेशन कराया है तुम लोगों ने? बच्चों के बुकसेल्फ में नई कवर लगी किताब-कॉपियां सजाने के साथ-साथ अपने वार्डरोब के कुछ कपड़े व सामान भी आहिस्ता से सहेजे जाने लगते. उधर साल भर से इंतजार कर रही मां इस बार भी अचार का एक बोइयाम खास बिटिया के लिए तैयार कर रही होती तो पापा भले ज्यादा बोले नहीं, घर में चटपटी कैंडी और गोलगप्पे वाले पापड़ किसके लिए ला कर रख रहे होते, सबको पता है. लंबे समय से रखी ब्लू शर्ट को एक बार फिर साफ कर इस्त्री कर रख दिया जाता जिसमें स्कूल के जमाने से ही बिटिया को पापा सुपर हीरो की तरह नजर आते. मां-भैया की मुस्कान पर पापा की झेंपती सी हंसी और कहना कि बस यूं ही....

वो पीली साड़ी और खिलौने

"कभी स्टोर रूम में जाकर रखी किताबों को यूं ही उलट पटल देना, कभी मां की पुरानी आलमारी को खोल देना, कभी अपनी बनाई पेंटिंग जो अब भी मायके की दीवार पर सजी है, को निहारना तो कभी पड़ोस की आंटी से इधर-उधर की बातें करना...आपको ये बातें बेमतलब लगेंगी, पर मेरे लिए मायके के ये बड़े मायने हैं." कहते हुए भींग जाती है हर्षिता की आवाज. थोड़ा थम कर आगे हंसते हुए कहती हैं, मम्मी की वो लोहे वाली अलमारी खोलती हूं तो कई बार पूछ देती हैं, लाडो कुछ चाहिए तो ले लो, कैसे कहूं, मुझे तो बस इसमें सिमटी यादें चाहिए. स्कूल की फेयरवेल पार्टी में मम्मी की पीली सिल्क की साड़ी पहन कर इतराना, मिस फेयरवेल का खिताब पाना और फिर ऑटो से लौटते समय उसमें लगी खरोंच....पहली बार जब शादी बात चली थी तब भी तो इसी आलमारी की साड़ी पहन कर तैयार हुई थी, यादों के समंदर का कितना कुछ भरा है मायके के कोने कोने में. स्टोर में रखी मेरी पुरानी साइकिल, मोटू सा टेडी, किताबें...सब आखर ही तो हैं, दिल की किताब के भींगे आखर... भले वहां रखे हैं, पर अब भी मन के कोने में जस के तस, जरा सा एकांत मिला नहीं कि खुल जाते सारे पन्ने...

कोरोना का वह दौर

कितना कुछ छूट गया था कोरोना के दौर में! विवाहित बेटियों को पिता से मन ही मन शिकायत होती थी- पापा! झूठा हो गया आपका वादा...विदा के समय जब आंसू थम नहीं रहे थे तो आपने खुद को संभालते हुए कहा था, आजकल कोई रोता है पगली. रेल-प्लेन के इस दौर में कोई दूरी दूरी नहीं. जब मन करे आ जाना...कोरोना काल में हमारे मन में टीस होती थी, कैसे आउं या कैसे बुलाउं, उस साल की गर्मी की छुट्टियां में भी मन तो मायके में ही टंगा रहा. नैहर से दूरी का वह दौर हम महिलाएं भला कैसे भूल सकती हैं!

ऋचा भारद्वाज सिंह गर्मियों में अपने मायके लोहरदगा जरूर आती हैं. इस बार गाजियाबाद से मायके आने पर नेतरहाट में अपने स्कूल एक बार फिर गईं और क्लास की सहेलियों के साथ भरपूर मस्ती भी कीं.

गीतों में मायका

याद आते हैं कॉलेज के वे दिन जब मैं अपनी सहेली नम्रता के घर कभी-कभी मिलने जाती थी. नम्रता बहुत सुंदर गाती थी और मुझे उसका एक गीत खास तौर पर पसंद था. बहुत बाद में पता चला कि यह गीत प्रसिद्ध कवि कुवंर बचैन की लिखा हुआ है- पंक्तियों पर गौर कीजिए और संभव हो तो यू ट्यूब पर खोज कर सुनिए- बदरी बाबुल के अंगना जइयो/ जइयो बरसियो कहियो/कहियो कि हम हैं तोरी बिटिया की अंखियां...मरुथल की हिरणी हो गई सारी उमरिया/कांटे बिंधी है मोरे मन कि मछरिया/बिजुरी मैया के अंगना जइयो/जइयो तड़पियो कहियो/कहियो कि हम हैं तोरी बिटिया की सखियां...

इन पंक्तियों को गाकर नम्रता और सुनकर मैं, दोनों रो पड़तीं. और उधर से जो नम्रता के भैया गुजरते, इस गाने को सुनकर अक्सर डांट देते उसे, क्यों गाती हो यह गाना, मत गाओ...और जैसे अपनी नम हुई आंखों को छिपाते अक्सर तेजी से बढ़ जाते. मां के अंगना यानी मायके/नैहर के गीत ऐसे ही होते हैं. कान में गूंजे तो बिन मौसम के बरसात की तरह आंखें बरस जाती हैं. बंदनी फिल्म के गाने के बारे में हाल ही एक बुजुर्ग सज्जन ने मुझसे यही बात कही और संयोग कहिए या जरुरत, अचानक दुबई में बैठी अपनी बिटिया को फोन लगा दिया. गाने की पंक्तियां आप भी याद कीजिए- अब के बरस भेज भैया को बाबुल/सावन ने लीजो बुलाय रे/ लौटेंगी जब मेरे बचपन की सखियां/ देजो संदेशा भेजाय रे...

जब मायके के गीतों की चर्चा चली तो चौदहवीं शताब्दी के शायर अमीर खुसरो के कैसे भूल सकते. खुसरो ने एक विदाई गीत लिखा. इसे सुन लगता है कि काल के रंगमंच पर एक पिता से उसकी बेटी वह यक्षप्रश्न पूछती है जिसका जवाब शायद आज भी किसी के पास नहीं है. सदियां बीत गईं पर यह सन्दर्भ आज भी उतना ही प्रासंगिक और महत्त्वपूर्ण है. पंक्तियों पर गौर कीजिए- काहे को ब्याहे विदेस/अरे लाखिया बाबुल मोरे/भैया को दीजे बाबुल महला दुमहला/ हमको दिया परदेस अरे लखिया बाबुल/ हम तो बाबुल तोरे खूंटे की गैय्या/ जिंत हांके हंक जैहैं अरे लाखिया बाबुल...

'बाबुल मोरा नैहर छूटो जाय ...' वाज़िद अली शाह रचित इस ठुमरी को कितने गायकों ने अपनी आवाज दी है, और जाने कितनी आंखें इसे सुन कर नम हुई हैं. कुंदन लाल सहगल ने फिल्म 'स्ट्रीट सिंगर' में इस ठुमरी को गाया था.

नानी की रसोई

आर्या का सुबह सात बजे दूध के साथ स्टफ्ड पराठे चाहिए तो अर्णव को बस इडली या उत्तपम चाहिए.. इसके अलावा परिवार वालों के ब्रेकफास्ट, बच्चों के स्कूल जाने, पति के ऑफिस जाने, बाई से काम कराना...पूरे साल सुबह की शुरुआत इन्हीं भागदौड़ के साथ होती, पर जून के दो हफ्ते मेरी सुबह आठ बजे इत्मीनान से शुरू होती है. दरअसल वहां छोटी बहन और मम्मी सबकुछ संभाल लेती हैं और मुझे कुछ नहीं करने देती. पर शाम को मेरी तरफ से किचन में कुछ स्पेशल बनता है. रूटीन में यह बदलाव मुझे तो राहत देता ही है, मेरे बच्चे भी फिर साल भर तक नानी के बनाए पराठे और मौसी के इडली-दोसे को याद करते रहते हैं. यहां महानगर कल्चर में फ्लैट में बंद बच्चे जब मायके धनबाद में कॉलोनी भर के बच्चों के साथ दिनभर मस्ती करते हैं तो रिश्ते नातों की नई परिभाषाएं भी सीख कर आते हैं.

जब गुम हो जाता मायका

जी हां, कुछ महिलाओं की जिंदगी की किताब से मायके का खूबसूरत पन्ना खो भी जाता है. पर तब भी मायके सी एक राह तो खोज ही लेती हैं हम महिलाएं. जैसा कि पूनम के साथ हुआ. करीब 14 साल हो गए जब मनपसंद साथी से शादी की, तब जो बिना बताए घर से निकली, आज तक उनके लिए मायके का दरवाजा बंद ही है. आज पति और दो बच्चों के साथ बेहद खुश हैं पूनम पर जून का महीना एक टीस दे ही जाता है. हालांकि पूनम की मौसी ने यह कसर बहुत हद तक पूरी की. तीज-त्योहार ही नहीं सुख-दुख के हर मौके पर मौसा-मौसी मां-पिता की तरह पास खड़े नजर आते हैं. इसी तरह सुमिता दो बहनें ही हैं. मम्मी की मौत के बाद से पापा को दीदी अपने पास रांची बुला ली. अब दीदी का रांची स्थित वह फ्लैट ही सुमिता का मायका है जहां पूरी गर्मी छुट्टी वह बेटी की हैसियत और लाड़ के साथ रहती है.

ये बातें भी काम की

मायके में भाभियां हैं तो कोशिश करें कि उनकी दिनचर्या आपके कारण बहुत डिस्टर्ब नहीं हों. जाने से पहले फोन कर बात कर लें कि इस बीच उनकी कहीं और जाने की प्लानिंग तो नहीं. जरुरत हो तो डेट एडजस्ट करें. घर में खूब बच्चे इकट्ठा हो गए हैं तो उन्हें भी संभाले. मम्मी-पापा ही नहीं, भाभी व बच्चों के साथ भी समय गुजारें. नाती-नातिन कभी-कभी आते हैं इसलिए नाना-नानी के बेहद दुलारे होते हैं. ऐसे आपके भतीजे-भतीजी खुद को उपेक्षित नहीं महसूस करें, इसलिए एक अच्छी बुआ बन कर उन बच्चों पर खूब प्यार लुटाएं. काम में भाभी का सहयोग करें, मेहमान बन कर नहीं बैठे रहें. कभी शाम को बाहर से भी स्नैक्स मंगा कर गरमागर्म चाय के साथ सबको सर्व करें, देखिए कैसे भाभी का चेहरा खिल जाता है. भाई-भाभी के कमरे में हमेशा नहीं बैठी रहें, ना ही बच्चों को दिनभर उनके साथ छोड़ें. उनको अपना स्पेस दें.

पानी में न बह जाए मेकअप

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

गर्मियों में मेकअप अक्सर बह जाता है, टिकता नहीं. मेकअप करने के बाद फेस पैची-पैची सा नजर आता. इससे बचने के लिए गर्मियों में मेकअप करते या तैयार होते समय कुछ खास टिप्स अपनाएं.

- मेकअप से पहले चेहरे पर आइस लगाएं. नीचे से चपटी कटोरी में बर्फ रखें. अब बेड पर लेट जाएं और बर्फ वाली कटोरी की तली से अपने चेहरे पर ठंडी सिकाई करें.
- गर्मियों में मेकअप से पहले सिलिकन प्राइमर लगाएं. ब्यूटी प्रोडक्ट बनाने वाली कई कंपनियों का सिलिकन प्राइमर मार्केट में उपलब्ध है. इन्हें लगाने के बाद मेकअप करने से मेकअप अधिक देर तक टिकेगा.
- फाउंडेशन में जरा सा मॉइश्चराइजर मिलाने या फिर फाउंडेशन लगाने से पहले मॉइश्चराइजर लगाने से भी मेकअप अधिक देर तक टिकता है.
- गर्मियों में दिन के समय आउटडोर कहीं जाना है तो मेकअप से बचें. बहुत जरूरी है तो माइल्ड फाउंडेशन (जैसे बीबी क्रीम, सीसी क्रीम) लगाएं.

- मेकअप करने के बाद फिक्सिंग पाडर लगाएं. ये भी आपके शेड के अनुसार मार्केट में अवेलेबल है.
- फिक्सिंग स्प्रे लगाने से भी मेकअप आराम से आठ-दस घंटे तक टिक जाता है.
- गर्मियों में खासकर दिन के समय फाउंडेशन लगाने की जगह लाइट कंसीलर और फिर बेबी क्रीम लगाएं. इसके बाद ब्लशर और तब हाईलाइटर लगाएं. आपका फेस कंप्लीट मेकअप का नजर आएगा.
- ऑयली स्किन है तो वाटर बेस्ड फाउंडेशन लगाएं.
- गर्मियों में कोई भी मेकअप करें तो उससे पहले एक छोटा सा रुटीन सीटीएमएस का फॉलो करें. यानी पहले स्किन क्लीन करें, फिर टोनिंग करें, इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं और फिर सन स्क्रीन. इसके बाद ही चेहरे पर कोई मेकअप करें.

तनाव का होगा उड़न-छू

कभी बच्चों को लेकर चिंता तो कभी घर-परिवार को लेकर तो कभी करियर का... तनाव तो हम महिलाओं के हिस्से जैसे स्थायी जमा रहता है. बची-खुची कसर पूरी कर देता है हमारा जब-तब होने वाला हार्मोनल इंबैलेंस. इसकी वजह से हमारा पीरियड्स, वजन, लुक्स सब प्रभावित होता है. तनाव को कम करने के लिए कई प्राकृतिक उपाय भी हैं जिसमें एक आहार है. कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे हैं जो स्ट्रेस हार्मोन को कम करने में सहायक हैं.

मुनक्का

मुनक्के में रेस्वेराट्रोल नामक कम्पाउंड पाया जाता है, जो स्ट्रेस हार्मोन को कम करता है. यह विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है. सुबह 3-4 भीगे हुए मुनक्के का नियमित सेवन स्ट्रेस को कम करता है.

जामुन

इन दिनों जामुन का मौसम शुरू हो रहा है. जामुन में पाया जाने वाला फ्लेवोनॉयड्स और एंटी ऑक्सीडेंट, दोनों स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल को कम करती हैं. साथ ही, मूड को भी रिलेक्स करती हैं.

प्रोबायोटिक्स

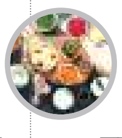

कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल प्रोबायोटिक्स की कमी के कारण प्रभावित होता है. ऐसे में दही आदि को अपने आहार में शामिल करना चाहिए जिससे तनाव की कमी आए.

चिया सीड्स

चिया सीड्स में ओमेगा-3 फैटी भरपूर होता है जो कोर्टिसोल लेवल कम करने में मददगार होता है. भीगे हुए चिया सीड्स को नींबू पानी में मिलाकर या किसी शेक के साथ या दही-फ्रूट के साथ मिला कर सेवन कर सकती हैं.

चॉकलेट्स

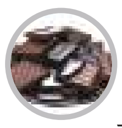

चॉकलेट में पाया जाने वाला फिन इ ल थ इ ल Iम इ न दिमाग को रिलैक्स करता है. इसमें हाई फ्लेवेनॉल कंटेंट भी होता है जो त्वचा को हाइड्रेट रखता है. लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है.

ओटमील

ओटमील में भरपूर कार्बोहाइड्रेट होता है, जिससे हमारा शरीर सेरोटिन प्रॉड्यूस करता है. सेरोटिन मूड अच्छा करने का काम करता है और मन को शांति और आराम का एहसास करवाता है.

अखरोट

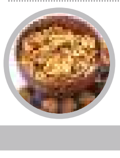

अखरोट में एल-आर्जिनाइन होता है, जो नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है. नाइट्रिक ऑक्साइड रक्तवाहिनियों को शांत रखने में मदद करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का दावा

टी-20 विश्व कप में भारत सबसे मजबूत टीम

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन का मानना है कि भारत का प्रतिभा का भंडार और टीम के भीतर जबरदस्त गहराई उन्हें आगामी टी-20 विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार बनाती है. भारत लगभग उसी टीम के साथ उतर रहा है जो पिछले टी-20 विश्व कप में खेली थी. हालांकि युवा यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है.

मोर्गन ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा कि चोटों के बावजूद टूर्नामेंट में भारतीय टीम सबसे मजबूत है. उनकी मजबूती और गहराई शानदार है. उन्होंने कहा,'वे मेरे लिए प्रबल दावेदार हैं,

कागजों पर उनका स्तर. अगर वे मैदान पर भी ऐसा करते हैं तो मुझे लगता है कि वे टूर्नामेंट में किसी को भी आसानी से हरा सकते हैं. विकल्पों की अधिकता के कारण भारत शुभमन गिल और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल नहीं कर पाया. मोर्गन ने कहा कि अगर मैं टीम का चयन कर रहा होता तो

विश्व कप

- टीम इंडिया में युवा व अनुभवी खिलाड़ियों की है भरमार
- भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप धौनी की नेतृत्व में जीता था

एकमात्र फैसला जो अलग होता वह यह होता कि मैं यशस्वी जायसवाल पर शुभमन गिल को तरजीह देता.

कहा कि मैं उसके साथ खेला हूं, मुझे पता है कि वह कैसे सोचता है. मुझे पता है कि वह कैसे काम करता है. भारत लगभग हर टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरता है, लेकिन एक दशक से अधिक समय से उसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का कोई खिताब नहीं जीता है. टीम इंडिया ने आखिरी ट्रॉफी 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीती थी. टी-20 विश्व कप के पिछले सत्र में उन्हें एडिलेड में सेमीफाइनल में तब चैंपियन बने इंग्लैंड ने 10 विकेट से हरा दिया था.

कई लोगों का तर्क है कि आईपीएल के बाद से टी-20 प्रारूप में भारत के क्रिकेट में काफी सुधार हुआ है लेकिन, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने कहा कि यह विडंबना है कि भारत ने एकमात्र टी-20 विश्व कप खिताब आईपीएल के अस्तित्व में आने से पहले जीता था. विडंबना यह है कि एकमात्र खिताब उन्होंने आईपीएल के आने से पहले जीता.

जब वह नीली जर्सी पहनेगा, तो वह एक अलग हार्दिक पंड्या होगा

हार्दिक टी-20 विश्व कप में अच्छा करें: हरभजन

एजेंसी । चेन्नई

हार्दिक पंड्या के लिए पिछले दो महीने काफी मुश्किल भरे रहे हैं और उन से हमदर्दी रखने वाले पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह चाहते हैं कि यह भारतीय हरफनमौला आगामी टी-20 विश्व कप में अपने प्रभावी प्रदर्शन से इस बुरे समय को पीछे छोड़े.

हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का इंडियन प्रीमियर लीग में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा. टीम तालिका में 10वें पायदान पर रही और इस दौरान वह खुद गेंद और बल्ले से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे. उनके लिए चीजें उस समय और मुश्किल हो गयी जब

स्टेडियम के अंदर दर्शक उनके खिलाफ हूटिंग करने लगे. हरभजन को हालांकि उम्मीद है कि अमेरिका में टी-20 विश्व कप के दौरान चीजें बदलेंगी. उन्होंने एक न्यूज एजेंसी को दिये साक्षात्कार में कहा कि जब वह नीली जर्सी (भारतीय टीम की जर्सी) पहनेगा तो वह एक अलग हार्दिक पंड्या होगा क्योंकि हम

बोले भज्जी

- विश्व कप के लिए टीम इंडिया सबसे संतुलित टीम
- प्रबंधन रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या को एकजुट करे

जानते हैं कि वह रन बना सकता है और विकेट ले सकता है.

कहा कि हार्दिक के लिए अगर यह टूर्नामेंट अच्छा रहा तो जाहिर तौर पर भारत के पास आगे बढ़ने का शानदार मौका होगा. टी-20 और एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हरभजन ने टीम प्रबंधन से हार्दिक और रोहित को 'एकजुट' करने का आग्रह किया. हरभजन ने कहा कि विश्व कप के दौरान अनुभवी जसप्रीत बुमराह को तेज गेंदबाजी में दूसरे छोर से बेहतर साथ की जरूरत होगी.

टीम की तेज गेंदबाजी इकाई में बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह शामिल है. हरभजन भारत के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टी-20 प्रारूप में बल्लेबाजी करने के तरीके में आये बदलाव से काफी प्रभावित है.उन्होंने कहा, 'विराट ने पिछले साल से इस साल तक काफी सुधार दिखाया है और लोग उनके स्ट्राइक रेट के बारे में बात करते हैं.

ब्रीफ खबरें

विश्व रैकेलटन में भारत की कप्तानी करेंगे चौफला

नयी दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला को रोटरडम में 31 जुलाई से चार अगस्त तक होने वाली विश्व रैकेलटन चैंपियनशिप के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. रैकेलटन एक संयुक्त खेल है. जिसमें प्रतिस्पर्धियों को चार रैकेट खेल - टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वाश खेलना होता है. पूर्व बैडमिंटन खिला विक्रमादित्य पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में भी भारत की रैकेलटन टीम का हिस्सा रह चुके हैं.टीम में निहित कुमार सिंह, करण तनेजा, प्रशांत सेन, निखिल मनसुखानी और एकमात्र महिला खिलाड़ी नैना तनेजा को जगह मिली है.रैकेलटन भारत खेल संघ ने मंगलवार को टीम घोषित की.

राइफल कोच पर बंदूक से छेड़छाड़ करने का आरोप

नयी दिल्ली: एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कोच पर कुछ निशानेबाजों के अभिभावकों ने उनकी राइफलों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है जिसका राष्ट्रीय महासंघ ने खंडन किया है. कथित तौर पर प्रभावित एक निशानेबाज के अभिभावक ने गोपनीयता की शर्त पर मंगलवार को पीटीआई को बताया कि कोच ने उनके बेटे की राइफल से छेड़छाड़ कर दी थी जिसके कारण उन्हें नए उपकरण खरीदने पड़े. उन्होंने हालांकि कोच की पहचान बताने से भी इंकार कर दिया.इस निशानेबाज के पिता ने कहा,''कोच ने मेरे बेटे की बंदूक को खराब कर दिया, इस कारण हमें नई बंदूक खरीदनी पड़ी.

तीन फुटबॉल खिलाड़ियों ने छोड़ी अर्जेंटीना की टीम

ब्यूनस आयर्स। अर्जेन्टीना की तीन महिला खिलाड़ियों ने दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से पहले शिविर में वेतन और परिस्थितियों को लेकर विवाद के बाद सोमवार को राष्ट्रीय टीम छोड़ दी. राष्ट्रीय टीम में नियमित तौर पर खेलने वाली गोलकीपर लॉरिना ओलिविरोस, डिफेंडर जूलिएटा क्रूज और मिडफील्डर लोरेना बेनिटेज ने अपने कदम की घोषणा की जबकि टीम ने शुक्रवार और तीन जून को कोस्टा रिका के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए तैयारी शुरू कर दी है. क्रूज ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हम एक ऐसे बिंदू पर पहुंच गए हैं जहां हम अन्याय से थक गए हैं, हमें महत्व नहीं दिया जा रहा, हमारी बात नहीं सुनी जा रही और इससे भी बदतर, अपमानित किया जा रहा है.' 'हमें अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल राष्ट्रीय टीम में सुधार की जरूरत है और मैं केवल वित्त के बारे में बात नहीं कर रही.

आईपीएल के नवीनतम सत्र में टी-20 बल्लेबाजी में आये बदलाव

बल्लेबाजों पर हावी हो सकते हैं गेंदबाज

एजेंसी। बेंगलुरु

आईपीएल में काफी महंगे साबित हुए गेंदबाज क्या अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में थोड़ी राहत की उम्मीद कर सकते हैं? इस प्रश्न की उत्पत्ति आईपीएल के नवीनतम सत्र में टी-20 बल्लेबाजी में आए बदलाव के कारण हुई है.

आईपीएल 2024 से पहले लीग में केवल एक बार 250 रन का आंकड़ा पार किया गया था लेकिन हाल ही में समाप्त हुए सत्र में टीमें आठ बार ऐसा करने में सफल रहीं. आईपीएल में बल्लेबाजी को नया आयाम देने वाले ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाज अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्व कप में भी खेलते हुए नजर आएंगे. इसलिए प्रशंसकों का एक बार फिर बल्लेबाजों के दबदबे की उम्मीद करना स्वाभाविक है.

लेकिन कई कारणों से उनका रवैया विश्व कप में उतना एक आयामी नहीं हो सकता जितना कि आईपीएल में था. सबसे पहले तो टीमों को विश्व कप में इंपेक्ट खिलाड़ी की सुविधा नहीं मिलेगी. मिचेल स्टार्क ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में बड़ी

केवल फ्लोरिडा के पास हाई प्रोफाइल मेजबानी का अनुभव

अमेरिका में केवल फ्लोरिडा के पास हाई प्रोफाइल क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने का पूर्व अनुभव है. न्यूयॉर्क और टेक्सास पहली बार इस खेल की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं. तो क्या इससे रन बनाने की दर पर असर पड़ेगा? क्यूरेटर ने कहा, 'हां, ऐसा हो सकता है कि शुरुआत में टीमें पिच और अन्य परिस्थितियों का आकलन करना चाहेंगी.

आईपीएल 2024 में औसत रन रेट में हुई वृद्धि

आईपीएल 2024 में औसत रन रेट 9 .56 था जो टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक है. इसके अलावा औसत स्कोर 180 से ऊपर रहा. हैदराबाद में पहली पारी का औसत स्कोर 230 रन के आसपास था.हालांकि जैसा कि कुछ आंकड़ों से पता चलेगा वेस्टइंडीज के स्टेडियम अलग तरह के हैं . एंटीगा में औसत टी20 स्कोर 123 रन है और बारबडोस में यह 138 रन है. गयाना में यह 124 तो त्रिनिदाद में केवल 115 रन है. सेंट विन्सेंट में औसत टी20 स्कोर 118 जबकि ग्रॉस आइलेट में सर्वाधिक 139 है.

भूमिका निभाने के बाद उस बात को स्वीकार किया. स्टार्क ने कहा था,'यहां (आईपीएल में) इंपेक्ट खिलाड़ी नियम है और टी-20 विश्व कप में ऐसा नहीं होगा. आपको अपने ऑलराउंडरों पर अधिक भरोसा करना होगा.

एक अनुभवी क्यूरेटर ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'वेस्टइंडीज की पिचें अब वैसी नहीं हैं जैसी 80 या 90 के दशक में हुआ करती थीं. अब वे धीमी हैं और कई बार गेंद रुककर भी आती है.क्यूरेटर ने कहा, 'भारत ने अपनी टीम में चार स्पिनरों को शामिल किया है.

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के वॉर्मअप मैच का पहला दिन

कनाडा, ओमान व नामीबिया ने जीते मैच

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के वॉर्म अप मैचों की शुरुआत हो चुकी है और पहले दिन के तीनों मुकाबले खेले जा चुके हैं. दिन के पहले मैच में कनाडा ने नेपाल, ओमान ने पापुआ न्यूगिनी और नामीबिया ने युगांडा की टीम को हराया.

कनाडा वर्सेस नेपाल

पहले वॉर्मअप मैच की बात करें तो कनाडा ने लगभग एक तरफा मुकाबले में नेपाल को 63 रनों से हराया. निकोलस किर्टोन ने 52 रन बनाए और 41 रन 17 गेंदों में रविंदर पाल सिंह ने बनाए. नेपाल के लिए 37 रन कुशल मल्ला ने बनाए। 4 विकेट डिल्लोन हीलिंगर ने चटकाए.

पापुआ न्यूगिनी वर्सेस ओमान मैच

टी-20 विश्व कप का दूसरा वॉर्मअप मैच पापुआ न्यूगिनी और ओमान के बीच खेला गया, जिसे ओमान ने 3 विकेट से जीता है।. पीएनजी के लिए 28 रन लेगा सियाका नेबनाए. तीन विकेट ओमान के कप्तान आकिब सुलेहरी ने चटकाए. दो विकेट बिलाल खान ने लिए. 45 रन पीएनजी के खिलाफ जीशान मकसूद ने बनाए.

नामीबिया बनाम युगांडा मैच

युगांडा की टीम ने नामीबिया को पांच विकेट से हराया, जो टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का तीसरा वॉर्मअप मैच था. रोजर मुकासा ने 51 रन और रोबिन्सन ओबुआ ने 38 रन बनाए. नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरासमस और टीम को एक शानदार जीत दिलायी.

यूएस की मेजर लीग क्रिकेट को मिला लिस्ट-ए का दर्जा

सैन फ्रांसिस्को। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका में टी-20 प्रारुप में खेले जाने वाले मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) को आधिकारिक 'लिस्ट-ए' का दर्जा प्रदान किया है. एमएलसी का दूसरा सत्र पांच जुलाई से शुरू होगा होगा. इसका उद्देश्य खेल के सबसे बड़े बाजारों में से एक में इसकी लोकप्रियता को बढ़ावा देना है. आईसीसी के इस कदम से एमएलसी को आधिकारिक टी-20 लीग और अमेरिका के पहले विश्व स्तरीय घरेलू टूर्नामेंट का दर्जा मिल गया. अमेरिका एक जून से 29 जून तक खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप का सह-मेजबान है .

मुक्केबाजी क्वालीफायर राउंड

निशांत ने ओटगोंबाटार को दो मिनट में हराया

अबिनाश जामवाल हारकर बाहर हो गए

एजेंसी। बैंकॉक

भारत के निशांत देव ने मंगोलिया के ओटगोंबाटार बियाम्बा अर्डेनेटो को महज दो मिनट में हराकर दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर में 71 किलो के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया.

जबकि अबिनाश जामवाल हारकर बाहर हो गए. पिछले क्वालीफायर में मामूली अंतर से ओलंपिक कोटे से चूके देव ने पहले ही मिनट में अपने प्रतिद्वंद्वी पर घूंसों की बौछार कर दी.पहले दौर में 58 सेकेंड का खेल बाकी रहने पर ही रैफरी ने मुकाबला रोक दिया. इससे पहले जामवाल को 63.5 किलो के मुकाबले में कोलंबिया के जोस मैनुअल वियाफारा फोरी ने हराया. जामवाल ने तीसरे और आखिरी दौर में शानदार प्रदर्शन करके अंकों के आधार पर बराबरी कर ली थी. नियमों के तहत इसके बाद जजों से प्रदर्शन के फिर आकलन के लिये कहा गया. सभी ने फोरी के पक्ष में वोट किया जो 5.0 से जीत गया.

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में अलीरेजा को हराया

एजेंसी। स्टेवेंगर (नॉर्वे)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को यहां नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया. सामान्य टाइम कंट्रोल में आसान ड्रॉ के बाद प्रज्ञानानंदा को सफेद मोहरों से खेलते हुए 10 मिनट मिले, जबकि अलीरेजा को सात लेकिन शर्त यह थी कि उन्हें जीत दर्ज करनी थी क्योंकि ड्रॉ होने पर काले मोहरों से खेलने वाले को अतिरिक्त अंक मिलते.

प्रज्ञानानंदा ने इसके बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. पुरुष और महिला वर्ग में क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत सभी बाजियां बराबरी पर छूटीं और नतीजों के लिए छह

आर्मागेडोन बाजियों का सहारा लेना पड़ा. दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गत विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से क्लासिकल बाजी 14 चाल में ड्रॉ खेलने के बाद 68 चाल में आर्मागेडोन बाजी ड्रॉ करके अपना पलड़ा भारी रखा.

हिकारू नाकामूरा ने आर्मागेडोन बाजी में हमवतन अमेरिकी फाबियानो करूआना को हराया. पहले दौर के बाद प्रज्ञानानंदा , कार्लसन और नाकामूरा 1.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि अलीरेजा, लिरेन और करूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं . क्लासिकल टाइम कंट्रोल के अंतर्गत प्रत्येक बाजी जीतने पर तीन अंक मिलते हैं जबकि आर्मागेडोन बाजी जीतने वाले को 1.5 अंक और हारने वाले को एक अंक मिलता है. महिला वर्ग में भी छह खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल टाइम कंट्रोल की तीनों बाजियां ड्रॉ रहीं. कोनेरू हंपी ने आर्मागेडोन बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए स्वीडन की पिया क्रेमलिंग को बराबरी पर रोककर डेढ़ अंक जुटाए. आर वैशाली हालांकि महिला विश्व चैंपियन वेनजुन जू के खिलाफ एक अंक ही जुटा सकी जबकि चीन की टिंगजी ने आर्मागेडोन बाजी में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया.

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग सत्र में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोमवार को सऊदी प्रो लीग फुटबॉल सत्र का अंत सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड के साथ किया . अल नासर की अल इतिहाद पर 4-2 की जीत के दौरान रोनाल्डो ने विजेता टीम की ओर से दो गोल दागे . इसके साथ ही लीग में उनके गोलों की संख्या 35 हो गई जो 2019 में बनाए अब्दररजाक हमदल्लाह के पिछले रिकॉर्ड से एक गोल अधिक है. अल नासर की टीम 82 अंक के साथ लीग में दूसरे स्थान पर रही . टीम स्थानीय दावेदार अल हिलाल से 14 अंक पीछे रही. जिसने दो हफ्ते से भी अधिक समय शेष रहते चैंपियनशिप जीत ली थी . सोमवार को सत्र का अंत 34 दौर की लीग में अजेय रहते हुए किया. टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में अल वेहदा को 2-1 से हराया. अल हिलाल की टीम नेमार की गैरमौजूदगी में भी विरोधी टीमों पर आसानी से दबदबा बनाने में सफल रही.

बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले आस्ट्रेलिया 'ए' से भिड़ेगा भारत 'ए'

एजेंसी। मेलबर्न

भारत 'ए' इस साल के अंत में प्रतिष्ठित बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेगा. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को यह घोषणा की.

सीए ने कहा कि ये मुकाबले 31 अक्टूबर से तीन नवंबर तक मैकाय के ग्रेट बैरियर रीफ एरेना और सात से 10 नवंबर तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले जाने हैं. इन अभ्यास मैचों से दोनों टीम के उभरते हुए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करने का मौका मिलेगा . सीए के क्रिकेट संचालन और कार्यक्रम प्रमुख पीटर रोच ने कहा कि नवीनीकृत ग्रेट बैरियर

रीफ एरेना और एमसीजी में इन ए मैचों की मेजबानी इन 'ए' मैचों को महत्वपूर्ण दर्जा देती है और दोनों टीम के खिलाड़ियों को चयन के लिए दावा मजबूत करने का शानदार अवसर प्रदान करेगी.

भारतीय टीम 17 नवंबर से वाका मैदान पर आपस में टीम बनाकर तीन दिवसीय मैच खेलेगी. भारत ने 2020-21 में अपने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भी ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ मैच खेले थे. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरुआती टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में होने वाला है. यह 1991-92 सत्र के बाद पहली बार होगा जब इस प्रतिष्ठित श्रृंखला को पांच टेस्ट तक बढ़ाया गया है. भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी लगभग उसी समय ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी.

ओलंपिक क्वालीफिकेशन पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने ओलंपिक के लिए योजना बनायी

टीम की योजना अमेरिका के करीब रहने की थी: जैकब

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय धावक अमोज जैकब ने कहा कि पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने अपने समय में सुधार के साथ विश्व एथलेटिक्स रिले से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने और अमेरिका की मजबूत टीम के समय के करीब रहने की योजना बनायी थी.

मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और जैकब की भारतीय पुरुष टीम ने इस महीने की शुरुआत में नासाउ (बहामास) में विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई किया था. भारतीय चौकड़ी तीन मिनट 23 सेकंड के समय

के साथ अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रही. इस हीट को अमेरिका (दो मिनट 59.95 सेकंड) ने जीता था.

जैकब ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मीडिया से कहा कि हम जानते थे कि हमारी हीट में अमेरिका है और वे ज्यादातर तीन मिनट से कम समय में दौड़ पूरी करते हैं. इसलिए, हमारी योजना उनके करीब रहने की थी, जिससे न केवल हमारे समय में सुधार होगा बल्कि हमें पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने में भी मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य तीन मिनट से तीन मिनट 10 सेकंड के बीच का समय लेने का था ताकि पेरिस ओलंपिक से पहले हमारा आत्मविश्वास ऊंचा रहे. इस रिले रेस के एंकर (आखिरी धावक) जैकब ने अरोकिया से बैटन लिया तो भारतीय टीम तीसरे स्थान पर थी.

दिल्ली के इस खिलाड़ी ने शानदार दौड़ लगाकर मैक्सिको के धावक को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया. इससे पहले शुरुआती क्वालीफाइंग हीट के दूसरे चरण के धावक राजेश रमेश के ऐंठन के कारण बीच में ही हटने के कारण भारत दौड़ पूरी करने में विफल रहा था. टीम में इसके बाद रमेश की जगह राजीव को शामिल किया गया और वह दूसरी क्वालीफाइंग हीट में अनस और अजमल के बाद तीसरे चरण में दौड़े. रमेश की गैरमौजूदगी से निपटने के बारे में पूछे जाने पर जैकब ने कहा कि यह आसान था क्योंकि हम एक साथ अभ्यास कर रहे थे. हमने विभिन्न संयोजनों के साथ बैटन बदलने का अभ्यास किया था. उस समय हमारी एकमात्र चिंता यह सुनिश्चित करने की थी कि और कोई चोटिल ना हो. इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा कि प्रतियोगिता से एक महीने पहले बहामास पहुंचने से टीम को परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठाने में मदद मिली. यह ओलंपिक टिकट हासिल करने में महत्वपूर्ण था.

भारतीय टीम ने दक्षिण एशियाई टीम खिताब का बचाव किया

नयी दिल्ली। भारत की लड़कियों की अंडर-19 टीम ने कैंडी में मेजबान श्रीलंका को फाइनल में 3-0 से हराकर दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना खिताब बरकरार रखा. भारत ने इससे पहले नेपाल को सेमीफाइनल में 3-0 से हराया. सोमवार को हुए फाइनल में भारत की सयाली वानी ने बिमांदी बंडारा को 11-6, 12-10, 11-8, प्रिथा वर्तिकर ने तमादी कविंदया को 7-11, 11-3, 11-7, 6-11, 11-8 जबकि तनीषा कोटेचा ने दिव्या धरानी को 11-8, 11-7, 11-7 से हराकर खिताब जीता. अंडर-15 लड़कियों के फाइनल में भी भारतीय टीम ने श्रीलंका को 3-0 से शिकस्त दी, जबकि अंडर-15 लड़कों के फाइनल में भी सार्थक आर्या ने श्रीलंका के खिलाफ अपने दोनों मैच जीतकर भारत की 3-1 से जीत सुनिश्चित की.

हवाईअड्डा नहीं गया क्योंकि लोगों का सामना करने को लेकर नर्वस था: पंत

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खुलासा किया है कि भयानक दुर्घटना में चोटिल होने के बाद वह हवाई अड्डे में जाने में हिचक रहे थे क्योंकि वह व्हीलचेयर पर बैठकर लोगों का सामना करने को लेकर नर्वस थे. दिसंबर 2022 में दिल्ली देहरादून राजमार्ग पर भयानक कार दुर्घटना में 26 साल के पंत को कई चोटें लगी थीं.

पंत की जान तो बच गई लेकिन उन्हें घुटने का बड़ा ऑपरेशन कराना पड़ा और विस्तृत रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा. पंत ने भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के टॉक शो 'धवन करेंगे' में कहा, 'यह दुर्घटना मेरे लिए जीवन बदलने वाला अनुभव था. इसके बाद

जब मैं होश में आया तो मुझे यह यकीन भी नहीं था कि मैं जिंदा हूं लेकिन भगवान ने मुझे बचा लिया.'उन्होंने कहा कि मैं हवाई अड्डा नहीं गया क्योंकि मैं व्हीलचेयर पर लोगों का सामना करने को लेकर नर्वस था. मैं दो महीने तक अपने दांत भी साफ नहीं कर पाया और छह से सात महीने तक मैंने असहनीय दर्द का सामना किया. आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ने हाल में संपन्न आईपीएल में 14 महीने बाद वापसी की और अच्छी फॉर्म में नजर आए.

▼ ब्रीफ खबरें

भतीजे की बलि देने वाले को उम्रकैद की सजा

भागलपुर । दस वर्षीय बच्चे की बलि देने के मामले में न्यायालय ने चचेरा चाचा और तांत्रिक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. पीरपैंती निवासी बच्चे के चाचा शिवनंदन रविदास और तांत्रिक विलास मंडल को आजीवन कारावास के साथ 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. एससी-एसटी एक्ट में विशेष कोर्ट ने सजा सुनाई है. सुनवाई में शामिल स्पेशल पीपी रमेश चौधरी ने बताया कि पीरपैंती के विनोबा टोला निवासी मीना देवी ने बेटे कन्हैया कुमार की हत्या के मामले में केस दर्ज हुआ था.

129 किलो गांजा के साथ दो तस्कर धराये

अररिया । सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं बटालियन के कुशमाहा बीओपी के जवानों ने सोमवार देर रात कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम के नेतृत्व में छापेमारी कर 129 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया. भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या-177 के नजदीक एसएसबी जवानों ने नेपाल से भारत लाने के क्रम में कार्रवाई करते हुए 129 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को धर दबोचा. दबोचे गए तस्करों में एक भारत के और एक नेपाल के हैं. इसी कड़ी में 56 वीं वहिनी के बाह्य सीमा चौकी कुशमाहा क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 177 के नजदीक जवानों ने कार्रवाई कर यह सफलता प्राप्त की.

ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत

किशनगंज । किशनगंज रेलवे स्टेशन से सटे गुंजरिया रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन से गिर कर एक 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत मंगलवार को हो गई. उक्त व्यक्ति ट्रेन में चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से गिर गया था, जिससे उसका दोनों पांव कट गया. ट्रेन से गिरते ही व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया. आरपीएफ के जवानों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया. तब तक उसकी मौत हो गई. मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है. मृतक की पहचान नहीं हो पायी है. शव की पहचान के लिए पोस्टमार्टम के बाद शव को 72 घंटे सुरक्षित रखा जाएगा.

पटना विश्वविद्यालय के छात्र की नृशंस हत्या का मामला

मुख्य आरोपी हुआ गिरफ्तार

संवाददाता । पटना

बिहार पुलिस ने मंगलवार को दावा किया कि उसने पटना विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय परिसर में बी एन कॉलेज के स्नातक अंतिम वर्ष के एक छात्र की नृशंस हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान पटना कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र और पटना के बिहटा निवासी चंदन कुमार के रूप में की गई है.

पुलिस ने दावा किया कि पटना कॉलेज के जैक्सन हॉस्टल में रहने वाले चंदन कुमार ने सोमवार को पटना विश्वविद्यालय के बी एन कॉलेज के छात्र हर्ष राज (22) की हत्या की साजिश रची. पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्र ने बताया, चंदन कुमार इस मामले में मुख्य आरोपी है. उससे पूछताछ जारी है. स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र हर्ष राज की सोमवार को पटना विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय परिसर में कुछ अज्ञात लोगों ने कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी. यह घटना तब हुई थी जब राज दोपहर में अपने परीक्षा केंद्र से बाहर आ रहा था. वह विधि महाविद्यालय परिसर में अपनी स्नातक परीक्षा देने गया था और छात्रों के एक समूह ने उसकी पिटाई कर दी थी. घायल अवस्था में पुलिस उसे अस्पताल ले गई जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

पटना पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, वारदात के तुरंत बाद जिला पुलिस ने एक एसआईटी का गठन किया और साजिश रचने वाले चंदन कुमार को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस पूछताछ के दौरान चंदन कुमार ने अपना अपराध कबूल लिया. पूछताछ के दौरान चंदन ने वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान का भी खुलासा किया. पटना पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि घटना किसी पुरानी दुश्मनी के कारण हुई होगी. हालांकि घटना का सही कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा. पुलिस ने अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है. इस घटना से आक्रोशित विद्यार्थियों के कुछ समूहों ने शहर के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ पटना विवि के बाहर भी विरोध मार्च निकाला. अधिकारी ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए परिसर में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है.

विद्यार्थियों ने कई स्थानों पर विरोध मार्च निकाला

सड़क हादसे में मदरसा के मौलाना सहित एक छात्र की मौत,चार घायल

अररिया । जिले में नरपतगंज थाना क्षेत्र के नरपतगंज-फारबिसगंज मुख्य फोरलेन सड़क मार्ग में थलहा के समीप ट्रक और ट्रैक्टर के बीच में ई रिक्शा के फंस जाने के कारण ई-रिक्शा पर सवार दो लोगों की मौत हो गई. जबकि हादसे में ई-रिक्शा चालक समय चार अन्य लोग घायल हो गए. सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से नरपतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक इलाज के बाद चारों को फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया है. हादसे में ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. मृतकों में एक मदरसा का मौलाना है, जबकि दूसरा मदरसे के 12 साल का एक छात्र है.

हम एनडीए गठबंधन के सहयोगी थे, आगे भी रहेंगे : पशुपति पारस

पटना । राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने पटना में मंगलवार को मीडिया को संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने कहा कि हम लोग एनडीए के वफादार हैं और पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे. साथ ही दावा किया कि इस बार बिहार में एनडीए गठबंधन पूरी 40 सीटें जीत रही है. पारस ने कहा कि 'हम एनडीए गठबंधन के सहयोगी थे, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगे. नरेंद्र मोदी हमेशा हमारे नेता थे और भविष्य में भी रहेंगे. हम 48 साल से बिहार में राजनीति कर रहे हैं. ये सही है कि हमारी पार्टी को न्याय नहीं मिला फिर भी हम करते हैं कि हम एनडीए के साथ ही रहेंगे. पीएम मोदी की देश में लहर चल रही है.

नीतीश कुमार भी 'पुत्रमोह' में मारेंगे पलटी

अपने 'श्रवण' को छोड़ बेटे को सौंपेंगे जदयू की जिम्मेवारी

लगातार न्यूज नेटवर्क । पटना

मुख्यमंत्री और जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीतिक जिम्मेदारी दे सकते हैं. नीतीश की तबीयत बिगड़ने की खबरें आ रही हैं. इससे जदयू के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं. बिहार में एक वर्ग को लगता है कि जदयू जल्द ही टूट जाएगा और गायब हो जाएगा. इसके बचे हुए लोग अन्य दलों बीजेपी और राजद या अन्य पार्टियों में विलय कर लेंगे. लेकिन ऐसा लगता है कि नीतीश ने पार्टी को बरकरार रखने और सत्ता में बनाए रखने की योजना पर काम किया है. सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पहले ही पार्टी के पुनर्गठन की योजना बना ली है.

कौन हैं श्रवण कुमार? : नीतीश पार्टी की कमान अपने भरोसेमंद सिपहसालार श्रवण कुमार को सौंपेंगे. श्रवण कुमार फिलहाल बिहार में ग्रामीण विकास मंत्री हैं और उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक हैं. श्रवण कुमार के प्रमुख राजनीतिक निर्णयों में शामिल रहते हैं. जनता दल यूनाइटेड जबतक इंडिया गठबंधन का हिस्सा था तब श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश में तैनात किया गया था. यह बताया जा रहा था कि वह वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे.

नीतीश अपनी यात्रा में कर रहे बेटे को शामिल : राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि श्रवण कुमार की पार्टी अध्यक्ष के रूप में पदोन्नति होगी और उन्हें आगे नीतीश कुमार की जगह निशांत के सलाहकार की भूमिका मिल सकती है. अभी निशांत की उम्र 49 वर्ष है और इंजीनियरिंग से ग्रेजुएट हैं. वह अपने पिता नीतीश कुमार के साथ रहते हैं, लेकिन अब तक उन्होंने राजनीति से दूरी बना रखी है. हालांकि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान उन्हें हाल ही में अपने पिता के साथ विभिन्न यात्राओं पर देखा गया है. पिता-पुत्र की जोड़ी ने हाल ही में अपने गृह जिले नालंदा का दौरा किया था, जहां उन्होंने एक मंदिर में एक साथ प्रार्थना की और सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लिया.

क्या फिर से पलटेंगे नीतीश कुमार

नीतीश जो परिवार की राजनीति से अबतक दूर रहे और इसके मुखर विरोधी रहे, अब कैरियर के ढलान पर पुत्र मोह के शिकार होते दिख रहे हैं. जाहिर सी बात है कि अगर निशांत राजनीति में आएंगे तो उनपर विपक्षी दलों के लोग हमला शुरू कर देंगे. नीतीश परिवार को राजनीति में लाने के अपने सिद्धांत से अगर पलटेंगे, तब उनपर एक बार फिर से पलटू राम होने का पुख्ता का प्रमाण मिल जाएगा. उन्होंने हाल ही में परिवारवाद की राजनीति के लिए राजद प्रमुख लालू यादव पर हमला बोला था. उन्होंने कहा था, अपने हटे तो बीबी को सीएम बना दिए. इन्होने नौ बेटा, बेटी पैदा किया, कितना बेटा, बेटी को बना दिया. हम लोग परिवारवाद को बढ़ावा नहीं देते, सब को अपना परिवार मानते हैं.

पवन सिंह व खेसारी लाल यादव को देख बेकाबू हुए समर्थक

चुनावी सभा में भीड़ ने तोड़ी कुर्सियां

संवाददाता । रोहतास

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रोहतास में मंगलवार को अपने दो चहेते कलाकारों को देखकर जनता बेकाबू हो गई. मौका था बिक्रमगंज में चुनावी सभा का, जहां एक साथ दिखे दो भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह और खेसारी लाल यादव. दरअसल, बिक्रमगंज के इंटर कॉलेज मैदान में दोनों चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे. इस दौरान भीड़

बेकाबू हो गई और सैकड़ों कुर्सियां टूट गईं. भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करना पड़ा. भीड़ इतनी अधिक हो गई कि लोग बैरिकेडिंग तोड़कर मंच के निकट आ गए. वहीं मंच पर भी काफी भीड़ इकट्ठा हो गई. समर्थकों ने पवन सिंह और खेसारी लाल यादव को चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया. वहीं चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे खेसारी लाल यादव ने काराकाट के निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह के लिए वोट मांगा और पवन सिंह को अपना बड़ा भाई बताया. खेसारी ने पवन सिंह के संघर्ष की प्रशंसा की और कहा कि वो शुरू से मददगार रहे हैं.

मोदी राज में आतंकवाद का हुआ सफाया : योगी

पटना । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि पहले कांग्रेस-राजद के शासनकाल में सुबह की शुरूआत घोटालों से होती थी और शाम होते-होते बड़ी ब्लास्ट की खबर आती थी. आज मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद दोनों का सफाया कर दिया गया है. अब कोई दंगाई बचता नहीं है.

4 जून के बाद 'इंडिया' गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा : लालू प्रसाद

संवाददाता । पटना

राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने मंगलवार को प्रधानमंत्री के परमात्मा द्वारा भेजे जाने संबंधी कथित बयान पर चुटकी ली और दावा किया कि चार जून के बाद 'इंडिया' गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा. लोकसभा चुनाव के नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे. लालू ने यहां पत्रकारों से कहा, मोदी अपने को अवतार कहते हैं. वह (मोदी) कहते हैं कि वह जैविक नहीं बल्कि अवतार हैं. यह पूछे जाने पर कि चार जून को क्या होगा, राजद सुप्रीमो ने कहा, सरकार हमलोगों (इंडिया गठबंधन) की बनेगी. इससे पहले दिन में राजद सुप्रीमो ने राजग पर तीसरी बार सत्ता में लौटने पर संविधान को बदलने और आरक्षण समाप्त करने का इरादा रखने का आरोप लगाया. मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लालू ने लिखा, हमारे संविधान निर्माता पूजनीय बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम जी का एवं उनके विचारों का ताउम्र तिरस्कार करने वाले भाजपा और भाजपाई संविधान और आरक्षण खत्म करने की बात कर रहे हैं.

कारोबार

हवाई टिकटों के दाम में 9 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई । भारत में हवाई टिकटों की कीमतें इस साल की पहली तिमाही में औसतन नौ प्रतिशत बढ़ीं. यात्रा की मांग में बढ़ोतरी और मजबूती आर्थिक वृद्धि के चलते ऐसा हुआ. ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार में सूचीबद्ध एफसीएम ट्रैवल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जनवरी-मार्च में प्रीमियम श्रेणी की टिकटों की बुकिंग में सालाना आधार पर 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. इसमें विनिर्माण और आईटी जैसे क्षेत्रों का विशेष योगदान रहा. प्रबंध निदेशक सनी सोढ़ी ने कहा, घरेलू हवाई क्षमता में तीन प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है.

रुपए में पांच पैसे की गिरावट दर्ज की गयी

मुंबई । स्थानीय शेयर बाजार में नकारात्मक रुख और निचले स्तर पर आयातकों की डॉलर मांग के बीच मंगलवार को रुपये ने शुरुआती बढ़त गंवा दी और अंत में यह पांच पैसे की गिरावट के साथ 83.18 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा, जिससे रुपये ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया. हालांकि, अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया.

चांदी में 3,100 व सोना 130 रुपये हुआ मजबूत

नयी दिल्ली । मजबूत वैश्विक रुख के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 3,100 रुपये के उछाल के साथ 95,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 130 रुपये मजबूत हुआ. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, लगातार दूसरे दिन चांदी में मजबूती आई. इसकी कीमत 3,100 रुपये के उछाल के साथ करीब दो सप्ताह के उच्चस्तर 95,950 रुपये प्रति किग्रा हो गई. सोमवार को चांदी 92,850 रुपये प्रति किग्रा के स्तर पर बंद हुई थी. इस बीच, सोना 130 रुपये मजबूत होकर 72,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया. पिछले सत्र में यह 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था.

अडानी ग्रुप यूपीआई लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकता है

ई-कॉमर्स सेक्टर में उतरेगी अडानी ग्रुप

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी किसी एक कारोबार में टिक कर नहीं रहते हैं. वे एक के बाद जल्द ही दूसरे प्रोजेक्ट में लग जाते हैं. अब खबर है कि अडानी ग्रुप डिजिटल पेमेंट्स और ई-कॉमर्स सेक्टर में उतरने में लगे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप यूपीआई लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकता है. साथ ही अडानी ग्रुप की को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की भी योजना है. इसके लिए उसकी कई बैंकों के साथ बातचीत चल रही है. सूत्रों के मुताबिक ग्रुप ओएनडीसी के जरिए ऑनलाइन शॉपिंग सर्विसेज मुहैया कराने पर भी विचार कर रहा है. अगर यह योजना सफल होती है तो अडानी ग्रुप अपने सुपरऐप अडानी वन के जरिए ये सर्विसेज दे सकता है. वैसे यह ऐप 2022 में लॉन्च किया गया था. इसके जरिए कंपनी फ्लाइट और होटल बुकिंग जैसी सर्विसेज देता है.

अडानी ग्रुप के कंज्यूमर बिजनसेज के सीनियर वाइस-प्रेजिडेंट और चीफ डिजिटल ऑफिसर नितिन सेठी ने दिसंबर 2022 में एक लिंक्डइन पोस्ट में लिखा था कि हमारा सामूहिक प्रयास एक डिजिटल ट्विन बनाने का है जो अंततः हमारे परंपरागत बिजनसेज के समानांतर होगा. पिछला साल अडानी ग्रुप के लिए काफी उथलपुथल भरा रहा था.

जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट से ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी. इससे ग्रुप का मार्केट कैप 150 अरब डॉलर से अधिक गिर गया था. लेकिन अब ग्रुप ने काफी हद तक इसकी भरपाई कर ली है. ग्रुप के कई शेयर हिंडनबर्ग रिसर्च से पहले के दौर में पहुंच चुके हैं. गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस साल 25 अरब डॉलर की तेजी आई है. वह 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर है. रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 114 अरब डॉलर है. इस साल उनकी नेटवर्थ 17.3 अरब डॉलर बढ़ी है. अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में अब केवल पांच अरब डॉलर का फासला रह गया है.

डिजिटल पेमेंट्स

- को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने की योजना
- हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से शेयरों में गिरावट आई
- ऑनलाइन शॉपिंग सर्विसेज मुहैया कराएगी

कंपनी को मिली फंड जुटाने की मंजूरी

वहीं अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के बोर्ड ने मंगलवार को ₹16,600 करोड़ जुटाने की मंजूरी दे दी है. बोर्ड ने कंपनी को क्वॉलिफाई इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) या किसी दूसरे माध्यम से फंड जुटाने को मंजूरी दी है. अडानी एंटरप्राइजेज ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी. हालांकि, बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब कंपनी को 24 जून को होने वाली एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेनी होगी. इससे पहले अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछली बार मई 2023 में ₹12,500 करोड़ जुटाने के लिए बोर्ड की मंजूरी ली थी, लेकिन फिर फंड नहीं जुटाया था. इसके पहले बीते दिन 27 मई को अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने बताया था कि वह क्यूआईपी या किसी दूसरे माध्यम से ₹12,500 करोड़ का फंड जुटाएगी. कंपनी के बोर्ड ने इसके लिए मंजूरी कल ही मंजूरी दे दिया था. इस फंड को भी जुटाने के लिए अंतिम मंजूरी एनुअल जनरल मीटिंग में ली जाएगी. जहां तक अडानी के शेयर की बात है तो अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.05 अंक की गिरावट के साथ 3,283 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. पिछले 5 दिन में शेयर 5.70% और एक महीने में 6.74% का पॉजिटिव रिटर्न दिया है. वहीं, छह महीने में इसके शेयर में 35.71% और एक साल में 29.79% की तेजी देखने को मिली है. बता दें कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अडानी ग्रुप की कंपनियों का एक हिस्सा है. 1988 में गौतम अडानी ने एंटरप्राजेज की स्थापना की थी.

बंद पड़ी जेट एयरवेज मामले में जेकेसी ने याचिका वापस ली

- शेयर हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 350 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था

एजेंसी । नयी दिल्ली

बंद पड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज के लिए सफल बोलीदाता जालान कलरॉक गठजोड़ (जेकेसी) ने एनसीएलएटी के समक्ष दायर अपनी अर्जी मंगलवार को वापस ले ली. इस याचिका में जेकेसी ने ऋणदाताओं को भुगतान किए गए 200 करोड़ रुपये एक एस्क्रो खाते में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी. राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की तरफ से जेकेसी को कोई राहत देने से इनकार करने के बाद यह याचिका वापस ली गई.

अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरमैन न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह मामला पहले से ही उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है. इसके बाद मुरारी लाल जालान और फ्लोरियन फ्रिट्च के गठजोड़ ने अपनी अपील वापस ले ली. जेकेसी ने अपनी याचिका में कहा था कि जेट एयरवेज के शेयर उसे जारी नहीं होने तक ऋणदाताओं को जमा किए गए 200 करोड़ रुपये एक ब्याज-युक्त एस्क्रो खाते में स्थानांतरित की जाए. भारी कर्ज संकट में फंसने के बाद जेट एयरवेज ने अप्रैल, 2019 में अपना परिचालन बंद कर दिया था. इसके बाद चली दिवालिया समाधान प्रक्रिया के तहत जेकेसी गठजोड़ विजेता बोलीदाता बनकर उभरा था. हालांकि, एयरलाइन के ऋणदाताओं और गठजोड़ के बीच जारी मतभेदों की वजह से इसके स्वामित्व हस्तांतरण का मामला अभी तक लटका हुआ है.

इस साल की शुरुआत में 12 मार्च को, एनसीएलएटी ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखा था और इसके स्वामित्व को जेकेसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी थी. शेयर हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 350 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था लेकिन जेकेसी ने केवल 200 करोड़ रुपये नकद का ही भुगतान किया था.

बाजार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी की शुरुआत बढ़त के साथ हुई

बीएसई सेंसेक्स 220.05 अंक की गिरावट के साथ 75,170.45

भाषा । मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 220 अंक के नुकसान में रहा. निवेशकों ने लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले बिजली, तेल एवं पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली की.

लाभ और नुकसान के बीच घूमते हुए तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 220.05 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,170.45 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 75,585.40 अंक तक गया जबकि नीचे में 75,083.22 अंक तक आया.

पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी की शुरुआत बढ़त के साथ हुई. इसके बावजूद अंत में यह 44.30 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,888.15 अंक पर बंद हुआ. विश्लेषकों ने कहा कि चुनावों के नतीजों से पहले अनिश्चितता के बीच शेयर बाजारों में गिरावट पर लिवाली और चढ़ने पर बिकवाली का दौर चल रहा है. सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को कारोबार के दौरान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे थे. हालांकि, बाद में निवेशकों की मुनाफावसूली से दोनों मानक सूचकांक नुकसान में बंद हुए थे.

सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं. दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हाल में तेजी के बाद भारतीय बाजार में हल्की गिरावट देखने को मिली है. अनिश्चितता को लेकर उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है, इसका कारण यह है कि चुनाव नतीजों का समय करीब आ रहा है.

विश्लेषकों के अनुसार, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जबकि औषधि और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों जैसे सुरक्षित माने जाने वाले शेयरों में तेजी रही. एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा कि निफ्टी में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई. चुनावी नतीजे से पहले बाजार में अनिश्चितता बढ़ रही है. छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाला स्मॉलकैप सूचकांक 1.09 प्रतिशत नीचे आया.

कोल इंडिया की बीएचईएल के साथ नई इकाई का हुआ गठन

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को कोयला से रसायन कारोबार चलाने के लिए एक अनुषंगी इकाई भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) के गठन की घोषणा की. देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक सीआईएल ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि नई इकाई में उसकी बहुलांश 51% हिस्सेदारी है जबकि शेष 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बीएचईएल के पास है. कोल इंडिया ने कोयला-से-रसायन व्यवसाय शुरू करने के लिए फरवरी में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे. दोनों कंपनियों के इस संयुक्त उद्यम के गठन के लिए नीति आयोग और निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की मंजूरी मिल गई है. इसमें कहा गया है कि भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड का गठन कोयला-से-रसायन कारोबार के लिए मध्यवर्ती उत्पादों के रूप में अमोनिया एवं नाइट्रिक एसिड और अंतिम उत्पाद के रूप में अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करने के लिए किया गया है.

संयुक्त उद्यम समझौते पर दोनों हस्ताक्षर करते हुए

ब्रीफ खबरें

पूर्वी चीन में इमारत ढहने से चार लोगों की मौत

ताइपे (ताइवान) । चीन के एन्हुई प्रांत में एक इमारत के ढहने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी. चीनी मीडिया की खबरों से यह जानकारी मिली. सरकार के स्वामित्व वाले प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी' की खबर के मुताबिक, टोंगलिंग शहर में 10 मंजिला इमारत का एक हिस्सा सोमवार दोपहर बाद ढह गया, जिसके नीचे कई लोग दब गये. खबर के मुताबिक, लोगों को बचाने के लिए घंटे भर खोज अभियान चलाया गया. इमारत में 12 वर्षीय बच्ची जिंदा मिली, जिसका उपचार किया जा रहा है.

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 15 नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने सात महिलाओं समेत 15 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है तथा उनसे विस्फोटक बरामद किया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया जिले के गीदम थाना क्षेत्र में गुमलनार गांव के पास सुरक्षाबलों ने 15 नक्सलियों को गिरफ्तार किया. उन्होंने बताया कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत 25 मई को डीआरजी और बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा के दल को गुमलनार, मुस्तलनार, गिरसापारा गांवों की ओर रवाना किया गया था.

उत्तर कोरिया रॉकेट में उड़ान के बाद विस्फोट

सियोल । उत्तर कोरिया द्वारा देश के दूसरे जासूसी उपग्रह को अंतरिक्ष में तैनात करने के लिए छोड़े गए रॉकेट में उड़ान भरने के तुरंत बाद विस्फोट हो गया. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. यह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के लिए झटका है जो अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया पर नजर रखने के लिए उपग्रहों को तैनात करने की उम्मीद कर रहे हैं. यह प्रक्षेपण ऐसे वक्त में विफल हुआ है जब दक्षिण कोरिया, चीन और जापान के नेताओं ने चार साल से अधिक समय बाद पहली त्रिपक्षीय बैठक के तहत सियोल में मुलाकात की.

यूपी के पूर्व मंत्री नारद राय भाजपा में जाएंगे

बलिया (उप्र) । उत्तर प्रदेश के पूर्व खेल मंत्री नारद राय ने मंगलवार को 'एक्स' पर अपने बायो में मोदी का परिवार लिखकर भाजपा में जाने का संकेत दिया साथ ही जनता से सपा के चुनाव निशान साइकिल पर ताला लगाने का आह्वान किया. बलिया सदर सीट से दो बार के विधायक और राज्य सरकार में पूर्व मंत्री राय ने सोमवार देर रात 'एक्स' पर लिखा, दुनिया में भारत का डंका बजाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री, अमित शाह जी के संकल्प की समाज के अंतिम पंक्ति में बसे गरीब को मजबूत करने वाली सोच और राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करूंगा.

गेम जोन का एक और साझेदार गिरफ्तार

अहमदाबाद । गुजरात पुलिस ने राजकोट स्थित टीआरपी गेम जोन के एक और साझेदार को गिरफ्तार किया है जहां पिछले सप्ताह आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गयी थी. बनासकांठा के पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाना ने बताया कि धवल कॉर्पोरेशन के मालिक धवल ठक्कर को पड़ोसी राजस्थान के आबू रोड से गिरफ्तार कर लिया गया है. वह रेसवे इंटरप्राइज के पांच साझेदारों के साथ मिलकर टीआरपी गेम जोन चलाता था. इसके साथ ही शनिवार को हुई इस घटना में अभी तक चार को गिरफ्तार किया गया है.

राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने बांसगांव में संयुक्त रैली को किया संबोधित, बोले-

आरक्षण को 50% से आगे बढ़ाएगी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार

एजेंसी । गोरखपुर (उप्र)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करने का इरादा रखने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' सत्ता में आया तो आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाया जाएगा. राहुल ने बांसगांव में 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त रैली में भाजपा पर संविधान को बदलने और आरक्षण को खत्म करने की तैयारी का आरोप लगाते हुए कहा, आज भाजपा के लोग कहते हैं कि हम आंबेडकर जी के काम को, उनके सपने को फाड़ कर फेंक देंगे. मैं कहता हूं कि आंबेडकर जी के संविधान को, गांधी जी और नेहरू जी के संविधान को कोई शक्ति फाड़ नहीं सकती.

उन्होंने कहा, मैं हिंदुस्तान के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि इंडिया गठबंधन दिल से, जान से, खून से संविधान की रक्षा करेगा. हम एक इंच पीछे नहीं हटेंगे. मर जाएंगे, कट जाएंगे लेकिन संविधान को हम नहीं बदलने देंगे. राहुल ने कहा, भाजपा कहती है कि दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण नहीं मिलना चाहिए. वह आरक्षण को खत्म करना चाहती है. मैं उन्हें संदेश देना चाहता हूं कि आप संविधान को खत्म नहीं कर पायेंगे. उल्टा हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाकर ले जाएंगे.

परमात्मा ने उनको अडाणी जी की मदद के लिए भेजा है

कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'बायोलॉजिकल' वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी कहते हैं कि परमात्मा ने उन्हें हिंदुस्तान भेजा है. मगर (परमात्मा ने) उनको अडाणी जी की मदद करने के लिए भेजा है, अंबानी जी की मदद करने के लिए भेजा है. परमात्मा ने उन्हें किसानों और मजदूरों की मदद करने के लिए नहीं भेजा है. (परमात्मा ने उन्हें) जातिवार जनगणना करवाने के लिए नहीं भेजा. यह अजीब सी बात है. अगर सचमुच में परमात्मा ने (सीधे दुनिया में) भेजा होता तो परमात्मा कहते कि तुम हिंदुस्तान के सबसे कमजोर लोगों की मदद करो, कमजोरों, किसानों, मजदूरों और गरीबों की मदद करो. उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी के परमात्मा ने उनसे कहा है कि मोदी, तुम अडाणी की मदद करो, हिंदुस्तान के सारे के सारे हवाई अड्डे अडाणी को दे दो, हिंदुस्तान के विद्युत संयंत्र अडाणी को दे दो, रेलवे अडाणी को दे दो, अंबानी-अडाणी का 16 लाख करोड़ रुपए कर्ज माफ करो . यह कैसे परमात्मा हैं. यह नरेन्द्र मोदी जी वाले परमात्मा हैं.

राहुल बोले- कांग्रेस की सरकार जिस प्रदेश में हो वहां यह काम करके दिखाया है

उन्होंने कहा, आज आरक्षण को 50 प्रतिशत तक की सीमा पर रखा गया है. इंडिया गठबंधन ने अपने घोषणा पत्र में साफ लिखा है कि हमारी सरकार आएगी तो इस 50 प्रतिशत तक की सीमा को हम हटा देंगे और उसे 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा देंगे. जहां भी कांग्रेस की सरकार आई है, चाहे छत्तीसगढ़ हो, मध्य प्रदेश हो, हमने यह काम करके दिखाया है और पूरे हिंदुस्तान में हम यह काम करके दिखा देंगे .पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह लोकसभा चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई है. एक तरफ इंडिया गठबंधन और संविधान है और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो इस संविधान को रद्द करना चाहते हैं. भाजपा के नेताओं ने खुलकर कहा है कि हमारी सरकार आएगी तो हम संविधान को खत्म कर देंगे. मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि आपकी सरकार नहीं आएगी. राहुल ने केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए तल्ख टिप्पणी की.

मेजर राधिका सेन को संरा ने सैन्य पुरस्कार से किया सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र । कांगो में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवा दे चुकी भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन को एक प्रतिष्ठित सैन्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उन्हें सच्चा नेता और आदर्श बताया. कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में सेवा दे चुकीं मेजर सेन को 30 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर यहां विश्व निकाय के मुख्यालय में गुतारेस द्वारा प्रतिष्ठित '2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड' प्रदान किया जाएगा. संयुक्त राष्ट्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं. हिमाचल प्रदेश में 1993 को जन्मी मेजर सेन आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुईं.

मिजोरम में चक्रवाती तूफान रेमल ने ढाया कहर

बारिश के दौरान पत्थर की खदान ढहने से 17 की मौत, कई लापता

एजेंसी । आइजोल

मिजोरम के आइजोल जिले में पत्थर की एक खदान ढह जाने से 17 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हो गए. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 'रेमल' के प्रभाव से लगातार हो रही बारिश के बीच इलाके में मंगलवार को सुबह यह हादसा हुआ. पुलिस ने बताया कि घटना आइजोल शहर के दक्षिणी, बाहरी हिस्से में स्थित मेल्थम और ह्लिमेन के बीच के इलाके में सुबह करीब छह बजे हुई.

आइजोल की उपायुक्त नाजुक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अब तक 12 शवों को बरामद किया गया है जबकि कई अन्य लोग मलबे में फंसे हुए हैं. उन्होंने बताया, हम और शवों की तलाश कर रहे हैं. जब तक पूरे घटनास्थल को साफ नहीं कर दिया जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा. पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने बताया कि भारी बारिश के कारण घटनास्थल पर बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है. उन्होंने बताया कि बारिश के कारण राज्य में कई स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ है और कम से कम दो लोग पानी के तेज बहाव में बह गये. पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पत्थर की खदान ढहने से जान गंवाने वाले लोगों में चार वर्ष का एक लड़का और छह साल की लड़की भी शामिल है.

तीन लोग अभी भी लापता हैं, तलाश जारी

उन्होंने बताया, हमने घटनास्थल से दो लोगों को जीवित बाहर निकाला है. एक अधिकारी ने बताया कि आइजोल के सेलम वेंग में भूस्खलन से एक इमारत ढह जाने के बाद तीन लोग लापता हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है.

उन्होंने बताया कि हुनथर में राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर भूस्खलन के कारण आइजोल का संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है. अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा कई अंतर-राज्य राजमार्ग भी भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने खदान ढहने सहित बारिश के कारण हुई घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. उन्होंने खदान के ढहने की घटना में मारे गए मिजोरम के आठ लोगों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये के चेक सौंपे और कहा कि शेष राशि उन्हें जल्द ही दी जाएगी. राज्य सरकार में गृह मंत्री के. सपडांगा ने बताया, गैर-आदिवासी चार लोगों की पहचान सत्यापित की जा रही है. अगर वे मिजोरम के स्थायी निवासी पाये जाते हैं तो उन्हें अनुग्रह राशि दी जाएगी. अगर वे अस्थायी रूप से यहां काम करने आए थे तो उन्हें कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी.

केरल में जनजीवन अस्त-व्यस्त, कोच्चि की सड़कें जलमग्न

तिरुवनंतपुरम । मंगलवार को केरल के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ लगातार बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण कोच्चि और आस-पास के इलाकों में कई संकरी गलियां और व्यस्त सड़कें जलमग्न हो गईं. सड़कों पर पानी भर जाने के कारण शहर के कई इलाकों में लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके. बारिश के बाद राजमार्गों पर वाहन बहुत धीमी गति से चलते दिखे. कई नदियां उफान पर आ गयी है.

महाराष्ट्र परिषद चुनाव अकेले लड़ेगी 'मनसे'

ठाणे । लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन का समर्थन करने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए आगामी विधान परिषद चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है. पार्टी ने राज्य से संबंधित मुद्दों का हवाला देते हुए यह फैसला किया हैं. पार्टी के एक नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी. मनसे ने 26 जून को होने वाले विधान परिषद चुनाव के लिए कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से फिल्म निर्देशक अभिजीत पानसे को उम्मीदवार बनाए जाने की सोमवार को घोषणा की थी. वर्तमान में इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भाजपा के निरंजन देवखारे कर रहे हैं. मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राकांपा बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की थी.

सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका का मामला

अदालत ने ईडी से मांगा जवाब

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में जमानत (डिफॉल्ट बेल) देने का अनुरोध करने वाली, जेल में बंद पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब देने के लिए कहा. न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ईडी को नोटिस जारी किया और उसे मामले पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा.

अदालत ने जेल प्राधिकारियों से जैन का रिकॉर्ड भी मांगा और मामले पर अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख तय की. जैन पर कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के जरिए धन शोधन करने का आरोप है. उन्होंने निचली अदालत के 15 मई के आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें

मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था. जैन ने दलील दी है कि ईडी वैधानिक अवधि के भीतर सभी मामलों में जांच पूरी करने में नाकाम रही है और उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 167 (2) के प्रावधानों के तहत 'डिफाल्ट बेल' के उनके अधिकार से वंचित करने के प्रयास के तहत आरोपपत्र दाखिल की गयी है जो पूरी नहीं है. ईडी ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत 2017 में जैन के खिलाफ सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया था.

चार जून के बाद पटनायक हो जाएंगे ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री : अमित शाह

एजेंसी । भद्रक (ओडिशा)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नवीन पटनायक चार जून के बाद ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री हो जाएंगे. उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा 147 सदस्यीय विधानसभा में 75 से अधिक सीट हासिल कर राज्य में अगली सरकार बनाएगी.

शाह ने भद्रक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत चांदबाली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओडिशा की 21 लोकसभा सीट में से 17 सीट पर जीत हासिल करेगी. उन्होंने कहा, चार जून को

नवीन बाबू मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, वह पूर्व मुख्यमंत्री बन जाएंगे...भाजपा ओडिशा में 17 लोकसभा सीट और 75 विधानसभा सीट पर जीत दर्ज करेगी.

भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि अगला मुख्यमंत्री उड़िया भाषा में पारंगत हो और राज्य की भाषा, संस्कृति तथा परंपरा को समझता हो. स्पष्ट रूप से पटनायक के करीबी सहयोगी एवं बीजद के नेता वी के पांडियन के संदर्भ में शाह ने कहा, क्या 'तमिल बाबू' को पर्दे के पीछे से सरकार चलानी चाहिए... कमल के निशान पर अपना वोट देकर एक अधिकारी की जगह राज्य पर शासन करने के लिए एक 'जनसेवक' को लाएं. यह उल्लेख करते हुए कि ओडिशा के लाखों युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं, गृह मंत्री ने कहा, एक बार जब भाजपा ओडिशा में सरकार बनाएगी, तो हम उद्योग स्थापित करेंगे ताकि युवाओं को कहीं और नौकरियों की तलाश न करनी पड़े.

संदेशखाली : शाहजहां शेख के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नयी दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच जनवरी को संदेशखाली में ईडी की टीम पर हुए हमले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित नेता शाहजहां शेख और छह अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि एजेंसी ने सोमवार को एक विशेष अदालत के समक्ष मामले में अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया. पश्चिम बंगाल में ईडी की टीम पर 1,000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया था. यह हमला उस समय किया गया जब करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में टीम शेख के घर छापेमारी करने गई थी.

पंजाब और हरियाणा उच्च न्या. ने दिया फैसला

पूर्व प्रबंधक की हत्या मामले में राम रहीम को बरी किया

एजेंसी । चंडीगढ़

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को उसके पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में मंगलवार को बरी कर दिया. सिरसा में स्थित डेरा का प्रमुख अभी रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है. वह अपनी दो शिष्याओं से दुष्कर्म के जुर्म में 20 साल की जेल की सजा काट रहा है. डेरा प्रमुख के वकील जितेंद्र खुराना ने कहा, उच्च न्यायालय ने रंजीत सिंह हत्या मामले में उनके मुवक्किल को बरी कर दिया है. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)

की एक विशेष अदालत ने 2021 में राम रहीम और चार अन्य को 19 साल पुराने रंजीत सिंह हत्या मामले में उम्रकैद की सजा सुनायी थी. पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 10 जुलाई 2002 को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. उसकी एक अज्ञात पत्र प्रसारित करने में संदिग्ध रूप से शामिल होने को लेकर हत्या कर दी गयी थी.

इंडिगो में बम होने की सूचना अफवाह निकली

नयी दिल्ली । दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मंगलवार को सुबह वाराणसी के लिए उड़ान भरने को तैयार 'इंडिगो' के एक विमान में बम होने की धमकी मिली लेकिन विमान की तलाशी लिए जाने के बाद यह सूचना अफवाह निकली. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बम होने की धमकी मिलने के बाद प्राधिकारियों ने विमान में सवार चालक दल के सभी कर्मियों एवं 176 यात्रियों को बाहर निकालकर तलाशी अभियान शुरू किया. इंडिगो के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि यात्रियों को एक अन्य विमान से वाराणसी ले जाए जाने की व्यवस्था की गई. इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया गया.

केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़ाने के संबंध में

याचिका सूचीबद्ध प्रधान न्यायाधीश करेंगे : उच्चतम न्यायालय

एजेंसी । नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करने वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के संबंध में कोई भी फैसला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) लेंगे क्योंकि मुख्य मामले पर फैसला पहले से सुरक्षित है. केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के कारण कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है. न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने केजरीवाल की अंतरिम याचिका को स्वयं सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए पिछले सप्ताह तब क्यों इसका उल्लेख नहीं किया गया, जब मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता अवकाश पीठ में बैठे थे. मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने की थी.

उमर खालिद को दिल्ली कोर्ट से जमानत याचिका खारिज की गयी

नयी दिल्ली । करीब चार साल से जेल में बंद उमर खालिद को एक बार फिर दिल्ली की अदालत से राहत नहीं मिली है. कड़कड़डूमा कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है. उन पर दिल्ली सांप्रदायिक दंगा मामले में बड़ी साजिशें रचने का आरोप है और सितंबर 2020 से जेल में हैं. उमर खालिद ने अपनी जमानत के लिए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी, लेकिन बाद में अपनी याचिका वापस ले ली थी. इसके बाद वह जमानत के लिए कड़कड़डूमा कोर्ट पहुंचे थे, जहां अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया. ट्रायल कोर्ट में जमानत याचिका देरी और अन्य आरोपी के साथ समानता के आधार पर दायर की गई थी.

किया दावा | कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर किया पोस्ट, लिखा

अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

- अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है?

एजेंसी । नयी दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक खबर का हवाला देते हुए सवाल भी किया कि क्या ये सच नहीं है कि अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया गया है? खरगे ने ''एक्स'' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार द्वारा अग्निवीर (अग्निपथ) योजना थोपने से भारत

की राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ है. उन्होंने सवाल किया, क्या ये सच नहीं है कि अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है? क्या ये सच नहीं है कि देश के रक्षा मंत्री को बार-बार दोहराना पड़ रहा है कि वे अग्निवीर योजना पर पुनः विचार करेंगे, बदलाव करेंगे, सुधार करेंगे? क्या ये सच नहीं है कि सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) व सेना नए सैनिकों की भर्ती में लगातार हो रही कमी से चिंतित है जो इस दशक के अंत तक सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने वाली है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, एक तरफ देश की सीमाओं पर चीनी घुसपैठ, कब्जा और अतिक्रमण हो रहा है, जिससे निपटने के लिए अधिक सैन्य बल चाहिए, दूसरी ओर मोदी सरकार ने अग्निवीर से हमारे देशभक्त युवाओं का जीवन तबाह करने का काम किया है. उन्होंने कहा, कांग्रेस की गारंटी है - हम अग्निवीर योजना रद्द करेंगे. तभी हमारे देशभक्त युवाओं को न्याय मिलेगा.

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश से किया दावा

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश से दावा किया कि अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा है. उन्होंने कहा, भारतीय सशस्त्र बलों को

चीनी आक्रमण से बचाने और उनका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूर्वी लद्दाख में बड़े पैमाने पर जवानों की तैनाती लगातार बनाए रखने की आवश्यकता है. रमेश ने कहा, अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है. इसके परिणामस्वरूप सेवा दे रहे जवानों की संख्या में कमी आएगी, जिससे अगले दशक में हमारी सुरक्षा से समझौता हो सकता है. कांग्रेस महासचिव ने कहा, एक बात और है. मात्र छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीरों को युद्ध के लिए तैयार मान लिया जाता है. यह उस नीति का परिणाम है जो मोदी सरकार ने बिना परामर्श के और तीनों सेना प्रमुखों के विरोध के बावजूद बिना सोचे-समझे बनाई.

नवाज शरीफ का पीएमएल-एन अध्यक्ष चुना जाना तय

लाहौर । पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ मंगलवार को फिर से पीएमएल-एन दल का अध्यक्ष चुना जाना तय है. पनामा पेपर मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद छह साल पहले उन्हें यह पद गंवाना पड़ा था. डॉन अखबार की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एक स्थानीय होटल में जनरल कौंसिल की बैठक होने वाली है. ब्रिटेन में चार साल के निर्वासन के बाद पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान लौटे 74 वर्षीय नवाज के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है. रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएमएल-एन ने पहले 11 मई को जनरल कौंसिल की बैठक बुलाने की घोषणा की थी, लेकिन पाकिस्तान के परमाणु शक्ति बनने के 26 साल पूरे होने के जश्न के मौके पर इसे स्थगित कर दिया गया.

आप नेता आतिशी को कोर्ट ने भेजा समन

29 जून को पेशी के लिए बुलाया

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दायर मानहानि मामले में दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी को तलब किया है. आतिशी को 29 जून को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया है. कोर्ट ने आतिशी के उन आरोपों पर संज्ञान लिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने आप विधायकों को रिश्वत देने और खरीद-फरोख्त करने का प्रयास किया. इसके बाद भाजपा नेता प्रवीण शंकर कपूर ने आतिशी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था.

प्रवीण शंकर कपूर ने मानहानि मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी नाम लिया

था. भाजपा नेता ने दावा किया कि इस तरह के आरोपों से उनकी और उनकी पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है. इन आरोपों पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने आतिशी को आरोपी के तौर पर चिन्हित किया और उन्हें 29 जून को पेश होने का आदेश दिया. बता दें कि भाजपा नेता ने 30 अप्रैल को मानहानि का मामला दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आप नेता अपने गलत दावों को साबित करने के लिए कोई भी सबूत पेश करने में विफल रहे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)